epaper.dehatsandesh.com

3 पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत वाहन जब्त किया
5 मेरे परिवार में सभी जश्न मना रहे, रिकार्ड कीमत में सीएसके का हिस्सा बनने के बाद बोले कार्तिक शर्मा
8 जैविक खादें- रसायनिक खादों का सार्थक विकल्प

मौसम जम्मू न्यूनतम 11 अधिकतम 21

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-310 | जम्मू तवी, वीरवार 18 दिसम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

हमारा ध्यान व्यापक आर्थिक स्थिरता और शिक्षा एवं स्वास्थ्य में उच्च निवेश पर होना चाहिए : सिन्हा

उपराज्यपाल ने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु नीति निर्माण और रणनीतिक योजना पर सम्मेलन को किया संबोधित

जम्मू, 17 दिसंबर । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को आईआईएम जम्मू में आयोजित रणनीतिक प्रबंधन फोरम के 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु नीति निर्माण और रणनीतिक योजना पर सम्मेलन को संबोधित किया।

तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), जम्मू द्वारा रणनीतिक प्रबंधन फोरम (एसएमएफ) और नीति आयोग के सहयोग से किया जा रहा है। अपने मुख्य भाषण में उपराज्यपाल ने तेजी से विकसित हो रही दुनिया में भारत के सामने मौजूद चुनौतियों और अवसरों तथा नीति निर्माताओं और व्यापारिक नेताओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उपराज्यपाल ने कहा कि हमारा ध्यान व्यापक आर्थिक स्थिरता और शिक्षा एवं स्वास्थ्य में उच्च निवेश पर होना चाहिए। डिजिटल उपकरण, सहभागी शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही, परियोजनाओं का त्वरित कार्यान्वयन और बढ़ती जनसंख्या के लिए प्रभावी सार्वजनिक सेवाएं सर्वांगीण विकास की कुंजी होंगी। उपराज्यपाल ने कहा कि हमारे पूर्वजों के मूल मूल्य, सिद्धांत, आदर्श और सुशासन के मूल्य हमें वर्तमान चुनौतियों का सामना करने और एक समृद्ध भविष्य का निर्माण करने में मार्गदर्शन करेंगे।

उपराज्यपाल ने आधुनिक भारत और डिजिटल भारत जैसी योजनाओं का लाभ विकास के सबसे निचले पायदान पर मौजूद नागरिकों तक पहुंचाने के अपने संकल्प को दोहराया।

उपराज्यपाल ने कहा कि विकेंद्रीकृत शासन ने महत्वपूर्ण सकारात्मक बदलाव लाए हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं कि नीतियां केवल कागजों पर ही न रहें बल्कि जवाबदेह, नैतिक रूप से सुदृढ़ और क्रियाशील हों जिससे जनहितैषी दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्धता को बल मिले।

उपराज्यपाल ने जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के विशाल लेकिन अप्रयुक्त खनन क्षेत्र का दोहन करके राजस्व बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। उपराज्यपाल ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में चूना पत्थर, नीलम, लिथियम और अन्य खनिजों की अपार संभावनाएं हैं।

भारतीय कंपनियां इथोपिया में सबसे बड़े निवेशकों में से है : मोदी

अदीस अबाबा, 17 दिसंबर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत का इथियोपिया से दो हजार साल पुराना रिश्ता है। दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक ले जाने का फैसला किया है।

प्रधानमंत्री मोदी अपनी तीन देशों की यात्रा के दूसरे चरण में इथोपिया में हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इथोपिया की संसद के संयुक्त सत्र को बुधवार को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और इथियोपिया की जलवायु और भावना दोनों में गर्मजोशी है।

उन्होंने कहा, भारतीय कंपनियां इथोपिया में सबसे बड़े निवेशकों में से हैं। उन्होंने अलग-अलग सेक्टरों में पांच बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश किया है। 75000 से अधिक नौकरी पैदा की हैं। हमने भारत-इथियोपिया द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक ले जाने का फैसला किया है। मोदी ने वैश्विक दक्षिण के उभार का उल्लेख करते हुए विश्व को संदेश दिया कि अतीत में अटकी व्यवस्थाओं से आगे बढ़ना संभव नहीं है। उन्होंने इथोपिया को क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और संपर्क के क्षेत्र में स्वाभाविक मित्र बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और इथोपिया को क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और संपर्क के क्षेत्र में स्वाभाविक मित्र बताया। उन्होंने क हा। कि इथोपिया में अफ्रीका जाने का मार्ग है और वहीं भारत हिंद महासागर के बीच में बसा है। उन्होंने अपने भाषण में इस बात का विशेष उल्लेख किया कि भारत और इथोपिया के राष्ट्रगीत में जमीन को मां के रूप में देखा गया है। उन्होंने इथोपिया का 'ग्रेट ओनर निशान ऑफ़ इथियोपिया' प्राप्त करने पर आभार प्रकट किया। प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि पिछले 11 वर्षों में भारत और अफ्रीका के बीच संबंधों में कई गुना प्रगति हुई है। भारत के डिजिटल सार्वजनिक ढांचे ने सेवाओं को लोगों तक पहुंचाने के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। भारत ने 150 से ज्यादा देशों को दवायें और वैक्सीन पहुंचाई है यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि हमने इथोपिया को भी 40 लाख वैक्सीन खुराक के मुहैया कराई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अदीस और धोलेरा जैसे बंदरगाह सिर्फ व्यापार केंद्र नहीं थे, बल्कि सभ्यताओं के बीच पुल थे। आधुनिक समय में, हमारे रिश्ते एक नए युग में प्रवेश करते हैं, जब 1941 में भारतीय सैनिकों ने इथोपिया की आजादी के लिए इथोपियाई लोगों के साथ मिलकर लड़ाई लड़ी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस शानदार बिल्डिंग में आपके कानून बनते हैं। यहीं लोगों की सहमति राज्य की मर्जी बनती है और जब राज्य की मर्जी लोगों की सहमति से मिलती है, तो परियोजनाओं का पहिया आगे बढ़ता है। मोदी ने अपना भाषण पूरा करने के बाद इथोपियाई सांसदों से मुलाकात की

सरकार ने संतोष ट्रॉफी 2025 में भाग लेने वाली जम्मू-कश्मीर फुटबॉल टीम के चयन प्रक्रिया की जांच का दिया आदेश

जम्मू, 17 दिसंबर । जम्मू-कश्मीर सरकार ने संतोष ट्रॉफी 2025 के लिए आयोजित 79वीं राष्ट्रीय फुटबॉल चौंपियनशिप में भाग लेने वाली जम्मू-कश्मीर फुटबॉल टीम के चयन प्रक्रिया की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया है।

सरकारी आदेश संख्या 50-जेके (वाईएसएस) 2025 दिनांक 17 दिसंबर के अनुसार जांच समिति समयबद्ध तरीके से पूरी चयन प्रक्रिया की जांच करके तथ्यों का पता लगाएगी। समिति की अध्यक्षता जम्मू-कश्मीर की युवा सेवा एवं खेल महानिदेशक अनुराधा गुप्ता करेंगी और इसमें विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ अनुभवी खेल पेशेवर भी शामिल होंगे। युवा सेवा एवं खेल महानिदेशक को कश्मीर और जम्मू क्षेत्र से एक-एक पूर्व राष्ट्रीय स्तर के फुटबॉल खिलाड़ियों को सह-सदस्य के रूप में शामिल करने का अधिकार दिया गया है।

आदेश के अनुसार समिति को चयन प्रक्रिया की गहन जांच करने और निष्कर्षों के आधार पर अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करने का कार्य सौंपा गया है। समिति को सात दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। सरकार ने जांच प्रक्रिया में जनता की

भागीदारी को सुविधाजनक बनाने का भी निर्णय लिया है। आम जनता के सदस्यों को जम्मू और श्रीनगर में निर्धारित तीन दिनों में समिति से मिलकर अपने सुझाव और टिप्पणियां प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाएगी

पीओजेके की महिला नियंत्रण रेखा पार कर पुंछ में घुसी

जम्मू, 17 दिसंबर। सेना के जवानों ने एक पाकिस्तानी महिला को पकड़ लिया जो पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में अपने पिता के साथ बहस के बाद नियंत्रण रेखा (एलओसी) के साथ जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में घुस आई। उन्होंने कहा कि 35 वर्षीय पाकिस्तानी नागरिक जिसकी पहचान पीओके में कोटली जिले के गिम्मा इलाके के शेहनाज अख्तर के रूप में की गई है को बालाकोट सेक्टर में डब्बी फॉरवर्ड इलाके से सेना के जवानों ने पकड़ लिया। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक पूछताछ से पता चला है कि उसका अपने पिता के साथ झगड़ा हुआ था और सेना इकाई द्वारा पकड़े जाने से पहले वह अपने घर से एलओसी क्षेत्र की ओर भाग गई थी।

केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद जम्मू-कश्मीर की केंद्र पर वित्तीय निर्भरता बढ़ी : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर, 17 दिसंबर । मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि जम्मू और कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद केंद्र पर उसकी वित्तीय निर्भरता बढ़ गई है। मुख्यमंत्री केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के उस बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिसमें राज्यों को कर्ज-जीडीपी अनुपात कम करने के लिए वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने की आवश्यकता के बारे में कहा गया था।जम्मू-कश्मीर के वित्त मंत्री भी अब्दुल्ला ने यहां पत्रकारों से कहा कि जम्मू और कश्मीर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं है। हम वित्तीय संसाधनों के लिए काफी हद तक केंद्र पर निर्भर हैं। यह निर्भरता कम होने के बजाय, हमारे केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद बढ़ गई है। एक राज्य के रूप में हमें केंद्रीय करों से राज्य का हिस्सा मिलता था जो अब हमें नहीं मिलता है। इसलिए हमें बहुत सारा बजटीय बोझ सीधे केंद्र को हस्तांतरित करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हालांकि हमने यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी कोशिश की है कि वित्तीय अनुशासन में कोई ढिलाई न हो। जम्मू और कश्मीर में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने पर अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी सरकार इस संबंध में हर संभव प्रयास कर रही है लेकिन लोगों की सुरक्षा पर सबसे अधिक जोर देती है। हम अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं लेकिन हम यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि लोगों की सुरक्षा और संरक्षा हो। हमने हाल ही में शायद उत्तराखंड में कहीं देखा कि एक आदमी बिना रस्सी बांधे बंजी जंपिंग करने चला गया। उन्होंने कहा कि हम नहीं चाहते कि ऐसी कोई चीज़ यहाँ हो। जम्मू और कश्मीर में छिपे हुए पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देने पर, अब्दुल्ला ने कहा कि पहले जाने-माने स्थलों को फिर से खोलने की ज़रूरत है।

नशा तस्कर जावेद अख्तर की 12 लाख से अधिक की संपत्ति कुर्क

कठुआ, 17 दिसंबर । कठुआ पुलिस ने एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के समग्र पर्यवेक्षण में नशा तस्करों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक नशा तस्कर की एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों के तहत 12 लाख से अधिक की संपत्ति कुर्क की है। जानकारी के अनुसार बिलवार पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर जहीर मुश्ताक की देखरेख में बिलवार पुलिस स्टेशन की टीम द्वारा की गई विस्तृत और सावधानीपूर्वक वित्तीय जांच के बाद, कुख्यात नशा तस्कर जावेद अख्तर पुत्र मोहम्मद लतीफ, निवासी लोहाई मल्हार, वर्तमान में ढेर फिंतर तहसील बिलवार जिला कठुआ की अचल संपत्ति, जो 12,26,303६-मूल्य की है, को एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों के तहत अस्थायी रूप से कुर्क किया गया। बाद में मामले को पुष्टि के लिए सेफेमा के समक्ष रखा गया, जिसे अब विधिवत रूप से स्वीकार कर लिया गया है, जिससे कुर्की की कार्यवाही को कानूनी अंतिम रूप मिल गया है। उक्त आरोपी आदतन अपराधी है और उस पर पीआईटी एनडीपीएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। उक्त आरोपी बिलवार पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस अधिनियम के तहत कई मामले दर्ज हैं।

श्रीनगर में मौसम खराब, चार उड़ानें रद्द

श्रीनगर, 17 दिसंबर । खराब मौसम और परिचालन संबंधी कारणों से आज सुबह श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर चार उड़ानें रद्द कर दी गई। अधिकारियों के अनुसार इंडिगो की उड़ान 6ई-6164 जो सुबह 9 बजे अमृतसर के लिए रवाना होने वाली थी । उसे रद्द करना पड़ा। इंडिगो की एक अन्य उड़ान, 6ई-6962 जो शाम 6.45 बजे कोलकाता के लिए रवाना होने वाली थी परिचालन संबंधी कारणों से रद्द कर दी गई है। स्पाइसजेट की दो उड़ानें एसजी-180 और एसजी-160 दोनों दिल्ली के लिए रवाना होने वाली थीं और क्रमशः दोपहर 1.30 बजे और शाम 5.45 बजे रवाना होने वाली थीं परिचालन संबंधी कारणों से रद्द कर दी गई हैं।अधिकारियों ने बताया कि हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन मौसम की स्थिति पर निर्भर करता है और यात्रियों को नवीनतम जानकारी के लिए एयरलाइंस से संपर्क करने की सलाह दी गई है।

पुलिस ने गांदरबल कार्रवाई में 10 करोड़ रुपये की कोकीन बरामद की

गांदरबल, 17 दिसंबर। संगठित मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक निर्णायक कार्रवाई में गांदरबल में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कोकीन और हेरोइन जैसे उच्च मूल्य वाले मादक पदार्थों की खरीद और बिक्री को लक्षित करते हुए एक केंद्रित अभियान चलाया जिससे क्षेत्र में सक्रिय नशीली दवाओं के नेटवर्क को एक बड़ा झटका लगा । एक पुलिस प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि 08-12-2025 को चलाए गए विशेष नाका चेकिंग अभियानों की एक श्रृंखला के दौरान गांदरबल पुलिस ने 01 ड्रग तस्कर को पकड़ा जिसका नाम मोहम्मद इरफान भट, पुत्र गुलाम नबी भट निवासी खारबाग वाकुरा गांदरबल था। तदनुसार एनडीपीएस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर संख्या 200/2025 पुलिस स्टेशन गांदरबल में दर्ज की गई और आगे की जांच शुरू की गई।

कुख्यात मादक पदार्थ तस्कर की लगभग 1.5 करोड़ की अचल संपत्ति जब्त

श्रीनगर, 17 दिसंबर । मादक पदार्थों की तस्करी और इससे जुड़े वित्तीय नेटवर्क के खिलाफ लगातार चल रही कार्रवाई के तहत श्रीनगर पुलिस ने शाल्टेंग पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले के संबंध में मादक पदार्थों और मनोरोगी पदार्थों (एनडीपीएस) अधिनियम के प्रावधानों के तहत एक कुख्यात मादक पदार्थ तस्कर की लगभग 1.5 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति जब्त कर ली है। एक बयान के अनुसार यह कार्रवाई एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/20 और 29 के तहत एफआईआर संख्या 75/2025 में एनडीपीएस अधिनियम के अध्याय वी-ए के अनुसार की गई विस्तृत वित्तीय जांच के बाद की गई है। जांच के दौरान आरोपी और उसके परिवार के सदस्यों की संपत्तियों की व्यापक जांच की गई। राजस्व अभिलेखों, संपत्ति दस्तावेजों, क्षेत्र सत्यापन रिपोर्टों, मूल्यांकन संबंधी जानकारियों और संबंधित व्यक्तियों के बयानों की जांच से पता चला कि 2018-2019 के दौरान निर्मित एक दो मंजिला आवासीय मकान अवैध मादक पदार्थों की तस्करी से प्राप्त धन से खरीदा गया था। यह सिद्ध हो गया कि आरोपी और उसके परिवार के सदस्यों की ज्ञात और वैध आय उक्त संपत्ति के अधिग्रहण और निर्माण को उचित ठहराने के लिए अपर्याप्त थी। बयान में कहा गया है कि धन का स्रोत अस्पष्ट, अनुपातहीन और सीधे तौर पर मादक पदार्थों से संबंधित गतिविधियों से जुड़ा हुआ पाया गया। तदनुसार, एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68-एफ के तहत संपत्ति ज़ब्ती आदेश जारी किए गए हैं जो सक्षम प्राधिकारी के अगले आदेश तक ज़ब्त की गई संपत्ति की बिक्री, हस्तांतरण, गिरवी रखने या किसी भी तीसरे पक्ष के हित के सृजन पर रोक लगाते हैं।

सेना ने एक विशेष सैन्य ट्रेन के माध्यम से घाटी में टैंक और तोपें पहुँचाकर महत्वपूर्ण रसद उपलब्धि हासिल की

जम्मू, 17 दिसंबर । भारतीय सेना ने एक विशेष सैन्य ट्रेन के माध्यम से कश्मीर घाटी में टैंक और तोपें पहुँचाकर एक महत्वपूर्ण रसद उपलब्धि हासिल की है। इससे देश के सबसे उत्तरी छोर तक गतिशीलता और रसद क्षमता में वृद्धि का प्रदर्शन हुआ है। उत्तरी रेलवे ने अब तक कश्मीर से सेब लाने-ले जाने के लिए कंटेनर-आधारित वैगन, साथ ही वाहन और सीमेंट की आपूर्ति की है जो घाटी में व्यापार और उद्योग को समर्थन देने की दिशा में एक और पहल है। । एडीजीपीआई ने एक्स के माध्यम से घोषणा की कि भारतीय सेना ने 16 दिसंबर, 2025 को एक विशेष सैन्य ट्रेन के माध्यम से कश्मीर घाटी में टैंक और तोपें पहुँचाकर एक महत्वपूर्ण रसद उपलब्धि हासिल की। उन्होंने कहा गया है कि सत्यापन अभ्यास के तहत, टैंक, तोपें और डोजर जम्मू क्षेत्र से कश्मीर के अनंतनाग तक सफलतापूर्वक पहुँचाए गए जिससे गतिशीलता और रसद क्षमता में वृद्धि का प्रदर्शन हुआ। एडीजीपीआई ने कहा कि यह उपलब्धि भारतीय रेल मंत्रालय के साथ घनिष्ठ समन्वय में हासिल की गई जो उत्तरी सीमाओं के

साथ तेजी से लॉजिस्टिक्स निर्माण और परिचालन तत्परता को मजबूत करने में उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना के परिवर्तनकारी प्रभाव को रेखांकित करती है।

धारा 370 के लिए एनसी की लड़ाई का मुखौटा खत्म हो गया है : पीडीपी

श्रीनगर, 17 दिसंबर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने बुधवार को सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस पर भाजपा के राज्य के एजेंडे को लागू करते हुए जम्मू-कश्मीर के लिए विशेष दर्जे की बहाली के लिए अपनी लड़ाई छोड़ने का आरोप लगाया।

पीडीपी नेता वहीद पारा ने कहा कि अनुच्छेद 370 के लिए लड़ने वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस का मुखौटा खत्म हो गया है।

एक्स पर एक पोस्ट में पार्टी ने कहा कि हर किसी को बीजेपी की बी टीम के रूप में ब्रांड करने से लेकर अब बीजेपी के राज्य और व्यापार नियमों के एजेंडे को लागू करने तक, एनसी ने 5 अगस्त (अनुच्छेद 370 निरस्तीकरण) को सामान्य बनाने का काम पूरा कर लिया है और पवित्र गठबंधन को मजबूत किया है।

पारा ने एक्स पर पोस्ट किया अनुच्छेद 370 के लिए एनसी की लड़ाई का दिखावा खत्म हो गया है।

गर्दन की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए अपनाएं ये 8 टिप्स

सुन्दर दिखने की चाह हर किसी को होती है। सौन्दर्य में जहां एक ओर चेहरे की सुंदरता का महत्व है, वहीं गर्दन का महत्व भी कम नहीं मना जाता। अगर आपकी सुराहीदार गर्दन हो तो वह आपकी सुंदरता में चार चांद लगा देती है। पर

अगर गर्दन की सफाई समय पर न की जाए तो यह आपकी सुंदरता को कम कर देती है। गर्दन पर उम्र का प्रभाव बहुत जल्दी पडता हैं, जिसके कारण समय से पहले ही झुर्रियां, काली-मैली और स्किन के रंग में फर्क साफ देखाई देने लगता हैं। वहीं दूसरी ओर गर्दन बेडौल हो जाने की समस्या भी उत्पन्न हो जाती है। इसलिए गर्दन की भी उसी प्रकार से देखभाल करनी चाहिए जैसे चेहरे की जाती है।

1. नींबू के बीज निकाल कर कच्चे दूध में डुबो-डुबो कर मैली गर्दन पर रगडें। इससे गर्दन की मैल दूर हो जाएगी।

2. हफ्ते में 2-3 बार पपीते के गूदे से मसाज करने से गर्दन की स्किन पर निखार आता है और साथ ही झुर्रियां भी दूर होती है। 3. अंडे की सफेदी में थोडा सा नीबू का रस मिलाकर अच्छी तरह से फेट लें। इसे गर्दन पर 15 मिनट तक लगा रहने दें। इसके बाद धो लें। यह गर्दन का कालापन दूर करता है।

4. 30-35 साल की महिलाएं गर्दन की झुर्रियों से परेशान हैं, तो उन्हें दूर करने के लिए सबसे आसान तरीका है कि सप्ताह में एक बार अंडे की जर्दी को गर्दन पर लगा लें। सूखने के बाद गुनगुने पानी से धो लें। 5. रात को 10-15 चिरौंजी दूध में भिगो दें। सुबह उसे अच्छी तरह पीसकर लगाने से गर्दन का कालापन दूर होता है। यह प्रयोग सप्ताह में 2 बार करें। 6. गर्दन का कालापन दूर करने के लिए जैतून के तेल की मसाज करें।

7. दो चम्मच उड़द की दाल को गुलाबजल में रात भर के लिए भिगो दें। सुबह उसे पीसकर पेस्ट बना लें। इसे गर्दन पर लगाएं। 10 मिनट बाद ठंडे पानी से साफ कर लें। यह गर्दन की ठीक से सफाई कर देता है।

8. सिर को कभी भी झुका कर बिल्कुल ना रखें।

पार्टी में सबसे अलग दिखें

पार्टियों का मौसम है। ऋतु मस्तानी है। ऐसे में ग्लैमर लुक आपको देगा एक नई पहचान। यहां लैक्मे ब्यूटी एक्सपर्ट कोरि वालिया बता रहे हैं इस सीजन के नए लुक्स।

मौसम के साथ-साथ मेकअप ट्रेड भी बदल जाता है। नर्म धूप और ठंड में अगर किसी पार्टी में या विशेष मौके पर कहीं जाना हो तो कई बार सोचना पड़ता है, मेकअप कैसा और किस तरह किया जाए कि त्वचा भी सही रहे। तो चलिए सखी के साथ इस सीजन के ग्लैमर लुक ट्राई करिए।

लुक 1

रेड कार्पेट ग्लैम लुक चेहरा

चेहरा साफ पानी से धोकर अपनी स्किन टोन से मेल खाता हुआ सिल्क नैचरल डेली फाउंडेशन लगाएं। गर्दन व चेहरे पर लगाएं। ऊपर से नीचे की दिशा में अच्छी तरह ब्लेंड करें। अपने चीक्स को सॉफ्ट, नैचरल हाइलाइट करने के लिए पीच कलर का प्योर रुजब्लशर लगाएं।

आंखें

पर्पल ओएसिस आई कलर क्वारलेट लें। फिर एप्लीकेटर की सहायता से हलका शेड लैश लाइन से आइब्रो तक लगाएं। उसके बाद एक डार्क शेड लैश लाइन पर लगाकर हलका ब्लेंड करें। अब फिर लोअर लिड पर आई आर्टिस्ट से मोटी लाइन खींचें। आंखों के दोनों कोनों से बाहर निकालते हुए बनाएं। क्विक स्लिवर ग्लाइड ऑन आई कलर से अपर आइलिड पर फाइनल टच दें।

होंठ

एनरिच मैट लिप कलर शेड 661 से होंठों को सॉफ्ट टच दें।

नाखून

ट्रू वेयर नेल कलर शेड 041 से नाखूनों को आकर्षक बनाएं।

बाल

आउट कर्ल करके सेट करें।

लुक 2

रेड कार्पेट ग्लैम लुक

चेहरा

चेहरा साफ पानी से धोकर अपनी स्किन टोन से मेल खाता हुआ सिल्क नैचरल डेली फाउंडेशन गर्दन व चेहरे पर लगाएं। ऊपर से नीचे की दिशा में अच्छी तरह ब्लेंड करें।

आंखें

आंखों को ग्लैमर और आकर्षक रूप देने के लिए अपनी अपर आइलिड पर टोपाज आइपॉट लगाएं। अच्छी तरह ब्लेंड करें। फिर आई आर्टिस्ट पेन से मोटी गहरी अपर लैश लाइन बनाएं। थोड़ा बाहर की तरफ निकालते हुए बनाएं। अब अपनी अपर और लोअर आइलिड पर पीकॉक ग्रीन ग्लाइड ऑन आइ कलर से लाइन बनाएं। यह लाइन भीतरी कोने से बाहरी कोने तक बाहर की तरफ फैलाते हुए बनाएं।

होंठ

लिप क्रोम शेड 501 से होंठों को भरें।

नाखून

नाखूनों पर ट्रू वेयर नेल कलर शेड 421 लगाएं।

लुक 3

गोवा ग्लैम लुक

चेहरा

चेहरा साफ पानी से धोकर अपनी स्किन टोन से मेल खाता हुआ सिल्क नैचरल डेली फाउंडेशन गर्दन व चेहरे पर लगाएं। ऊपर से नीचे की दिशा में अच्छी तरह ब्लेंड करें। अब गालों को सॉफ्ट व नैचरल टच देने के लिए डिंपल एरिया पर हनी बंच प्योर रूज ब्लशर लगाएं। उसके बाद चीक्स बोन के उभार वाले स्थान को नीचे से ऊपर की ओर पीच अफेयर प्योर रूज ब्लशर से हाइलाइट करें। ब्रॉन्ड, बीच लुक देने के लिए चेहरे पर सन किस्ड फेस शियर लगाएं।

आंखें

हिना गोल्ड ग्लाइड ऑन आई कलर से अपर आइलिड पर मोटी आईलाइन बनाएं। फिर लोअर आइलिड पर मेटैलिक ब्लैक ग्लाइड ऑन आई कलर से पतली लाइन बनाएं। उसके बाद हिना गोल्ड से हलकी लाइन खींचें।

होंठ

होंठों को क्रीमी मैट बेस देने के लिए एनरिच मैट लिप कलर शेड नं.- 263 लगाएं।

उसके बाद लस्टर शीन लिप क्रोम शेड नं.- 601 लगाएं।

नाखून

ट्रू वेयर नेल कलर शेड नं.-242 से नेल्स को कोट करें।

लुक 4

जिप्सी ग्लैम लुक

चेहरा

चेहरा साफ पानी से धोकर अपनी स्किन टोन से मेल खाता हुआ सिल्क नैचरल डेली फाउंडेशन गर्दन व चेहरे पर लगाएं। ऊपर से नीचे की दिशा में अच्छी तरह ब्लेंड करें। उसके बाद चीक्स बोन के उभार वाले स्थान को नीचे से ऊपर की ओर हनी बंच प्योर रूज ब्लशर से हाइलाइट करें।

आंखें

स्मोकी आई लुक देने के लिए आई कलर क्वारटेट से ब्लैक आईशैडो लें और उसमें से मून डस्ट शेड को आइलिड पर लगाएं। फिर लोअर आइलिड पर फैलाएं। अगर आपकी त्वचा के लिए यह शेड अधिक गहरा लगे तो सॉफ्ट लुक देने के लिए कोई ब्राउन शेड लगाएं। सिल्वर शेड से अपर लैश लाइन को हाइलाइट करें। फिर ब्रो बोन पर व्हाइट शेड लगाकर परफेक्ट फिनिशिंग दें। लोअर लैश लाइन पर मेटैलिक ब्लैक ग्लाइड ऑन आई कलर लगाएं। इस लाइन के नीचे ब्रॉन्ज ग्लाइड ऑन आई कलर से नीचे दूसरी लाइन खींचें और बाहरी कोनों तक हलका फैलाएं।

होंठ

गोल्ड सिजल ग्लाइड ऑन लिप कलर से होंठों को डिफाइन करें और स्मज प्रूफ, शिमरिंग बेस दें।

बेहतरीन रूप देने के लिए एनरिच मेटैलिक लिप कलर शेड 660 लगाएं।

नाखून

ट्रू वेयर नेल कलर शेड नं.- 420 से नाखूनों को कोट करें।

मॉइस्चराइजर

लगाने के लिए इस तरह करें ब्रश का उपयोग

आजकल हर कोई मेकअप करता है, फिर चाहे कोई भी उत्सव हो या नही। ऐसे में अगर जलदबाजी में आप सही तरीके से मेकअप नही करेगे तो आप आकर्षक नही दिखागे। आज हम आपको मेकअप में सही तरीके से मॉइस्चराइजर लगाने के बारे में बताएगें। मॉइस्चराइजर का उपयोग झुर्रियों को आने से रोकता है और आपकी त्वचा को कोमल बनाए रखने में सहायता करता है। मॉइस्चराइज़र का इस्तेमाल अगर हाथों की जगह अगर ब्रश से किया जाए तो आपकी त्वचा लिए फायदेमंद होगा। ऐसे में कभी भी हाथों से मेकअप नही करना चाहिए, क्योकि हाथों से मेकअप एक समान नहीं फैलता। मेकअप में ब्रश का उपयोग करना हाथों और चेहरे की त्वचा के लिए भी फायदेमंद है। तो आइए जानते है ब्रश द्वारा मॉइस्चराइजर लगाने के तरीके...

1. स्मूथ स्किन

अगर आप स्मूथ स्किन पाना चाहते है तो हाथों से मॉस्चराइज़र लगाए की बजाय ब्रश का उपयोग करें। ब्रश आपके चेहरे पर मॉइस्चराइजर को अच्छे से फैलता है, जिससे आपकी त्वचा एक समान लगती है। ऐसा करने से फाउन्डेशन से पहले त्वचा को एक बेस मिल जाता है।

2. मेकअप

कभी भी हाथों से मेकअप न करें, क्योंकि हाथों से मेकअप एक समान नहीं फैलता। ब्रश के साथ मेकअप करने से त्वचा के साथ अच्छे से मिलता जाता है। इसीलिए हमेशा ब्रश का उपयोग करें।

3. आईब्रो

ब्रश की सहायता से मॉइस्चराइज़र लगाते हैं तो ध्यान रखें कि आईब्रो का भाग छोड़ दें ताकि इन पर मेकअप अच्छे से हो जाए। अगर आप हाथों का उपयोग करते हैं तो हो सकता है कि इसका कुछ भाग आपकी आईब्रो पर लग जाए जिससे आपकी आईब्रो पर पेन्सिल का उपयोग ख़राब हो सकता है।

4. मुंहासें

हमारे चेहरे की त्वचा बहुत संवेदनशील होती है। अगर आप इस पर हाथों से मॉस्चराइज़र लगाएगें तो हाथों के बैक्टीरिया अपके चेहरे की त्वचा पर आ जाएगें, जिसके कारण आपको मुंहासें या अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। हमारे हाथों और नाखूनों में बहुत सा तेल और बैक्टीरिया होते हैं, जिनहें चाहरे पर लगाने से मुंहासों की समस्या हो सकती है। इस लिए इनहें साथ-सुथरा रखें।

5. ब्रश मसाज

ब्रश से मॉस्चराइज़र लगाने पर मसाज जैसा अनुभव आता है जिससे आप न केवल आराम महसूस करते हैं बल्कि यह त्वचा के लिए बहुत अच्छा होता है। इससे रक्त परिसंचरण बढ़ता है तथा आपको अधिक चमकीला चेहरा मिलता है।

6. ब्रश का उपयोग

अकसर देखा गया है कि जब आप हाथों से मेकअप करते है तो अपको कई बार हाथ धोने पड़ते हैं या कुछ लोगों को अपने हाथ ख़राब करना अच्छा नहीं लगता ऐसे में आप ब्रश का उपयोग करें।

डैंड्रफ

हैं तो अपनाएं ये घरेलु उपाय, जल्द ही पाएं छुटकारा!

सुन्दर दिखने की चाह हर किसी को होती है। सौन्दर्य में जहां एक ओर चेहरे की सुंदरता का महत्व है, वहीं गर्दन का महत्व भी कम नहीं मना जाता। अगर आपकी सुराहीदार गर्दन हो तो वह आपकी सुंदरता में चार चांद लगा देती है। पर अगर गर्दन की सफाई समय पर न की जाए तो यह आपकी सुंदरता को कम कर देती है। गर्दन पर उम्र का प्रभाव बहुत जल्दी पडता हैं, जिसके कारण समय से पहले ही झुर्रियां, काली-मैली और स्किन के रंग में फर्क साफ देखाई देने लगता हैं। वहीं दूसरी ओर गर्दन बेडौल हो जाने की समस्या भी उत्पन्न हो जाती है। इसलिए गर्दन की भी उसी प्रकार से देखभाल करनी चाहिए जैसे चेहरे की जाती है।

1. नींबू के बीज निकाल कर कच्चे दूध में डुबो-डुबो कर मैली गर्दन पर रगडें। इससे गर्दन की मैल दूर हो जाएगी।

2. हफ्ते में 2-3 बार पपीते के गूदे से मसाज करने से गर्दन की स्किन पर निखार आता है और साथ ही झुर्रियां भी दूर होती है। 3. अंडे की सफेदी में थोडा सा नीबू का रस मिलाकर अच्छी तरह से फेट लें। इसे गर्दन पर 15 मिनट तक लगा रहने दें। इसके बाद धो लें। यह गर्दन का कालापन दूर करता है।

4. 30-35 साल की महिलाएं गर्दन की झुर्रियों से परेशान हैं, तो उन्हें दूर करने के लिए सबसे आसान तरीका है कि सप्ताह में एक बार अंडे की जर्दी को गर्दन पर लगा लें। सूखने के बाद गुनगुने पानी से धो लें। 5. रात को 10-15 चिरौंजी दूध में भिगो दें। सुबह उसे अच्छी तरह पीसकर लगाने से गर्दन का कालापन दूर होता है। यह प्रयोग सप्ताह में 2 बार करें। 6. गर्दन का कालापन दूर करने के लिए जैतून के तेल की मसाज करें।

7. दो चम्मच उड़द की दाल को गुलाबजल में रात भर के लिए भिगो दें। सुबह उसे पीसकर पेस्ट बना लें। इसे गर्दन पर लगाएं। 10 मिनट बाद ठंडे पानी से साफ कर लें। यह गर्दन की ठीक से सफाई कर देता है।

8. सिर को कभी भी झुका कर बिल्कुल ना रखें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति कठुआ ने सरकार का पुतला जलाकर किया विरोध प्रदर्शन

कठुआ, 17 दिसंबर (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति कठुआ ने माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय में सीट आवंटन मामले को लेकर जम्मू कश्मीर एलजी सरकार और स्थानीय सरकार के खिलाफ पुतला जलाकर विरोध प्रदर्शन किया।

बुधवार को श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति कठुआ ने शहर के शहीदी चैक में माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय में सीट आवंटन मामले को लेकर जम्मू कश्मीर एलजी सरकार और स्थानीय सरकार के खिलाफ पुतला जलाकर विरोध प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की। इससे पहले कठुआ पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से पुतला छीनने की कोशिश भी की लेकर विफल रहे। प्रदर्शन के दौरान समिति के सदस्यों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हुई लेकिन समिति के सदस्य पुतला जलाने में सफल रहे। समिति के सदस्यों ने कहा कि वे अपनी मांगों को लेकर गंभीर हैं और इसके लिए वे किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। समिति के सदस्यों ने आरोप लगाया कि हिंदुओं के साथ भेदभाव किया जा रहा है और मुस्लिम समुदाय को अधिक सीटें आवंटित की गई हैं। समिति के सदस्यों ने कहा कि अगर हिंदुओं की आस्था के साथ खिलवाड़ किया गया और विश्वविद्यालय में हिंदुओं का हक नहीं दिया गया तो इससे भी उग्र प्रदर्शन होगा। उन्होंने सरकार से सीट आवंटन नीति में बदलाव की मांग की है। समिति के सदस्यों ने कहा कि माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय में 50 सीटों में से 42 सीटें मुस्लिम समुदाय के छात्रों को आवंटित की गई हैं, जबकि हिंदू समुदाय के छात्रों को केवल 7 सीटें आवंटित की गई हैं। समिति के सदस्यों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे आगे भी विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे और इसके लिए सरकार जिम्मेदार होगी। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने उनकी मांगों को अनदेखा किया तो वे उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

स्वामी रामस्वरूप जी ने जसरोटा विधायक के आवास पर शाश्वत वैदिक ज्ञान का प्रसार किया

कठुआ, 17 दिसंबर (हि.स.)। वेदों के प्रख्यात उपदेशक और विद्वान स्वामी रामस्वरूप जी योगाचार्य ने बुधवार को जसरोटा विधायक राजीव जसरोटा के आवास पर आध्यात्मिक और भक्तिमय वातावरण में यज्ञ और हवन का आयोजन किया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, स्थानीय निवासी और समुदाय के सदस्य श्रद्धा और भक्ति के साथ शामिल हुए। पवित्र अनुष्ठान वैदिक परंपराओं का पूर्णतया पालन करते हुए प्राचीन मंत्रों के उच्चारण के साथ संपन्न किए गए। समारोहों में शांति, समृद्धि और कल्याण के लिए दिव्य आशीर्वाद का आह्वान किया गया जिससे क्षेत्र की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को बल मिला। श्रद्धालुओं ने स्वयं, अपने परिवार और समाज के लिए ईश्वर की कृपा की कामना करते हुए आहुति और प्रार्थनाएं अर्पित कीं। अनुष्ठानों के प्रारंभ से पहले, स्वामी रामस्वरूप जी योगाचार्य ने सभा को संबोधित करते हुए वेदों के शाश्वत ज्ञान पर एक गहन प्रवचन दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि वैदिक शिक्षाएँ किस प्रकार सत्य, अनुशासन, करुणा और निस्वार्थ सेवा को विकसित करने में व्यक्तियों का मार्गदर्शन करती हैं, साथ ही प्रकृति और सह-मानवों के साथ सामंजस्य को बढ़ावा देती हैं। स्वामी जी ने इस बात पर बल दिया कि आज की तीव्र गति वाली दुनिया में भी ये प्राचीन मूल्य अत्यंत प्रासंगिक बने हुए हैं जो समाज को नैतिक जीवन और आध्यात्मिक विकास की ओर अग्रसर करते हैं। भक्तों ने उनके ज्ञानवर्धक शब्दों के लिए गहरी सराहना व्यक्त की और उनके उपदेशों से प्राप्त प्रेरणा और स्पष्टता का उल्लेख किया।

हस्तशिल्प एवं हथकरघा विभाग द्वारा रैंप योजना के तहत पैकेजिंग एवं ब्रांडिंग कार्यशाला का आयोजन

कठुआ, 17 दिसंबर (हि.स.)। पारंपरिक कारीगरों के बाजार एकीकरण और आर्थिक संभावनाओं को बढ़ाने के उद्देश्य से जम्मू कश्मीर के हस्तशिल्प एवं हथकरघा निदेशालय ने श्रीनगर स्थित राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान के सहयोग से कठुआ स्थित डीसी कार्यालय में पैकेजिंग एवं ब्रांडिंग पर एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया।

यह कार्यशाला लघु एवं मध्यम उद्यम प्रदर्शन संवर्धन और त्वरण योजना के अंतर्गत आयोजित की गई और इसका आयोजन सहायक निदेशक हस्तशिल्प एवं हथकरघा कार्यालय कठुआ द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में उपायुक्त ने हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों के मूल्य, दृश्यता और बाजार पहुंच को बढ़ाने में पैकेजिंग और ब्रांडिंग के महत्व पर जोर दिया। एनआईएफटी श्रीनगर के विशेषज्ञों ने समकालीन पैकेजिंग और ब्रांडिंग प्रथाओं पर विस्तृत प्रस्तुतियाँ दीं और प्रतिभागियों को एनआईएफटी की भूमिका और संस्थान द्वारा पेश किए जाने वाले विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में भी जानकारी दी जिनका लाभ कारीगर और शिल्प-आधारित उद्यमी अपने कौशल को और बेहतर बनाने और बाजार उन्मुखीकरण के लिए उठा सकते हैं। इस कार्यशाला में जिले भर के कारीगरों, बुनकरों और विभागीय अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हस्तशिल्प एवं हथकरघा विभाग की सहायक निदेशक कठुआ अक्षु शर्मा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कारीगरों के व्यवस्थित कौशल उन्नयन और बेहतर बाजार उन्मुखीकरण के लिए एक व्यापक कार्ययोजना प्रस्तुत की। उन्होंने योजना के तहत नियोजित हस्तक्षेपों पर प्रकाश डाला जिनमें नियमित क्षमता निर्माण कार्यक्रम, प्रौद्योगिकी सहायता, ब्रांडिंग और पैकेजिंग मानकों से अवगत कराना और बाजार संपर्क तंत्र को मजबूत करना शामिल है

जिला पुलिस रामबन द्वारा आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन

रामबन, 17 दिसंबर (हि.स.)। एफबी स्पोर्ट्स बनिहाल फाइनल में चैंपियन बना जिला पुलिस रामबन द्वारा आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट आज जिला पुलिस लाइन्स (डीपीएल) रामबन में एक रोमांचक फाइनल मैच के साथ संपन्न हुआ। टीम एफबी स्पोर्ट्स बनिहाल एक उत्साही और सराहनीय प्रदर्शन के बाद टूर्नामेंट की चैंपियन बनकर उभरी।

फाइनल मैच में एसएसपी ट्रैफिक एनएचडब्ल्यू उपस्थित थे। मुख्य अतिथि जेकेपीएस के आदिल हामिद थे। इस कार्यक्रम में एसएसपी रामबन, अरुण गुप्ता, जेकेपीएस, डीएसपी (ऑप्स) रामबन सुश्री मनीषा कुमारी, खाता अधिकारी अंकित कुमार और जिला पुलिस रामबन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी/कर्मचारी भी उपस्थित थे।। टूर्नामेंट का आयोजन एसएसपी रामबन की समग्र देखरेख में किया गया था।

अरुण गुप्ता जेकेपीएस और मुजीब उर रहमान एडिशनल एसपी आरबीएन, डीएसपी कुलदीप कुमार (डीएआर रामबन) द्वारा आरआई डीपीएल इंस्पेक्टर संजय मन्हास के साथ समन्वयित किया गया। जिला युवा सेवा और खेल (डीवाईएसएस) विभाग के कर्मचारियों ने टूर्नामेंट के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने में आवश्यक सहायता प्रदान की।

दोनों फाइनलिस्ट टीमों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और अनुकरणीय खेल कौशल की सराहना करते हुए ट्रॉफी, नकद पुरस्कार और जलपान से सम्मानित किया गया। सभा को संबोधित करते हुए गणमान्य व्यक्तियों ने आकारिन में खेल के महत्व पर प्रकाश डाला।

आवारा कुत्तों से बचाव के उपायों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कठुआ, 17 दिसंबर (हि.स.)। जीडीसी मढ़हीन की एनएसएस इकाई ने आवारा कुत्तों से बचाव के उपायों पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की प्रधानाचार्या प्रो. अनुपमा गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अरुण देव सिंह एनएसएस ने सभा को संबोधित किया और एनएसएस स्वयंसेवकों, विद्यार्थियों और महाविद्यालय के कर्मचारियों को प्रेरित करते हुए उन्हें आवारा कुत्तों से स्वयं को और समाज को बचाने के तरीके बताए।

आजकल आवारा कुत्ते बहुत आम हो गए हैं और समाज में कुत्तों के काटने की अधिकांश घटनाएं इन्हीं कुत्तों के कारण हो रही हैं। इस अवसर पर प्रथम सेमेस्टर की एनएसएस स्वयंसेवक मुस्कान और नितिका ने अपने विचार व्यक्त किए। सभी प्रतिभागियों ने ध्यानपूर्वक सुना और समाज के हर कोने तक इस संदेश को पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का प्रबंधन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अरुण देव सिंह, डॉ. बलबिंदर सिंह और डॉ. शालू रानी ने किया। डॉ. शालू रानी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

पिछले छह महीनों से वेतन न मिलने से नाराज़ आशा वर्कर्स ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया

बांदीपोरा, 17 दिसंबर (हि.स.)। बांदीपोरा पिछले छह महीनों से वेतन न मिलने से नाराज़ आशा वर्कर्स ने बुधवार को हाजिन में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर्स ने सरकार और स्वास्थ्य विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए सड़क जाम कर दी जिससे कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। प्रदर्शन कर रही आशा वर्कर्स का कहना है कि लंबे समय से सैलरी न मिलने के कारण उन्हें भारी आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और उनके लिए घर का गुजारा चलाना मुश्किल हो गया है।

डोडा में जिला स्तरीय प्रदर्शनी-सह-किसान मेला आयोजित

डोडा, 17 दिसंबर। कृषि उत्पादन एवं किसान कल्याण विभाग, डोडा द्वारा यहां सामुदायिक भवन में केंद्र प्रायोजित योजना के तहत जिला स्तरीय प्रदर्शनी-सह-किसान मेले का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विकास परिषद के अध्यक्ष धनंतर सिंह कोटवाल ने की। उपायुक्त हरविंदर सिंह तथा कृषि निदेशक जम्मू अनिल गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में जिले भर से बड़ी संख्या में किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो आधुनिक एवं सतत कृषि पद्धतियों के प्रति उनकी बढ़ती रुचि को दर्शाता है।

कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र के विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए, जहां उन्नत फसल किस्मों, नवीन कृषि तकनीकों तथा कृषि-आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने वाली प्रमुख सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। किसानों ने इन स्टॉलों पर तकनीकी विशेषज्ञों और अधिकारियों से बातचीत में विशेष रुचि दिखाई।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण किसानों द्वारा प्रदर्शित विभिन्न फसलों और कृषि उत्पादों की प्रदर्शनी रही। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, जिससे किसानों को विविधीकरण, नवाचार और वैज्ञानिक खेती अपनाने की प्रेरणा मिली। यह मेला ज्ञान साझा करने, अनुभवों के आदान-प्रदान तथा बागवानी और मधुमक्खी-पालन जैसी सहायक गतिविधियों के प्रचार का भी एक प्रभावी मंच बना।

मुख्य कृषि अधिकारी ने समग्र कृषि विकास कार्यक्रम तथा अन्य किसान-केंद्रित योजनाओं—प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड और विभिन्न कृषि प्रोत्साहन कार्यक्रमों—के अंतर्गत उपलब्धियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

उन्होंने कृषि उत्पादकता बढ़ाने, गुणवत्तापूर्ण बीज, उर्वरक व दवाइयों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा किसान सहायता तंत्र को मजबूत करने हेतु चल रही पहलों पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर मुख्य योजना अधिकारी मुनिश कुमार मन्हास; मुख्य कृषि अधिकारी अमजद हुसैन मलिक; एडीओ सब्जी हारून हुसैन; सुशील रत्तन शर्मा (एमडीओ); डीएओ एक्सटेंशन; मधुमक्खी-पालन विकास अधिकारी तथा एसडीएओ प्रणू सहित अन्य सरकारी अधिकारी उपस्थित रहे।

मेले के साथ-साथ ब्लॉक दिवस कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी शिकायतें दर्ज कराईं। प्रशासन द्वारा सभी मुद्दों को ध्यानपूर्वक सुना गया और कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया, जिससे उत्तरदायी शासन और किसान कल्याण के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

संवाद के दौरान किसानों एवं जनप्रतिनिधियों ने HADP गतिविधियों के विस्तार, वर्मी-कम्पोस्ट इकाइयों के निर्माण, वर्षा जल संचयन संरचनाओं, फसल क्षति मुआवजा, सिंचाई सुविधाओं में सुधार, नहरों के नवीनीकरण, कृषि हेतु जल आपूर्ति और मुआवजा मामलों के त्वरित निपटारे सहित कई मांगें रखीं।

पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत वाहन जब्त किया

रियासी, 17 दिसंबर (हि.स.)। रियासी जिला पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अपनी निरंतर कार्रवाई के तहत एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों के तहत मादक पदार्थों के एक मामले में शामिल एक वाहन को जब्त कर लिया है। आरोपी अनित कुमार पुत्र स्वर्गीय राम प्रकाश निवासी कुन दरोरियान वार्ड संख्या 5 कटरा जिला रियासी की हुंडई सैंट्रो कार को एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68-एफ के तहत जब्त कर लिया गया है।

यह कार्रवाई एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8 21 22 29 के तहत दर्ज एफआईआर संख्या 251 2025 के संबंध में की गई है। यह जब्ती मादक पदार्थों से संबंधित गतिविधियों के लिए चल संपत्ति के दुरुपयोग को रोकने और मादक पदार्थों के नेटवर्क के रसद संबंधी समर्थन को समाप्त करने के लिए कानूनी कार्यवाही के तहत की गई है।

जम्मू पुलिस ने मवेशी तस्करी का प्रयास विफल किया

जम्मू, 17 दिसंबर (हि.स.)। ऑपरेशन कामधेनु के तहत मवेशी तस्करी के खिलाफ अपनी कार्रवाई जारी रखते हुए जम्मू पुलिस ने जौरियन क्षेत्र में तस्करी के एक प्रयास को विफल कर दिया। जौरियन पुलिस चौकी द्वारा गश्त के दौरान शुना चौक जौरियन में एक विशेष नाका लगाया गया था। जाँच के दौरान खुर से अखनूर की ओर आ रही एक महिंद्रा बोलेरो लोड कैरियर जेके02डीएल-7735 यूपी को रुकने का इशारा किया गया। हालांकि चालक ने इशारा अनसुना कर भागने का प्रयास किया। पुलिस दल ने तुरंत वाहन का पीछा किया और लगभग 200 मीटर आगे उसे रोक लिया जहां चालक ने वाहन छोड़ दिया और अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। गहन जाँच करने पर उक्त वाहन में अवैध रूप से 7 मवेशी ले जाए जा रहे थे। सभी जानवरों को सुरक्षित बचा लिया गया और वाहन को जब्त कर लिया गया।

डीआईजी जेएसके रेंज ने कठुआ के बिलावर, सांबा, रामकोट और मनवाल क्षेत्रों में परिचालन तैयारियों की समीक्षा की

सांबा, 17 दिसंबर (हि.स.)। मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य को देखते हुए डीआईजी जेएसके रेंज शिव कुमार, आईपीएस, एसएसपी कठुआ सुश्री मोहिता शर्मा आईपीएस, सांबा एसएसपी वरिंदर मनहास, डीएसपी अर्जुन सिंह चिब, एसपी ऑपरेशंस बिलावर आमिर, एसपी ऑपरेशंस कठुआ मुकुंद, आईपीएस, सीओ सीआरपीएफ, एसडीपीओ बिलावर और एसएचओ बिलावर ने कठुआ जिले के बिलावर क्षेत्र में चल रही परिचालन तैयारियों की समीक्षा की। यह समीक्षा हाल ही में उधमपुर जिले के सोआन क्षेत्र से हुई गोलीबारी की घटना के मद्देनजर की गई। डीआईजी ने जमीनी स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए बिलावर के कमला टॉप का भी दौरा किया।

समीक्षा के दौरान डीआईजी जेएसके रेंज ने पूरे क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सभी अधिकारियों को अपने-अपने जिम्मेदारी वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्क और सक्रिय रहने का निर्देश दिया।

विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच मजबूत समन्वय की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए डीआईजी ने इस बात पर जोर दिया कि भविष्य में किसी भी संभावित सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए प्रभावी अंतर-एजेंसी सहयोग महत्वपूर्ण है। विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच सुदृढ़ समन्वय की आवश्यकता पर जोर देते हुए डीआईजी ने कहा कि भविष्य में किसी भी संभावित सुरक्षा चुनौती से निपटने के लिए प्रभावी अंतर-एजेंसी सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है।

आईपीएस शिव कुमार ने बलों की तैनाती की समीक्षा की और संवेदनशील और असुरक्षित क्षेत्रों में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए अतिरिक्त बल तैनात करने का निर्देश दिया। उन्होंने सुरक्षा खतरों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए खुफिया जानकारी जुटाने और समय पर सूचना साझा करने के महत्व पर बल दिया। डीआईजी ने जमीनी स्तर पर तैनात जवानों के प्रदर्शन की भी समीक्षा की और उनका मनोबल बढ़ाया।

बिश्नाह पुलिस टीम ने ड्रग तस्करी में शामिल एक व्यक्ति को किया गिरफ्तार

बिश्नाह, 17 दिसंबर (हि.स.)। खास और भरोसेमंद जानकारी पर कार्रवाई करते हुए बिश्नाह पुलिस स्टेशन की एक पुलिस टीम ने आज बिश्नाह पुलिस स्टेशन के इलाके में कोठे होसरू में संदिग्ध गतिविधियों की जांच करने और गैर-कानूनी गतिविधियों, खासकर ड्रग तस्करी को रोकने के लिए एक खास नाका लगाया।

नाका चेकिंग के दौरान एसएचओ बिश्नाह इंस्पेक्टर राकेश जमवाल के नेतृत्व में पुलिस टीम रजिस्ट्रेशन नंबर पीबी06ऐजी-0516 वाली एक मोटरसाइकिल पर सवार एक व्यक्ति को शक के आधार पर रोका गया और पकड़ा गया। पूछताछ और उसके बाद कानूनी प्रक्रिया के अनुसार और तहसीलदार बिश्नाह की मौजूदगी में की गई तलाशी के दौरान उसके पास से नशीला पदार्थ जैसा कुछ बरामद हुआ।

आरोपी की पहचान विशाल सिंह पुत्र भगवान सिंह निवासी कोठे होसरू के रूप में हुई है। वजन करने पर, बरामद नशीला पदार्थ 19.54 ग्राम पाया गया। नशीले पदार्थ के अलावा आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया।

बरामद नशीले पदार्थ को कानून के प्रावधानों के अनुसार मौके पर ही जब्त कर सील कर दिया गया और बरामदगी की जगह पर सभी जरूरी कानूनी औपचारिकताएं पूरी की गईं। आरोपी द्वारा इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल को भी कब्जे में ले लिया गया।

श्राइन बोर्ड के खिलाफ विरोध

जम्मू,, 17 दिसंबर (हि.स.)। जिला सांबा में श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड द्वारा हिंदू समाज के हितों और धार्मिक आस्था पर हो रहे कथित आघात के विरोध में मुख्य चौक सांबा में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की और कहा कि धार्मिक आस्थाओं से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे और प्रशासन से मामले में उचित कदम उठाने की मांग की गई।

PUBLIC NOTICE

I, Santosh Kumari, D/o Sh. Gulshan Raj, R/o H. No. 349-A, Nai Basti, Satwari, Jammu – 180003, hereby inform the general public that my name has been wrongly mentioned as Santosh Devi in MES records.

I state that my correct name is Santosh Kumari. If any person has any objection to this correction, the same may be raised before the concerned authority within 10 days from the date of publication of this notice.

अशोक कौल ने पुलवामा जनसभा में कश्मीर में मोदी सरकार के विकास प्रयासों पर प्रकाश डाला

कश्मीर, 17 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर भाजपा के महासचिव अशोक कौल ने वरिष्ठ पार्टी नेताओं के साथ पुलवामा जिले के पाटीपोरा लस्सीपोरा में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया जहां उन्होंने जम्मू और कश्मीर में सतत विकास स्थायी शांति और समावेशी विकास के भाजपा के दृष्टिकोण को विस्तार से बताया।

जिसमें कश्मीर क्षेत्र पर विशेष जोर दिया गया। अशोक कौल के साथ भाजपा राज्य सचिव मुदासिर वानी, पुलवामा जिला अध्यक्ष इंजीनियर शौकत गयूर, भाजपा किसान मोर्चा के नेता और कार्यक्रम आयोजक अरशद भट और वरिष्ठ नेता अवतार सिंह भी थे। नेताओं ने स्थानीय निवासियों से भी बातचीत की और उनकी चिंताओं आकांक्षाओं और सुझावों को सुना। सभा को संबोधित करते हुए अशोक कौल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक और दूरदर्शी नेतृत्व में कश्मीर क्षेत्र ने युद्धस्तर पर अभूतपूर्व विकास देखा है।

उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने खुले आतंकवाद और अस्थिरता से भरे युग से क्षेत्र की कहानी को पर्यटन बुनियादी ढांचे और अन्य विकास से प्रेरित युग में बदलकर एक ऐतिहासिक परिवर्तन लाया है।

डीसी ने मंडली में जनसंपर्क शिविर में जनता की शिकायतें सुनीं

कठुआ, 17 दिसंबर (हि.स.)। डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने बिलावर उपमंडल के मंडली में एक जन शिकायत निवारण शिविर की अध्यक्षता की जहां उन्होंने स्थानीय लोगों और आसपास की पंचायतों के पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों की शिकायतें सुनीं।

मंडली, कोहाग, दुरंग और लोअर डूंगारा के पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने न्यायिक और तकनीकी प्रबंधन के तहत पेयजल आपूर्ति, सड़क संपर्क, बारिश से होने वाले नुकसान, स्कूल के बुनियादी ढांचे में कमियां, सिंचाई की जरूरतें, बंदरों का आतंक, राशन कार्ड का विभाजन और बिलावर उपमंडल अस्पताल भवन के निर्माण को पूरा करने से संबंधित मुद्दे उठाए। जनता से बातचीत करते हुए उपायुक्त ने आश्वासन दिया कि ठेकेदार स्तर पर निधि संबंधी चिंताओं का समाधान होते ही जेजेएम के तहत लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाएगा। सड़क संपर्क संबंधी मुद्दों पर उन्होंने बताया कि पीएमजीएसवाई और पीडब्ल्यूडी के तहत अधिकांश आवंटन जारी किए जा चुके हैं और उनका क्रियान्वयन जारी है, जबकि शेष कार्यों का प्रस्ताव अगले चरण में किया जाएगा। हाल ही में हुई बारिश से हुए नुकसान को लेकर जताई गई चिंताओं का जवाब देते हुए डीसी ने बताया कि पुनर्निर्माण कार्य पहले से ही जारी है और स्थायी प्रस्ताव उच्च अधिकारियों को सौंप दिए गए हैं। उन्होंने राजस्व कर्मचारियों को समय पर सत्यापन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया ताकि वास्तविक राहत मामलों को ही मंजूरी मिल सके।

जेकेसीआईपी के तहत युवा क्लबों को सशक्त बनाने के लिए कठुआ में युवा वाणी 2.0 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

कठुआ, 17 दिसंबर (हि.स.)। कृषि उत्पादन एवं किसान कल्याण विभाग कठुआ ने मुख्य कृषि अधिकारी कठुआ के कार्यालय परिसर के सम्मेलन कक्ष में युवा वाणी 2.0 प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कार्यक्रम में माननीय विधायक कठुआ, डॉ. भरत भूषण मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा क्लब सदस्यों को प्रभावी जागरूकता अभियान चलाने और जम्मू एवं कश्मीर प्रतिस्पर्धात्मकता सुधार परियोजना के अंतर्गत युवा क्लबों के मूल उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सशक्त बनाना था। सभा को संबोधित करते हुए मुख्य कृषि अधिकारी कठुआ जतिंदर खजूरिया ने सामुदायिक विकास में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और जेकेसीआईपी के उद्देश्यों पर जोर दिया, विशेष रूप से जागरूकता, नवाचार और जमीनी स्तर पर परिवर्तन के उत्प्रेरक के रूप में युवा क्लबों की भागीदारी पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान युवा क्लब के सदस्यों के तकनीकी ज्ञान और नेतृत्व कौशल को बढ़ाने के लिए विशेषज्ञों के व्याख्यानों की एक श्रृंखला आयोजित की गई। डॉ. विशाल महाजन ने प्रतिभागियों को वृक्षारोपण अभियान, आधुनिक तकनीकों और जागरूकता रणनीतियों पर मार्गदर्शन दिया, जबकि डॉ. बृजेश अजरावत ने जल निकायों के पुनर्जीवन और सतत कृषि एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए उनके महत्व पर चर्चा की। भेड़पालन विभाग से डॉ. साक्षी गुप्ता और पशुपालन विभाग से डॉ. साकिब ने अपने-अपने विषयों पर व्याख्यान दिए। अपने संबोधन में माननीय विधायक कठुआ, डॉ. भरत भूषण ने युवा क्लब के सदस्यों को सामुदायिक कल्याण पहलों और जागरूकता अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए उत्साह और लगन से काम करने का निर्देश भी दिया कि सरकारी योजनाओं और जेकेसीआईपी के हस्तक्षेपों का लाभ व्यापक समुदाय तक पहुंचे।

संपादकीय

एलओसी उल्लंघन से सुरक्षा को खतरा

नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार से लोगों के बार-बार प्रवेश के मामले किसी भी तरह से हल्के में नहीं लिए जा सकते, क्योंकि इसके गंभीर सुरक्षा निहितार्थ हो सकते हैं, विशेषकर तब जब पाकिस्तान भारत के खिलाफ छद्म युद्ध (प्रॉक्सी वॉर) चला रहा है और देश के हितों को नुकसान पहुंचाने का कोई मौका नहीं छोड़ता।

एलओसी के दोनों ओर रहने वाले लोग भली-भांति जानते हैं कि इस सीमा रेखा के नजदीक जाना खतरनाक हो सकता है, क्योंकि यह क्षेत्र अत्यंत संवेदनशील है और कड़ी सैन्य निगरानी में रहता है। ऐसे में किसी भी तरह का सीमा पार करने का प्रयास या सफल घुसपैठ यह कहकर कि यह अनजाने में हुआ है, राष्ट्र के लिए गंभीर परिणाम ला सकता है। यह मानना कठिन है कि पाकिस्तान की ओर से कोई व्यक्ति मासूमियत से इस ओर आ गया हो।

भारत के अधिकारियों को एलओसी के निकट किसी भी अनधिकृत गतिविधि को अत्यंत गंभीरता से लेना चाहिए, चाहे उसमें शामिल व्यक्ति पुरुष हो, महिला हो या नाबालिग बच्चा। ऐसे मामलों को केवल व्यक्तिगत घटना मानना उचित नहीं होगा, क्योंकि यह भारत की सुरक्षा और रणनीतिक हितों को कमजोर करने की किसी बड़ी साजिश का हिस्सा भी हो सकता है।

घुसपैठ, जासूसी और आतंकवाद को बढ़ावा देने से जुड़े पूर्व मामलों की संख्या को देखते हुए, एलओसी के पास किसी भी संदिग्ध गतिविधि को बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए। पकड़े गए व्यक्ति को जल्दबाजी में वापस भेजना एक बड़ी चूक साबित हो सकता है। इसलिए आवश्यक है कि ऐसे मामलों में पूरी गंभीरता बरती जाए और कड़े निवारक उपाय सुनिश्चित किए जाएं। इसी कड़ी में एक और मामला सामने आया है, जिसमें पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) से ताल्लुक रखने वाली एक युवा महिला को पुंछ जिले के बालाकोट सेक्टर में सेना ने पकड़ा है। बताया जा रहा है कि महिला पीओजेके के कोटली जिले के गिम्मा गांव की निवासी है। उसे बालाकोट सेक्टर के डब्बी अग्रिम क्षेत्र में एलओसी पार करते हुए पकड़ा गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, महिला ने पारिवारिक विवाद के चलते एलओसी पार की हो सकती है। फिलहाल वह सेना की हिरासत में है और आगे की जांच के लिए उसे स्थानीय पुलिस को सौंपा जाएगा। सुरक्षा एजेंसियों को ऐसे मामलों पर गंभीर संज्ञान लेना चाहिए, क्योंकि एलओसी के पास उसकी गतिविधि से ही भारत द्वारा वहां की गई सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता के स्तर की जानकारी विरोधी तत्वों तक पहुंच सकती है, जो एक गंभीर विषय है। भारतीय अधिकारियों को ऐसे सभी घुसपैठियों को लंबे समय तक हिरासत में रखना चाहिए। यह सोचकर नरमी बरतना कि घुसपैठिया महिला है, बच्चा है या शारीरिक रूप से अक्षम है, सुरक्षा की दृष्टि से नुकसानदेह हो सकता है, क्योंकि जो घटना पहली नजर में अनजाने में की गई लगती है, वह लंबे समय में शांति भंग करने की साजिश का हिस्सा भी हो सकती है।

लौहपुरुष सरदार पटेल और एकीकृत भारत की नींव

वल्लभ भाई पटेल वकालत की पढ़ाई करने के लिए सन् 1905 में इंग्लैंड जाना चाहते थे लेकिन पोस्टमैन ने उनका पासपोर्ट और टिकट उनके भाई विट्ठल भाई पटेल को सौंप दिए। दोनों भाइयों का शुरूआती नाम वी. जे. पटेल था, ऐसे में बड़ा होने के नाते उस समय विट्ठल भाई ने स्वयं इंग्लैंड जाने का निर्णय लिया।

राष्ट्रीय एकता के प्रति सरदार पटेल की निष्ठा आजादी के इतने वर्षों बाद भी पूरी तरह प्रासंगिक है। एकता की मिसाल कहे जाने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल गुजरात के नाडियाद में एक किसान परिवार में 31 अक्तूबर 1875 को जन्मे थे, जिन्होंने सदैव देश की एकता को सर्वोपरि माना। सरदार पटेल ने भारत को खण्ड-खण्ड करने की अंग्रेजों की साजिशों को नाकाम करते हुए बड़ी ही कुशलता से आजादी के बाद करीब 550 देशी रियासतों तथा रजवाड़ों का एकीकरण करते हुए अखण्ड भारत के निर्माण में सफलता हासिल की थी। राजनीतिक और कूटनीतिक क्षमता का परिचय देते हुए स्वतंत्र भारत को एकजुट करने का असाधारण कार्य बेहद कुशलता से सम्पन्न करने के लिए जाने जाते रहे सरदार पटेल का देहांत दिल का दौरा पड़ने के कारण 15 दिसम्बर 1950 को 75 वर्ष की आयु में हो गया था और इसी दिन को प्रतिवर्ष 'सरदार पटेल स्मृति दिवस' के रूप में मनाया जाता है। देश के पहले गृहमंत्री और पहले उप-प्रधानमंत्री रहे सरदार पटेल का भारत के राजनीतिक एकीकरण के लिए अविस्मरणीय योगदान रहा।

सरदार पटेल ने लंदन से वकालत की पढ़ाई पूरी कर अहमदाबाद में प्रैक्टिस शुरू की थी। वे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों से अत्यधिक प्रेरित हुए और इसीलिए उन्होंने गांधी जी के साथ भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में हिस्सा लिया। वे भाई-भतीजावाद की राजनीति के सख्त खिलाफ थे और ईमानदारी के ऐसे पर्याय थे कि उनके देहांत के बाद जब उनकी सम्पत्ति के बारे में जानकारियां जुटाई गई तो पता चला कि उनकी निजी सम्पत्ति के नाम पर उनके पास कुछ नहीं था। वह जो भी कार्य करते थे, पूरी ईमानदारी, समर्पण, निष्ठा और हिम्मत से साथ पूरा किया करते थे। उनके जीवन से जुड़े कई ऐसे प्रसंग सामने आते हैं, जो इस महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कुशल प्रशासक के जीवन को समझने में सहायक हैं।

एक किसान परिवार में जन्मे वल्लभ भाई पटेल जब छोटे थे, तब अपने पिताजी के साथ खेत पर जाया करते थे। एक दिन जब उनके पिताजी खेत में हल चला रहे थे तो वल्लभ भाई पटेल उन्हीं के साथ चलते-चलते पहाड़े याद कर रहे थे। उसी दौरान उनके पांव में एक बड़ा सा कांटा चुभ गया किन्तु वे हल के पीछे चलते हुए पहाड़े कंठस्थ करने में इस कदर लीन हो गए कि उन पर कांटा चुभने का कोई प्रभाव ही नहीं पड़ा। जब एकाएक उनके पिताजी की नजर उनके पांव में घुसे बड़े से कांटे और बहते खून पर पड़ी तो उन्होंने घबराते हुए बैलों को रोका और बेटे वल्लभ भाई के पैर से कांटा निकालते हुए घाव पर पत्ते लगाकर खून बहने से रोका। बेटे की यह एकाग्रता और तन्मयता देखकर वे बहुत खुश हुए और जीवन में कुछ बड़ा कार्य करने का आशीर्वाद दिया।वल्लभ भाई पटेल वकालत की पढ़ाई करने के लिए सन् 1905 में इंग्लैंड जाना चाहते थे लेकिन पोस्टमैन ने उनका पासपोर्ट और टिकट उनके भाई विट्ठल भाई पटेल को सौंप दिए। दोनों भाइयों का शुरूआती नाम वी. जे. पटेल था, ऐसे में बड़ा होने के नाते उस समय विट्ठल भाई ने स्वयं इंग्लैंड जाने का निर्णय लिया। वल्लभ भाई पटेल ने बड़े भाई के निर्णय का सम्मान करते हुए न केवल बड़े भाई को अपना पासपोर्ट और टिकट दे दिया बल्कि इंग्लैंड में रहने के लिए उन्हें कुछ धनराशि भी भेजी।

सरदार पटेल का जीवन कितना सादगीपूर्ण था और उनका स्वभाव कितना सहज तथा नम्र था, यह इस किस्से से आसानी से समझा जा सकता है। सरदार पटेल उन दिनों भारतीय लेजिस्लेटिव असेंबली के अध्यक्ष थे। असेंबली के कार्यों से निवृत्त होकर एक दिन जब वे घर के लिए निकल ही रहे थे, तभी एक अंग्रेज दम्पत्ति वहां पहुंचा, जो विदेश से भारत घूमने के लिए आया था।

सरदार पटेल सादे वस्त्रों में रहते थे और उन दिनों उनकी दाढ़ी बढ़ी हुई थी। अंग्रेज दम्पत्ति ने इस वेश में देखकर उन्हें वहां का चपरासी समझ लिया और असेंबली में घुमाने के लिए कहा। सरदार पटेल ने बड़ी ही विनम्रता से उनका यह आग्रह स्वीकार करते हुए उन्हें पूरे असेंबली भवन में घुमाया। इससे खुश होकर दम्पति ने सरदार पटेल को बख्शीश में एक रुपया देने का प्रयास किया लेकिन सरदार पटेल ने अपनी पहचान उजागर न करते हुए विनम्रतापूर्वक लेने से इन्कार कर दिया। अगले दिन जब असेंबली की बैठक हुई तो वह अंग्रेज दम्पत्ति लेजिस्लेटिव असेंबली की कार्रवाई देखने के लिए दर्शक दीर्घा में पहुंचा और सभापति के आसन पर बढ़ी हुई दाढ़ी तथा सादे वस्त्रों वाले उसी शख्स को देखकर दंग रह गया। वह मन ही मन ग्लानि से भर उठा कि जिस शख्स को चपरासी समझकर उन्होंने उसे असेम्बली घुमाने के लिए कहा, वो कोई और नहीं बल्कि खुद इस असेंबली के अध्यक्ष हैं। अंग्रेज दम्पत्ति सरदार पटेल की सादगी, सहज स्वभाव और नम्रता का कायल हो गया और उसने असेम्बली की कार्रवाई के बाद सरदार पटेल से क्षमायाचना की। एकीकृत भारत की निर्माता यह महान् शख्सियत 15 दिसम्बर 1950 को चिरनिद्रा में लीन हो गई।

संसद में राहुल के तेवर और शाह के पलटवार

विक्रम उपाध्याय

राहुल गांधी इन दिनों अमित शाह को हर तरह से घेरने में लगे हैं। पहले चुनाव सुधार पर संसद में बहस के दौरान गृहमंत्री को टोकते और रोकते नजर आए और फिर रामलीला मैदान में एसआईआर पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए यह कहते नजर आए कि लोकसभा में उनके उठाए प्रश्नों पर अमित शाह कांप रहे थे। वैसे राहुल गांधी को जानने वाले यह मानते हैं कि उनमें ना भाषा का संयम है और ना पद का लिहाज। वह प्रधानमंत्री के प्रति भी कई बार ओछे शब्दों का इस्तेमाल कर चुके हैं, लेकिन गृहमंत्री शाह ने जब संसद में पलटवार किया तो राहुल ब्रिगेड की बेचारगी साफ नजर आई। दरअसल राहुल गांधी लगातार यह कोशिश कर रहे हैं कि लोकसभा में उनका आचरण आक्रामक दिखे और वह सरकार को झुकाते हुए नजर आएं। लेकिन होता उल्टा ही है। भले ही कुछ गैर परंपरागत व्यवहार और कुछ सीधे व्यक्तिगत हमले से राहुल गांधी न्यूज हेडलाइन में खुद के लिए जगह बना लेते हैं, लेकिन जब सत्ता पक्ष से जवाब आता है और तथ्य रखे जाते हैं और शर्मिंदा राहुल को ही होना पड़ता है। संसद में चुनाव सुधार पर बहस के दौरान भी ऐसा ही हुआ, अपने भाषण में अमित शाह ने चुनाव के मुद्दे पर कांग्रेस का बखिया उधेड़ कर रख दिया। उन्होंने भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू से लेकर राजीव गांधी तक के आचरण का चिट्ठा खोल कर रख दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने भी अमित शाह के भाषण की तारीफ की। लोकसभा में दिए राहुल गांधी के भाषण में कोई नयापन नहीं था। हर बार की तरह इस बार भी कांग्रेस नेता ने वही सीबीआई, ईडी और इनकम टैक्स विभागों के विपक्ष के नेताओं के खिलाफ उपयोग का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने फिर से कहा कि आरएसएस सभी सरकारी संस्थानों पर कब्जा करता जा रहा है। यूनिवर्सिटी के वीसी के चयन पर भी सवाल उठाया। पुनः गांधी की हत्या में संघ के शामिल होने का प्रलाप किया। एसआईआर के मुद्दे पर राहुल गांधी ने चुनाव आयोग को धमकी तक दे डाली। उन्होंने वोट चोरी को देशद्रोह बताते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त को यहां तक कह दिया कि हम आएंगे और तुम्हें ढूंढ निकालेंगे। विपक्ष के नेता ने फिर कहा कि चुनाव आयोग मोदी-शाह के कहने पर लोगों को वोट डालने से वंचित करने का काम कर रहा है। पर जब बारी गृहमंत्री अमित शाह की आई तो कॉंग्रेस ने वाक आउट का रास्ता अपनाया, लेकिन जब तक कांग्रेसी सदस्य सदन में रहे अमित शाह ने उन्हें आकड़ों के जरिए खूब सुनाया। गृहमंत्री ने कुछ अकाट्य आंकड़े रखे। उन्होंने 2011 की जनगणना का हवाला देते हुए कहा -असम और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों के सीमावर्ती जिलों में मुस्लिम आबादी में असामान्य उछाल कैसे आया। क्या ऐसे आंकड़े बिना घुसपैठ के संभव हैं? अमित शाह ने जब यह कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है और जो लोग देश की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करेंगे, उनसे सख्ती से निपटा जाएगा, तो कांग्रेस के नेता हत्थे से उखड़ गए और अमित शाह के भाषण में खलल डालने लगे। इस काम में खुद राहुल गांधी सबसे आगे खड़े नजर आए। गृहमंत्री ने साफ कहा कि एसआईआर पर विपक्ष के आरोपों में कोई दम नहीं है और ये अपने खिसकते वोट बैंक से बौखलाए हुए हैं। नहीं तो रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपल एक्ट के तहत एक रूटीन, कानूनी प्रक्रिया का इस तरह विरोध नहीं करते। चुनाव आयोग ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन चालू ही इसलिए लिया है कि अवैध अप्रवासियों के नाम चुनावी सूची में हटाया जाए और साथ में मृत या डुप्लीकेट लोगों के भी नाम काटे जा सके। अमित शाह ने जोर देकर कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया वोट चोरी नहीं है, बल्कि यह वोटर लिस्ट को साफ करने की कोशिश है। लेकिन कांग्रेस इसके जरिए अल्पसंख्यकों के बीच डर फैलाना चाहती है। देखा जाए तो अमित शाह की इस बात में दम है कांग्रेस लोगों में चुनाव आयोग को लेकर अविश्वास पैदा करने के प्रयास में है। अभी तक किसी भी विपक्षी राजनीतिक दल मतदाताओं के साथ कथित भेदभाव के संबंध में चुनाव आयोग के पास कोई औपचारिक आपत्ति दर्ज नहीं कराई है। अगर मतदान के योग्य लाखों -करोड़ों के नाम हटाए जा रहे हैं तो विरोधी पार्टियां अदालत क्यों नहीं जा रही हैं। राहुल गांधी मीडिया के बजाय कोर्ट में सबूत क्यों नहीं प्रस्तुत कर रहे हैं। राहुल गांधी तो शपथ पत्र के साथ शिकायत भी चुनाव आयोग के पास जमा नहीं करा रहे हैं। अमित शाह ने भी राहुल गांधी से सदन में पूछा - अभी तक आपने शून्य सबूत क्यों जमा किए? कोई लिखित शिकायत क्यों नहीं? कोई हलफनामा क्यों नहीं? इसलिए नहीं क्योंकि कांग्रेस का यह अभियान ही झूठ पर आधारित है। अगर राहुल गांधी का मकसद एसआईआर पर देश में हंगामा खड़ा करना है तो वह इस मकसद में अभी तक कामयाब रहे हैं। वह हरियाणा और महाराष्ट्र में कथित वोट चोरी पर कई बार प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुके हैं, मीडिया में हेडलाइन बनते रहे हैं, सबसे बड़े खुलासे का दावा उन्होंने 5 नवंबर को किया, जब अपनी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कथित खुलासे को हाइड्रोजन बम का नाम दिया। पर यह हाइड्रोजन बम भाजपा या एनडीए पर फूटने के बजाय इंडी गठबंधन पर ही फट गया। बिहार में कांग्रेस और आरजेडी दोनों औंधे मुंह गिर गए। कांग्रेस के तो केवल पांच विधायक ही जीत कर आए। अमित शाह ने अपने भाषण में इस हाइड्रोजन बम पर भी चुटकी ली। उन्होंने दावा किया कि हरियाणा में जिस एक घर से 501 वोट डालने का दावा राहुल गांधी ने कर के सनसनी मचाना चाहा, दरअसल वह एक एकड़ के पुश्तैनी प्लॉट पर कई परिवारों का एक साथ रहने वाला घर है। चुनाव आयोग ने खुद इसे साफ किया है कि हाउस नंबर 265 कोई छोटा घर नहीं है।

प्रदूषण अब राष्ट्रीय समस्या

- मनोज कुमार मिश्र

प्रदूषण अब केवल दिल्ली और एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) की समस्या नहीं है, यह देश के करीब साठ फीसदी इलाके की समस्या बन गया है। दिल्ली में तो वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 450 पार कर चुका है और प्रदूषण को नियंत्रित करने वाले मानक-ग्रैडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (गैप)-चार को पूरे एनसीआर में बार-बार लागू किया जा रहा है। इसे प्रदूषण के मामले में आपात स्थिति माना जाता है। निर्माण कार्य और बड़े वाहनों की आवाजाही रोकने के अलावा लोगों को घरों से बाहर निकलने को एक तरह से सीमित कर दिया जाता है। खासकर बच्चे और साठ साल से ज्यादा उम्र वालों पर इस हालात का ज्यादा असर होता है। सांस की बीमारियों के अलावा अनेक भयावह बीमारियों का सबसे बड़ा कारण प्रदूषण माना जाता है।

अब मुंबई जैसे समुद्र के किनारे बसे महानगर में भी एक्यूआई 150 पार करने पर गैप लागू कर दिया गया है। एक्यूआई का 100 पार हो जाना ही खतरनाक माना जाता है। मुंबई में प्रदूषण का बड़ा कारण बेहिसाब हो रहे निर्माण कार्य और वाहनों की भीड़ माना जा रहा है। दक्षिण भारत के बड़े शहरों के अलावा पुणे, रांची और पहाड़ों पर बसे शहरों के साथ पूरा देश प्रदूषण के भयावह संकट का सामना कर रहा है। यह संकट जितना बड़ा है, समाधान उससे ज्यादा कठिन हो रहा है। अदालतों की फटकार और वैज्ञानिकों के तमाम सुझाव इस संकट को कम नहीं कर पा रहे हैं। अब तो प्रदूषण एक तरह से स्थाई समस्या बन गया है। जाड़ों की सुबह आसमान कोहरे से ढंका रहे, अब यह असंभव लगने लगा है। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के इलाके में सवेरे-शाम ही नहीं दिन-रात के ज्यादातर समय प्रदूषण से ढंका रहने लगा है।

सरकारें चाहे जो दावा करें लेकिन हर साल हालात बदतर होते जा रहे हैं। जिनके बूते में है या जिनके पास विकल्प है, वे इस इलाके से पलायन कर रहे हैं या जाड़े के समय किसी अन्य स्थान पर जा रहे हैं। हालांकि ऐसे लोगों की संख्या बहुत कम है। ज्यादातर लोग जान जोखिम में रख कर दिल्ली-एनसीआर में जीने को मजबूर हैं। इस भीषण प्रदूषण के कारण अनेक लोगों की जान चली गई और बड़ी तादाद में लोग विभिन्न बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। देश का सबसे प्रतिष्ठित अस्पताल एम्स इसे मेडिकल इमरजेंसी तक मान चुका है। तभी बार-बार प्रदूषण से लोगों की जान बचाने के लिए गैप-4 लागू किया जा रहा है।

दिल्ली में यह कई साल पहले साबित हो चुका है कि केवल आधे कारों को हर रोज सड़क पर आने से रोकने से वायु प्रदूषण में ज्यादा कमी नहीं आने वाली है दूसरे, सरकारी कुव्यवस्था को झेल रहे सार्वजनिक परिवहन प्रणाली इस बार इस हालत में भी नहीं है कि दिल्ली सरकार इस बार निजी कारों का सम-विषम का फिर से प्रयोग कर सके। दिल्ली की लाइफ लाइन बनी मेट्रो रेल को सामाजिक दूरी के हिसाब से तमाम एहतियात के साथ चलाया जा रहा है। उसे पहले की तरह हर रोज 60 लाख से ज्यादा यात्रियों को यात्रा कराने की क्षमता बनाने अभी समय लगेगा। इतना ही नहीं मेट्रो भी अब कम आय वालों के बूते से बाहर होती जा रही है।दिल्ली की बेहिसाब आबादी को प्रदूषण का कारण माना जा रहा है। पहले अवैध औद्यौगिक इलाके, एक राज्य से दूसरे राज्य जाने वाले ट्रक-बस आदि के चलते भी दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण बढ़ने का कारण माना जाता था। वैसे अभी भी अवैध उद्योग हैं, भले उनकी संख्या कम हुई है। दिल्ली सरकार ने प्रदूषण कम करने के लिए किसी भी नए उत्पादन ईकाई (मैनिफैक्चरिंग यूनिट) को लाईसेंस देने पर पाबंदी लगा दी। दिल्ली के चारों ओर ईस्टर्न पेरिफेरियल और वेस्टर्न पेरिफेरियल सड़क बन जाने से दिल्ली होकर एक राज्य से दूसरे राज्य जाने वाले ट्रकों का दिल्ली के भीतर आना कम हुआ है।

देश के कई शहरों और राज्यों में प्रदूषण की यही हालत हो रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक देश की 60 फीसदी आबादी प्रदूषण से जूझ रही है। दिल्ली और एनसीआर में रह रहे लोग प्रदूषण नियंत्रण करने की विभिन्न योजनाओं और उपायों से लगातार परिचित होते जा रहे हैं। इनकी फेहरिस्त देखें तो कभी डीजल के वाहनों पर पाबंदी, कभी निर्माण कार्यों पर रोक, कभी स्कूल बंद तो तभी दफ्तरों में घर से काम करने के आदेश से लेकर कोरोना की तरह बेहद जरूरी होने पर ही घर से निकलने की सलाह सरकार दे रही है। किसानों के पराली (फसलों के अवशेष)

जलाने पर सजा के प्रावधान से लेकर कारों को सम-विषम चलाने का प्रयोग दिल्ली देख चुकी है। बावजूद इसके हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। लगातार दो साल कोरोना में हजारों अपनों को खोने वाले अब और किसी महामारी को झेलने की हालत में नहीं हैं। कोरोना प्राकृतिक आपदा थी जबकि प्रदूषण पूरी तरह मानव निर्मित, जो हमारी गलतियों और सरकारों की लापरवाही या गलत नीतियों के चलते समाज को भुगतनी पड़ रही है। वास्तव में प्रदूषण संकट से देश घिरता जा रहा है। लंबे इंतजार के बाद केन्द्र सरकार के बाद दिल्ली में भाजपा की सरकार बनी है। भाजपा ने चुनाव प्रचार में दिल्ली के प्रदूषण का समाधान निकालने का वायदा किया था। अभी तक उस दिशा में कोई ठोस प्रगति नहीं दिख रही है। दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने सार्वजनिक रूप से अब तक प्रदूषण कम न करने के लिए माफी मांगी है। उनका कहना था कि सरकार प्रयास कर रही है लेकिन कुछ महीने में सबकुछ ठीक नहीं हो सकता है। दिल्ली सरकार समेत एनसीआर में आने वाले दूसरे राज्यों की सरकारों ने भी आदेश जारी कर प्रदूषण से फौरी राहत दिलाने के प्रयास किए लेकिन इससे न तो वाहनों का सड़क पर आना कम हुआ और न ही प्रदूषण में कोई कमी आती दिख रही है। पर्यावरण को राजनीतिक मुद्दा के बजाए आम जन के जीवन को बचाने का मुद्दा बनाया जाए। चालू समाधान नहीं स्थायी समाधान तलाशे जाने की जरूरत है। देरी खतरनाक साबित होती जा रही है। स्थिति इतनी विकट है कि इसका समाधान अकेले दिल्ली सरकार के बूते नहीं हो सकता। केन्द्र सरकार के साथ मिलकर दिल्ली के सभी पड़ोसी राज्यों और दिल्ली की नगर निगमों के साथ-साथ दूसरी सरकारी एजेंसियों को साथ लेकर जनता की सक्रिय भागीदारी से इसका समाधान निकाला जा सकता। यह केवल कहने से नहीं होगा, इसे जन भागीदारी से सफल करवाना होगा।

(लेखक, जाने-माने वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

इकाना में दुबे-नॉर्टजे बोले, जीत पर फोकस

एजेंसी

लखनऊ। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी-20 सीरीज़ के चौथे मुकाबले से पहले इकाना स्टेडियम में रात को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे और दक्षिण अफ्रीका के तेज़ गेंदबाज़ एनरिक नॉर्टजे ने मीडिया से बातचीत की। दोनों खिलाड़ियों ने टीम की तैयारियों, मौजूदा फॉर्म और रणनीति को लेकर अपने-अपने विचार रखे। भारतीय टीम की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद शिवम दुबे ने कप्तान सूर्यकुमार यादव और शुभमन गिल की फॉर्म को लेकर उठ रहे सवालों पर खुलकर जवाब दिए। उन्होंने कहा कि शुभमन गिल भारत के बेहतरीन बल्लेबाज़ों में से एक हैं और फॉर्म में उतार-चढ़ाव के बावजूद उनका औसत काफी शानदार है। दुबे ने कहा कि गिल पिछले कई वर्षों से टीम इंडिया के लिए लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं, सूर्यकुमार यादव को लेकर उन्होंने कहा कि वह 360 डिग्री प्लेयर और फाइटर हैं। जिस तरह का क्रिकेट सूर्य खेलते हैं, वह कोई और नहीं कर सकता। उन्होंने यह भी बताया कि सूर्यकुमार यादव अब तक विराट कोहली के बराबर मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड जीत चुके हैं, जो उनकी काबिलियत को दर्शाता है। शिवम दुबे ने टीम संयोजन और ऑलराउंडर की भूमिका पर भी बात की। उन्होंने हार्दिक पांड्या को एक स्पेशल ऑलराउंडर बताया, जो दो खिलाड़ियों का काम अकेले कर सकते हैं।

एडिलेड टेस्ट से बाहर हुए स्टीव स्मिथ, उस्मान ख्वाजा की टीम में वापसी

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज़ स्टीव स्मिथ को वर्टिगो जैसे लक्षणों के कारण तीसरे एशेज टेस्ट से बाहर कर दिया गया। मैच की सुबह स्मिथ को चक्कर और मतली की शिकायत हुई, जिसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम में आखिरी समय में बदलाव करना पड़ा और उस्मान ख्वाजा की प्लेइंग इलेवन में वापसी हुई। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने खेल शुरू होने से कुछ देर पहले पुष्टि की कि स्मिथ पिछले कुछ दिनों से असहज महसूस कर रहे थे। सोमवार को उन्होंने अभ्यास सत्र में हिस्सा नहीं लिया था, जबकि अगले दिन नेट्स में लौटे जरूर, लेकिन पूरी तरह फिट नहीं दिखे। अभ्यास के दौरान उन्हें ग्रोइन पर भी चोट लगी, जिससे उन्हें लंबा ब्रेक लेना पड़ा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के प्रवक्ता ने कहा, 'पिछले कुछ दिनों से स्टीव स्मिथ को मतली और चक्कर जैसे लक्षण महसूस हो रहे थे। उनकी लगातार निगरानी की गई और वे खेलने के काफी करीब थे, लेकिन लक्षण बने रहने के कारण उन्हें न खिलाने का फैसला लिया गया। उन्हें संभावित वेस्टीब्युलर समस्या के लिए इलाज दिया जा रहा है। यह समस्या उन्हें पहले भी बीच-बीच में होती रही है। उम्मीद है कि वह मेलबर्न में होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए उपलब्ध रहेंगे। ' टॉस जीतने के बाद कप्तान पैट कमिंस ने स्मिथ के बाहर होने की पुष्टि की। कमिंस, जो पहले दो टेस्ट मिस करने के बाद टीम की कप्तानी में लौटे हैं, ने बताया कि स्मिथ ने सुबह फिटनेस टेस्ट दिया था, लेकिन पूरी तरह तैयार नहीं हो पाए और घर लौट गए।

फीफा प्लेयर ऑफ द ईयर चुने गए डेम्बेले और बोनमती

दोहा। पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) और फ्रांस के फॉरवर्ड ओस्मान डेम्बेले को फीफा मेन्स प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया है, जबकि स्पेन और बार्सिलोना की मिडफील्डर आइताना बोनमती ने लगातार तीसरे साल फीफा विमेंस प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार अपने नाम किया। 28 वर्षीय डेम्बेले पीएसजी की ऐतिहासिक पहली चैंपियंस लीग जीत में अहम भूमिका निभाने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे। फाइनल मुकाबले में पीएसजी ने इंटर मिलान को 5-0 से हराया। डेम्बेले ने पिछले सीजन सभी प्रतियोगिताओं में कुल 35 गोल किए, जिनमें से 21 गोल लीग-1 में थे, और वह टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर भी बने। वहीं, आइताना बोनमती ने चैंपियंस लीग प्लेयर ऑफ द सीजन का खिताब भी जीता। इसके अलावा उन्होंने लगातार तीसरी बार विमेंस बैलन डी'ओर पुरस्कार भी हासिल किया। बोनमती की अगुवाई में बार्सिलोना ने घरेलू स्तर पर ट्रेबल जीता, जबकि स्पेन के साथ उन्होंने चैंपियंस लीग फाइनल और यूरो 2025 फाइनल तक का सफर तय किया।

उत्तर प्रदेश के प्रशांत वीर बने आईपीएल के सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ी

लखनऊ। आईपीएल नीलामी में उत्तर प्रदेश के युवा क्रिकेटर प्रशांत वीर ने इतिहास रचते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। 20 वर्षीय प्रशांत आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ी बन गए हैं। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने उन्हें 14.20 करोड़ रुपये में अपनी टीम में शामिल किया, जबकि उनका बेस प्राइस मात्र 30 लाख रुपये था। नीलामी के दौरान प्रशांत वीर को लेकर जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। सबसे पहले लखनऊ सुपर जायंट्स ने उनमें रुचि दिखाई, इसके बाद मुंबई इंडियंस, दिल्ली कैपिटल्स, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स भी बोली की दौड़ में शामिल हो गईं। लेकिन अंत में चेन्नई सुपर किंग्स ने सबसे ऊंची बोली लगाकर बाजी मार ली। प्रशांत वीर उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के निवासी हैं और बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर के रूप में जाने जाते हैं। वे निचले क्रम में तेज रन बनाने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने इसी वर्ष उत्तर प्रदेश की ओर से रणजी ट्रॉफी में पदार्पण किया था। घरेलू क्रिकेट में उनके प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं और फ्रेंचाइजियों का ध्यान खींचा। आंकड़ों की बात करें तो प्रशांत ने अब तक दो प्रथम श्रेणी मुकाबलों में दो विकेट हासिल किए हैं।

एडिलेड टेस्ट: एलेक्स कैरी का शतक, पहले दिन ऑस्ट्रेलिया ने 8 विकेट पर 326 रन बनाए

एजेंसी

एडिलेड । ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज के तीसरे टेस्ट की शुरुआत एडिलेड में बुधवार को हुई। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। एलेक्स कैरी के शतक और उस्मान ख्वाजा के बेहतरीन अर्धशतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पहले दिन की समाप्ति के समय 8 विकेट के नुकसान पर 326 रन बना लिए थे।

मिचेल स्टार्क 33 और नाथन लियोन शून्य पर नाबाद हैं। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 33 के स्कोर पर अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों, ट्रेविस हेड और जैक वेदरलैंड, का विकेट खो दिया था। इसके बाद मार्नस लाबुशेन और कैमरन ग्रीन बैक टू बैक आउट हो गए। 94 रन पर 4 विकेट गंवाकर ऑस्ट्रेलिया मुश्किल में थी। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए उस्मान ख्वाजा और छठे नंबर पर

बल्लेबाजी के लिए आए विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने क्रीज पर जमे रहे, और ऑस्ट्रेलियाई पारी को आगे बढ़ाने के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई पारी को संभाला और पांचवें विकेट के लिए 91 रन की साझेदारी की। ख्वाजा अपना शतक चूक गए और 126 गेंद पर 82 रन की पारी खेलकर आउट हुए। कैरी उन्होंने अपना पहला एशेज शतक पूरा किया। कैरी 143 गेंद पर 1 छक्का और 8 चौकों की मदद से 106 रन बनाकर आउट हुए। कैरी दिन के आखिरी यानी आठवें विकेट के रूप में आउट हुए। इस बीच छठे विकेट के लिए जोश इंग्लिस के साथ उन्होंने 59 और आठवें विकेट के लिए मिचेल स्टार्क के साथ 50 रन की अहम साझेदारी की। स्टार्क 63 गेंद पर 33 रन बनाकर नाबाद हैं।

इससे पहले स्टीव स्मिथ की जगह ऑस्ट्रेलियाई प्लेइंग इलेवन में उस्मान ख्वाजा को जगह दी गई। स्मिथ टेस्ट शुरू होने से कुछ मिनट पहले ही अस्वस्थ होने की वजह से बाहर हो गए। इंग्लैंड की तरफ से जोफ्रा आर्चर ने 3, ब्रायडन कार्स ने 2, विल जैक्स ने 2, और जोश टंग ने 1 विकेट लिए।

टी20 विश्व कप 2026: 42 साल के वेन मैडसेन करेंगे इटली की कप्तानी

एजेंसी

नई दिल्ली । इटैलियन क्रिकेट फेडरेशन ने कहा है कि भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 में वेन मैडसेन टीम के कप्तान होंगे। यह पहला मौका है जब इटली टी20 विश्व कप का हिस्सा बन रही है। इटैलियन क्रिकेट फेडरेशन ने एक बयान में कहा कि वेन मैडसेन को विश्व कप में इटली की कप्तानी का सबसे पसंदीदा उम्मीदवार माना गया है। वेन मैडसेन अगले साल 2 जनवरी को 42 साल के हो जाएंगे। मैडसेन ने इटली के लिए अब तक 4 टी20 मैच खेले हैं जिसमें 1 अर्धशतक की मदद से 95 रन बनाए हैं। हालांकि इटली ने टी20 विश्व कप 2026 में क्वालिफिकेशन बर्न्स की कप्तानी में हासिल की है। बर्न्स ने जुलाई 2025 में नीदरलैंड्स में क्वालिफाइंग कैंपेन के दौरान नेशनल टीम की कप्तानी की थी। उन्हीं की कप्तानी में इटली ने टी20 विश्व कप में ऐतिहासिक रूप से अपनी जगह बनाई। फेडरेशन ने जो बर्न्स को इटैलियन क्रिकेट में एक खिलाड़ी और कप्तान के रूप में उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया है।

इटली अपना टी20 विश्व कप कैंपेन 9 फरवरी को कोलकाता में बांग्लादेश के खिलाफ शुरू करेगी, टीम को ग्रुप सी में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और नेपाल के खिलाफ खेलना है। इटली आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगा। ये सीरीज विश्व कप से पहले होगी। सीरीज इटली के लिए ऐतिहासिक है। आईसीसी के पूर्ण सदस्य देश के खिलाफ उसकी यह पहली तीन मैचों की द्विपक्षीय सीरीज है। सभी मैच 23 जनवरी से दुबई के सेवेंस स्टेडियम में खेले जाएंगे। सीरीज दोनों टीमों को इस बड़े इवेंट से पहले अपनी टीम को बेहतर बनाने का एक कीमती मौका भी देती है।

'मेरे परिवार में सभी जश्न मना रहे', रिकॉर्ड कीमत में सीएसके का हिस्सा बनने के बाद बोले कार्तिक शर्मा

एजेंसी

नई दिल्ली । आईपीएल 2026 के लिए अबू धाबी में हुई मिनी नीलामी में कार्तिक शर्मा पर सीएसके ने जमकर पैसा लुटाया। इस अनकैप्ड विकेटकीपर बल्लेबाज को सीएसके ने 14.20 करोड़ रुपये में खरीदा। कार्तिक आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में प्रशांत वीर के साथ संयुक्त रूप से प्रथम स्थान पर हैं। प्रशांत को भी बीती नीलामी में सीएसके ने 14.20 करोड़ में खरीदा। आईपीएल में सीएसके जैसी बड़ी और सफल फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनने के बाद कार्तिक शर्मा बेहद खुश और उत्साहित हैं। उनकी खुशी की सबसे बड़ी वजह एमएस धोनी हैं, जिनके साथ उन्हें खेलने का मौका मिलेगा। जियोहॉटस्टार पर बात करते हुए कार्तिक शर्मा ने कहा, 'सबसे पहले, मेरे सभी परिवार वालों और दोस्तों को खास धन्यवाद, उनके समर्थन के बिना, मुझे नहीं लगता कि मैं इस मुकाम तक पहुंच पाता। मेरा पूरा परिवार बहुत खुश है। हर कोई जश्न मना रहा है और नाच रहा है। ' कार्तिक ने कहा, 'मैं महेंद्र सिंह धोनी के साथ खेलने और उनसे सीखने के लिए बहुत उत्साहित हूं। जब बोली शुरू हुई, तो मुझे डर था कि कहीं मैं चूक न जाऊं। लेकिन जैसे-जैसे बोली बढ़ती गई, मैं रोने लगा। बोली खत्म होने के बाद भी, मैं रोता रहा। मैं खुशी की भावना से भर गया था। मेरे पास अपनी भावना को व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं है। ' कार्तिक ने पिछले सीजन में सीएसके टीम के साथ ट्रेनिंग की थी। कार्तिक एक विकेटकीपर बल्लेबाज हैं। वह मध्यक्रम में अपनी शानदार

बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। 19 साल के इस बल्लेबाज ने 12 टी20 मैचों में 164 के स्ट्राइक रेट से 334 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 28 छक्के निकले हैं। रणजी ट्रॉफी में भी उन्हें उनकी छक्के लगाने की क्षमता ने लोकप्रियता दिलायी। उनकी इसी क्षमता ने सीएसके को एक बड़ी राशि उन पर खर्च करने का साहस दिया।

यशस्वी जायसवाल राजस्थान के खिलाफ मैच के बाद अस्पताल में हुए भर्ती, वजह सामने आई

एजेंसी

पुणे । भारत के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान राजस्थान के खिलाफ हुए मैच के बाद अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। यशस्वी जायसवाल को पेट में तेज ऐंठन होने के बाद आदित्य बिड़ला हॉस्पिटल में भर्ती कराना पड़ा। जायसवाल को डॉक्टरों ने आराम करने की सलाह दी है। रिपोर्ट के मुताबिक यशस्वी जायसवाल को पूरे मैच के दौरान पेट में ऐंठन हो रही थी और मैच के बाद उनकी हालत और खराब हो गई। अस्पताल में उनका अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन हुआ। इसके बाद चिकित्सकों को उनकी परेशानी का पता चला। फिलहाल उनकी स्थिति ठीक है और उन्हें आराम करने की सलाह दी गई है। बीसीसीआई ने अभी तक उनकी हालत पर कोई ऑफिशियल अपडेट जारी नहीं किया है, हालांकि आने वाले दिनों में और क्लैरिटी मिलने की उम्मीद है। यशस्वी जायसवाल भारतीय टी20 टीम का हिस्सा नहीं हैं और इसी वजह से सैयद मुश्ताक

अली टूर्नामेंट में मुंबई की तरफ से खेल रहे हैं। हरियाणा के खिलाफ जायसवाल ने तूफानी शतक लगाते हुए न सिर्फ अपनी टीम को जीत दिलायी थी, बल्कि भारतीय टी20 टीम में बतौर ओपनर अपना दावा ठोका था। हरियाणा के खिलाफ पारी की शुरुआत करने उतरे यशस्वी जायसवाल ने 50 गेंद पर 16 चौके और 1 छक्के की मदद से 101 रन की पारी खेली। इस दौरान 23 गेंद पर उन्होंने अर्धशतक और 48 गेंद पर शतक लगाया था।

भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान शुभमन गिल टीम में अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत कर रहे हैं। गिल बतौर ओपनर टी20 में अपनी भूमिका के साथ न्याय नहीं कर पाए हैं और लगातार असफल रहे हैं। गिल को बतौर ओपनर टीम में जगह जायसवाल और संजू सैमसन जैसे बल्लेबाजों को ड्रॉप करके दी गई है। ऐसे में जायसवाल के शतक ने गिल के लिए मुश्किल बढ़ा दी है।

जायसवाल ने भारतीय टीम के लिए 23 टी20 मैचों की 22 पारियों में 1 शतक और 5 अर्धशतक की मदद से 723 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 164.32 है।

'वक्त बदल गया', दीपक चाहर ने राहुल चाहर और कार्तिक शर्मा को सीएसके में शामिल होने पर दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के लिए नीलामी का आयोजन अबू धाबी में किया गया। नीलामी में सीएसके ने राहुल चाहर और कार्तिक शर्मा को खरीदा। ऑलराउंडर दीपक चाहर ने राहुल और कार्तिक को सीएसके परिवार का हिस्सा बनने पर बधाई दी है। सीएसके के आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट एक वीडियो में दीपक चाहर ने कहा, 'मैं राहुल चाहर और कार्तिक शर्मा के सीएसके परिवार का हिस्सा बनने पर बहुत खुश और उत्साहित हूं। चीजें काफी बदल गई हैं। पहले मैं सीएसके के लिए खेलता था और राहुल एमआई के लिए खेलता था। अब मैं एमआई के लिए खेलता हूं और राहुल सीएसके के लिए खेलेगा।' उन्होंने कहा, 'हमारे परिवार के लिए सबसे बड़ी समस्या है कि अब किसे सपोर्ट करें। हम दोनों के लिए अच्छा यह है कि हम

बेस्ट फ्रेंचाइजी के लिए खेल रहे हैं। किसी भी खिलाड़ी से पूछो, वह सीएसके या एमआई का हिस्सा बनना चाहता है। ' दीपक ने कहा, 'मेरे पिता इस समय सबसे ज्यादा खुश हैं। उनके दोनों बेटों के साथ ही एक छात्र, कार्तिक शर्मा, भी सीएसके का हिस्सा बने हैं। ' एमआई ऑलराउंडर ने कहा, 'राहुल और कार्तिक को शुभकामनाएं देना चाहता हूं कि वे अच्छी फ्रेंचाइजी में जा रहे हैं। वहां का माहौल बहुत अच्छा है। मैं वहां लंबे समय तक रहा हूं। मुझे सबकुछ याद है, लेकिन फील्ड पर मिलेंगे, एक अलग अंदाज में। '

दीपक चाहर 2018 से 2024 तक सीएसके का हिस्सा रहे हैं। इस दौरान 76 मैचों में उन्होंने 76 विकेट लिए। 2025 में दीपक को सीएसके ने रिलीज कर दिया था। नीलामी में उन्हें एमआई ने खरीदा।

राहुल चाहर दीपक चाहर के भाई हैं। राहुल राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स, मुंबई इंडियंस, पंजाब किंग्स, और सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेल चुके हैं। राहुल लेग स्पिनर हैं और आईपीएल के कुल 79 मैचों में 75 विकेट ले चुके हैं। आईपीएल 2026 की नीलामी में 1 करोड़ की बेस प्राइस वाले राहुल चाहर को सीएसके ने 5.20 करोड़ में खरीदा।

वहीं 30 लाख की बेस प्राइस वाले विकेटकीपर बल्लेबाज कार्तिक शर्मा को सीएसके ने रिकॉर्ड 14.20 करोड़ में खरीदा। कार्तिक संयुक्त रूप से आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ी हैं। कार्तिक के साथ ही प्रशांत वीर को भी सीएसके ने 14.20 करोड़ में खरीदा।

मुरादाबाद के क्रिकेटर शिवांग कुमार आईपीएल के लिए सनराइज हैदराबाद में 30 लाख रुपए में खरीदा

एजेंसी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद निवासी युवा क्रिकेटर शिवांग कुमार को आईपीएल के लिए सनराइज हैदराबाद में 30 लाख रुपए में खरीदा है। मुरादाबाद की मॉडर्न पब्लिक स्कूल क्रिकेट अकादमी में क्रिकेट की बारीकियां सिखाने वाले शिवांग का सपना भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल होने का है। शिवांग को आईपीएल में खेलने का मौका मिलने पर उनके परिवारजनों, साथी क्रिकेटर और शुभचिंतकों ने बधाई दी है। मुरादाबाद महानगर के चंद्र नगर कॉलोनी निवासी शिवांग के पिता रेलवे में प्रवीण कुमार रेलवे में सीआईडी हैं। वही उनकी मम्मी शिक्षा विभाग में टीचर हैं। शिवांग मध्य प्रदेश की ओर से खेलते हैं। मेंटर मिर्जा दानिश आलम ने बताया कि शिवांग कुमार अंडर 16, अंडर 19, अंडर 30 क्रिकेट टीम और सैयद मुश्ताक ट्रॉफी में खेल चुके हैं। मॉडर्न पब्लिक स्कूल क्रिकेट अकादमी के

डायरेक्टर साउद आलम ने भी शिवांग कुमार को आईपीएल में सनराइज हैदराबाद द्वारा खरीदे जाने पर हर्ष व्यक्त किया है।

आंध्र प्रदेश सरकार ने श्री चरणी को दिया 2.5 करोड़ का नकद पुरस्कार, महिला विश्व कप में 14 विकेट लिए थे

एजेंसी

अमरावती । भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने 2 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला वनडे विश्व कप जीता था। विश्व विजेता भारतीय महिला टीम की सदस्य श्री चरणी को बुधवार को आंध्र प्रदेश की सरकार ने सम्मानित किया। आंध्र प्रदेश सरकार के शिक्षा और आईटी मंत्री नारा लोकेश ने श्री चरणी से उनके उंडावल्ली स्थित घर पर मुलाकात की और उन्हें सरकार की तरफ से 2.5 करोड़ रुपये का चेक सौंपा। कैश इनाम के अलावा, सरकार ने उन्हें विशाखापत्तनम में 500 स्क्वायर यार्ड का एक आवासीय प्लॉट भी दिया है। उनकी डिग्री पूरी होने के बाद आंध्र प्रदेश सरकार ने नौकरी का भी भरोसा दिया है। इससे संबंधित आदेश जारी किए गए हैं। सरकार की तरफ से जारी

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि यह कदम राज्य सरकार के खेल में बेहतरीन प्रदर्शन को बढ़ावा देने और आंध्र प्रदेश की युवा महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ खेलों में करियर बनाने के लिए प्रेरित करने की प्रतिबद्धता को दिखाता है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने विश्व कप के बाद श्री चरणी से मुलाकात के समय उनके लिए पुरस्कारों की घोषणा की थी। कार्यक्रम में परिवहन और खेल मंत्री मंडीपल्ली रामप्रसाद रेड्डी, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ आंध्र प्रदेश के अध्यक्ष अनिमिनी रविनायुडू, स्पेशल चीफ सेक्रेटरी (खेल) अजय जैन और दूसरे सीनियर अधिकारी उपस्थित रहे। कडप्पा जिले की रहने वाली श्री चरणी ने भारतीय टीम को महिला विश्व कप का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। बाएं हाथ की इस स्पिनर ने 9 मैचों में 14 विकेट लिए थे और टूर्नामेंट की चौथी सफल गेंदबाज रही थीं। 21 साल की चरणी ने अप्रैल 2025 में भारतीय टीम के लिए डेब्यू किया था। उनके प्रभावशाली प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें विश्व कप में मौका दिया गया और उन्होंने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से टीम मैनेजमेंट के फैसले को साबित किया। कुल 18 वनडे में 23 और 5 टी20 में 10 विकेट ले चुकी चरणी भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बड़ी स्टार के रूप में उभरी हैं।

पंजाब किंग्स ने आईपीएल के लिए चार खिलाड़ी खरीदकर 25 सदस्यीय टीम को दिया अंतिम रूप

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने टाटा आईपीएल 2026 की मिनी नीलामी में चार अहम खिलाड़ियों को खरीदते हुए अपनी 25 सदस्यीय टीम को अंतिम रूप दे दिया है। इस नीलामी में पीबीकेएस ने दो अनकैप्ड और दो कैप्ड खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ा, जिसमें ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज बेन ड्वार्शुइस टीम की सबसे महंगी खरीद साबित हुए। पंजाब किंग्स ने नीलामी की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजी ऑलराउंडर कूपर कॉनॉली से की, जिन्हें 3 करोड़ रुपये में खरीदा गया। मिडिल ऑर्डर में लचीलापन देने वाले कॉनॉली एक उभरते हुए खिलाड़ी हैं और इसके साथ ही वह स्लो लेफ्ट आर्म स्पिन का भी उपयोगी विकल्प प्रदान करते हैं। कॉनॉली को टीम में शामिल करने के पीछे की सोच पर कप्तान श्रेयस अय्यर, जो ऑस्ट्रेलिया में उनके खिलाफ खेल चुके हैं, ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो शुरुआत में वह हमारी योजना में नहीं थे, लेकिन जब हमने मंथन किया और विकल्पों को सीमित किया, तो हमें लगा कि वह इस भूमिका के लिए बिल्कुल फिट बैठते हैं। ' उन्होंने आगे कहा, 'उनका स्वभाव बेहतरीन है और वह मैच फिनिश करने की क्षमता रखते हैं। आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में ये गुण बेहद अहम होते हैं। हमें नहीं लगा था कि वह 3 करोड़ में मिल जाएंगे, हमने उनकी कीमत इससे कहीं ज्यादा आंकी थी। ' नीलामी में पीबीकेएस की सबसे बड़ी बोली इसके बाद देखने को मिली, जब टीम ने ऑस्ट्रेलियाई लेफ्ट-आर्म तेज गेंदबाज बेन ड्वार्शुइस को 4.40 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा। ड्वार्शुइस न सिर्फ गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती देंगे, बल्कि निचले क्रम में उनकी आक्रामक बल्लेबाजी डेथ ओवर्स में टीम के लिए अहम साबित हो सकती है। इसके अलावा प्रवीण दुबे की पंजाब किंग्स में वापसी हुई, जिन्हें उनके बेस प्राइस 30 लाख रुपये में खरीदा गया। दुबे टीम को भारतीय स्पिन विकल्प के रूप में मजबूती देंगे और युजवेंद्र चहल तथा हरप्रीत बराड़ की जोड़ी को सपोर्ट करेंगे। वहीं, घरेलू प्रतिभा को और मजबूत करते हुए युवा खिलाड़ी विशाल निषाद को भी 30 लाख रुपये के बेस प्राइस पर टीम में शामिल किया गया। पीबीकेएस नीलामी में 11.5 करोड़ रुपये की राशि के साथ उतरी थी, जिसमें से टीम ने कुल 8 करोड़ रुपये खर्च करते हुए दो विदेशी और दो भारतीय खिलाड़ियों को अपने स्क्वाड में शामिल किया।

68वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप ऐश्वर्य प्रताप सिंह ने जीता गोल्ड, मुख्यमंत्री ने दी बधाई

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी के प्रतिभावान खिलाड़ी ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने राजधानी भोपाल स्थित राज्य शूटिंग अकादमी में आयोजित 68वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप के अंतर्गत 50 मीटर राइफल इवेंट के पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन फाइनल मुकाबले में 470.5 का वर्ल्ड रिकॉर्ड स्कोर बनाकर गोल्ड मेडल हासिल किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में आयोजित 68वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने पर शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के बेटे और शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने स्पर्धा में वर्ल्ड रिकार्ड से अधिक स्कोर कर स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ऐश्वर्य को उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की है कि आगामी खेलों में भी खिलाड़ियों द्वारा ऐसे ही प्रदर्शन होंगे और प्रदेश का गर्व बढ़ेगा। भोपाल स्थित राज्य शूटिंग अकादमी में आयोजित 68वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप के अंतर्गत 50 मीटर राइफल इवेंट के फाइनल मुकाबले एवं पदक वितरण समारोह में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सहभागिता करते उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पदक प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनसे संवाद किया।

दूसरी बार बना इतिहास : ग्रैंड दिल्ली फिनाले में लियोनेल मेसी ने वर्ल्ड यूथ चैंपियन मिनर्वा एकेडमी एफसी को किया सम्मानित

एजेंसी

चंडीगढ़। भारतीय फुटबॉल के इतिहास में एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया, जब फुटबॉल के महानायक लियोनेल मेसी ने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित G.O.A.T. इंडिया टूर 2025 के ग्रैंड फिनाले के दौरान मिनर्वा एकेडमी फुटबॉल क्लब (एमएएफसी) की वर्ल्ड यूथ चैंपियन टीम को स्वयं सम्मानित किया। यह ऐतिहासिक सम्मान मिनर्वा एकेडमी की अंडर-15 टीम को मिला, जिसने अगस्त 2025 में यूरोप में अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए गोथिया कप (स्वीडन), डाना कप (डेनमार्क) और नॉर्वे कप जीतकर ऐतिहासिक यूरोपियन ट्रेबल हासिल किया था। ऐसा कारनामा करने वाली मिनर्वा एकेडमी भारत की पहली और इकलौती टीम बनी। पिछले दस वर्षों में मिनर्वा एकेडमी ने भारतीय फुटबॉल के जमीनी ढांचे को नई दिशा दी है। आई-लीग जीत से लेकर नेशनल यूथ लीग में दबदबा बनाने तक, मिनर्वा लगातार देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करती रही है। अंडर-15 टीम की यह उपलब्धि भारतीय फुटबॉल के लिए मील का पत्थर मानी जा रही

है।सम्मान समारोह के तहत मिनर्वा की चैंपियन टीम को एक 9-ए-साइड एग्जीबिशन मैच खेलने का आमंत्रण मिला। मुकाबला हुआ 'सेलिब्रिटी ऑल-स्टार्स' टीम से, जिसमें अमित (क्रेजी ङ्क्षड्डं), अभिषेक मल्हान (फुकरा इंसान), विल जॉन, भारतीय फुटबॉलर मनीषा कल्याण, फ्रीस्टाइलर सबरीश, एक्टर हरमन सिंह, पंजाबी सिंगर गगन कोकरी और करमवीर सिंह सहित कई नामचीन हस्तियां शामिल थीं। मैच में मिनर्वा के युवा वॉरियर्स ने यूरोपियन क्लास का प्रदर्शन करते हुए ऑल-स्टार्स टीम को 6-0 से करारी शिकस्त दी।

मैच के अलावा मिनर्वा एकेडमी ने आयोजन समिति के रूप में भी अहम जिम्मेदारी निभाई। उन्होंने 20 बॉल बॉय, 10 स्ट्रेचर बॉय समेत करीब 75 खिलाड़ी और स्टाफ उपलब्ध् कराते हुए आयोजन को सफल बनाने में अहम योगदान दिया। मिनर्वा ने रेफरी और लाइसमैन की व्यवस्था भी कराई। इससे न सिर्फ आयोजन सुचारु रहा, बल्कि अकादमी के बच्चों के लिए यह जीवन का यादगार अनुभव बन गया।

इस खास समारोह का सबसे भावुक क्षण तब आया, जब मिनर्वा के युवा चैंपियंस को लियोनेल मेसी, लुइस सुआरेज़ और रोड्रिगो डी पॉल से व्यक्तिगत रूप से मिलने और हाथ मिलाने का अवसर मिला। इसके बाद टीम को उनकी ऐतिहासिक यूरोपीय जीत के लिए सम्मानित किया गया। इस सफर के दौरान मिनर्वा ने अर्जेंटीनाई क्लब को भी हराया था।

रंजीत बजाज ने जिंदगी बदलने वाला पल बताया मिनर्वा एकेडमी एफसी के डायरेक्टर रंजीत बजाज ने कहा कि यह एक सम्मान समारोह से कहीं ज़्यादा है; यह खेल के सबसे महान खिलाड़ी द्वारा भारतीय फुटबॉल की क्षमता की गहरी पहचान है। यह मौका हमारे युवा चैंपियंस के लिए ज़िंदगी बदलने वाला पल है और पूरे भारत में अनगिनत दूसरों को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करेगा।

नए श्रम कानूनों के समर्थन में आए बीएमएस समेत 16 श्रमिक संगठन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) समेत 16 श्रमिक संगठनों ने केंद्र सरकार की ओर से हाल ही में अधिसूचित चार श्रम संहिताओं का समर्थन किया। सरकार ने नए श्रम कानून को 21 नवंबर को अधिसूचित किया था।नई दिल्ली में आयोजित 'श्रम एवं रोजगार शिखर सम्मेलन 2025' में ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधियों ने इस बात पर जोर दिया कि लेबर कोड्स के इच्छित लाभ देशभर के सभी श्रमिकों तक पहुंचें। सम्मेलन का उद्घाटन केंद्रीय श्रम एवं रोजगार डॉ. मनसुख मंडाविया ने किया। सम्मेलन में चर्चा नवंबर में अधिसूचित किए गए चार लेबर कोड पर केंद्रित थी, जिसमें देशभर से 200 से ज़्यादा ट्रेड-यूनियन नेताओं, ट्रेड यूनियनों से जुड़े मज़दूरों, मालिकों के संगठनों के सीनियर प्रतिनिधियों और सोशल-सिक्योरिटी संस्थानों ने हिस्सा लिया। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार डॉ. मनसुख मंडाविया ने शिखर सम्मेलन के दौरान सभी श्रमिक संगठनों ने एक स्वर में नई श्रम संहिताओं की सराहना की। उन्होंने श्रमिकों के हित में श्रम संहिताएं लागू किए जाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही उन्होंने श्रम संहिताएं के व्यापक जनजागरण का भी संकल्प लिया।

केएसएच इंटरनेशनल का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुला, 18 दिसंबर तक कर सकेंगे निवेश

मुंबई। मैग्नेट वाइंडिंग वायर बनाने वाली कंपनी केएसएच इंटरनेशनल लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) मंगलवार को सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया। निवेशक इसमें 18 दिसंबर तक निवेश कर सकेंगे। कंपनी ने इस इश्यू के जरिए 710 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। कंपनी ने आईपीओ के लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 365-384 रुपये प्रति शेयर तय किया है। केएसएच इंटरनेशनल लिमिटेड ने अपने आईपीओ से एक दिन पहले 15 दिसंबर को 10 एंकर निवेशकों से 213 करोड़ रुपये जुटाए। इसके तहत 384 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर 55.4 लाख शेयर अलॉट किए गए हैं। इस आईपीओ का साइज 710 करोड़ रुपये का है, जिसमें 420 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू शामिल है। इसके तहत 1.09 करोड़ नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे। 290 करोड़ रुपये का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) प्रमोटर्स कुशल सुब्बय्या हेगड़े, पुष्पा कुशल हेगड़े, राजेश कुशल हेगड़े और रोहित कुशल हेगड़े की तरफ किया जा रहा है। इसमें 76 लाख शेयर बेचे जाएंगे। कंपनी ने आईपीओ का प्राइस बैंड 365 से 384 रुपये प्रति शेयर तय किया है। एक लॉट में 39 शेयर हैं। निवेशक इसमें निवेश के लिए कम से कम 39 शेयर और उसके बाद उसी के मल्टीपल में बोली लगा सकते हैं। प्राइस बैंड के अपर लेवल पर किसी रिटेल निवेशक को एक लॉट के लिए मिनिमम 14,976 रुपये का निवेश करना होगा।

घरेलू सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, दिल्ली में चांदी 2 लाख के पार पहुंची

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज जोरदार तेजी का रुख बना रहा। सोना आज 1,370 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,480 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। इसी तरह चांदी भी आज 5,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गया। कीमत में आई इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,35,390 रुपये से लेकर 1,36,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,24,110 रुपये से लेकर 1,25,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,03,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,35,540 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,24,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,35,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,24,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,35,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,24,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,36,540 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,25,160 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,35,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,24,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

वाराणसी बरेका बन रहा है देश का रेलवे लोकोमोटिव निर्यात केंद्र

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में स्थित बनारस लोकोमोटिव वर्क्स (बीएलडब्ल्यू) ने एक बार फिर लोकोमोटिव निर्माण क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का परचम लहराया है। बीएलडब्ल्यू ने स्वदेशी रूप से निर्मित छठी 3300 हॉर्स पावर एसी-एसी डीजल-इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव बीते सोमवार को मोजाम्बिक के लिए सफलतापूर्वक रवाना किया। महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, बीएलडब्ल्यू को मोजाम्बिक के लिए 3300 हॉर्स पावर एसी-एसी डीजल-इलेक्ट्रिक के कुल 10 लोकोमोटिव के निर्यात का ऑर्डर प्राप्त हुआ है। इन लोकोमोटिव की आपूर्ति एम/एस राइट्स के माध्यम से की जा रही है, जिसके तहत 10 लोकोमोटिव के निर्माण और निर्यात का अनुबंध किया गया है। मंगलवार शाम यह जानकारी बरेका जनसम्पर्क कार्यालय ने दी।

टैरिफ के जरिए वैश्विक व्यापार को हथियार बनाया जा रहा है: निर्मला सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि टैरिफ (शुल्क) और दूसरे उपायों के जरिए वैश्विक व?यापार को तेजी से हथियार बनाया जा रहा है। भारत को ऐसे में सावधानीपूर्वक आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था की समग्र मजबूती देश को एक अतिरिक्त फायदा देगी। केंद्रीय वित्त मंत्री ने नई दिल?ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर अब यह ''बिल्कुल स्पष्ट'' है कि व्यापार स्वतंत्र एवं निष्पक्ष नहीं है। निर्मला सीतारमण ने कहा, ''शुल्क और अन्य कई उपायों के जरिए व्यापार को हथियार बनाया जा रहा है। उन?होंने आगे कहा कि भारत को इसलिए सावधानीपूर्वक बातचीत करनी होगी और केवल शुल्क से निपटना काफी नहीं होगा...बल्कि मुझे लगता है कि हमारी

समग्र आर्थिक मजबूती ही हमें वह अतिरिक्त लाभ प्रदान करेगी।''

उन्होंने कहा, ''भारत को यह कहकर उपदेश दिया जा सकता है कि आप (भारत) बहुत अंतर्मुखी हैं, आप शुल्क के बादशाह हैं इत्यादि। हालांकि, शुल्क का दुरुपयोग हथियार के रूप में किया गया है।'' वित्त मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि भारत का इरादा कभी भी शुल्क का इस्तेमाल हथियार के रूप में करने का नहीं रहा। वित्त मंत्री ने कहा कि आज व्यापार का हथियार के रूप में इस्तेमाल बिना किसी आलोचना के हो रहा है और कुछ देश कहते हैं कि शुल्क अच्छे नहीं हैं और किसी को भी यह कदम नहीं उठाना चाहिए। लेकिन, ''अचानक नए लोग सामने आकर कहते हैं कि हम शुल्क बाधाएं खड़ी करेंगे और इस पर कोई सवाल नहीं उठाया जाता। इसलिए ऐसा लगता है कि यही नया सामान्य चलन बन गया है।'' केंद्रीय वित्त मंत्री की ये टिप्पणियां महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि अमेरिका की ओर से लगाए गए उच्च शुल्कों के कारण वैश्विक व्यापार बाधित हुआ है। मैक्सिको ने भी हाल ही में उन देशों पर उच्च टैरिफ लगाने की घोषणा की है, जिनके साथ उसके मुक्त व्यापार समझौते नहीं हैं।

भारत में बैंक क्रेडिट में सालाना आधार पर 11.5 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में बैंक क्रेडिट में सालाना आधार पर 11.5 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई है, जो अर्थव्यवस्था के मुख्य सभी क्षेत्रों में ऋण देने की लगातार बनी हुई गति को भी दिखाती है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार 28 नवंबर तक कुल बैंक क्रेडिट 195.3 लाख करोड़ रुपये था, जिसमें बीते साल के मुकाबले 11.5 फीसदी की तेजी दर्ज की गई है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक हाल के महीनों में क्रेडिट ग्रोथ लगातार 10 फीसदी से ऊपर रही है।बैंक क्रेडिट में बढ़ोतरी मुख्य रूप से खुदरा और एमएसएमई सेगमेंट से मजबूत डिमांड, बेहतर खपत रुझान, ग्रामीण आर्थिक गतिविधि और हाल ही में जीएसटी दरों में बदलाव के डिमांड की स्थितियों पर सकारात्मक असर के कारण हुई है। मंत्रालय का कहना है कि इंडस्ट्रियल क्रेडिट और कॉर्पोरेट उधारी के वापस आने के अच्छे संकेतों ने भी कुल क्रेडिट ऑफटेक में योगदान दिया है, जो भारतीय विकास की राह में मजबूत आर्थिक गतिविधि और व्यापार में भरोसे को दिखाता है।

गूगल ने भारत के एआई सेंटर्स के लिए 8 मिलियन डॉलर देने का किया ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं टिकाऊ शहरों के लिए भारत के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) उत्कृष्टता केंद्रों को 8 मिलियन यूएस डॉलर की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। इसके साथ ही भारत के स्वास्थ्य मॉडल के विकास में सहयोग के लिए 4 लाख अमेरिकी डॉलर देने की प्रतिबद्धता जताई है। कंपनी ने जारी एक बयान में बताया कि गूगल स्वास्थ्य एवं कृषि के लिए बहुभाषी एआई-संचालित अनुप्रयोगों का समर्थन करने के लिए वधवानी एआई को 45 लाख यूएस डॉलर की धनराशि प्रदान कर रहा है। साथ ही गूगल भारतीय भाषाओं के समाधान प्रदान करने वाले मॉडल बनाने के लिए ज्ञानीडॉटएआई, कोरोवरडॉटएआई और भारतजेन को 50,000 अमेरिकी डॉलर का अनुदान भी दे रहा है। गूगल ने कहा कि ये घोषणाएं भारत के कृत्रिम मेधा (एआई) परिवेश को मजबूत करने

के लिए किए गए नए सहयोग एवं वित्त पोषण प्रतिबद्धताओं की एक श्रृंखला को दर्शाती हैं। अमेरिकी कंपनी ने कहा, ''गूगल ने भारत के स्वास्थ्य मॉडल बनाने के लिए 'मेडगेम्मा' का लाभ उठाने वाले नए सहयोगों का समर्थन करने के लिए 4,00,000 अमेरिकी डॉलर देने की घोषणा की है।'' गूगल ने कहा कि अजना लेंस, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के विशेषज्ञों के साथ मिलकर ऐसे मॉडल तैयार करेगी, जो त्वचा विज्ञान और 'ओपीडी ट्राइएजिंग' में भारत-विशिष्ट उपयोग का समर्थन करेंगे। कंपनी ने बताया कि भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के शोधकर्ता, एआई विशेषज्ञ एवं चिकित्सक व्यापक नैदानिक अनुप्रयोगों के लिए एआई मॉडल के उपयोग की संभावनाएं तलाशेंगे।

डब्ल्यूईएफ की बैठक अगले साल दावोस में, तीन केंद्रीय मंत्री और 5 मुख्यमंत्री होंगे शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। स्विट्जरलैंड के खूबसूरत बर्फीले शहर दावोस में होने वाली 'विश्व आर्थिक मंच' (डब्ल्यूईएफ) की सालाना बैठक में भारत ज़ोरदार मौजूदगी दर्ज कराने के लिए तैयार है। अगले महीने होने वाली इस बैठक में भारत की तरफ से केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, शिवराज सिंह चौहान एवं प्रह्लाद जोशी के अलावा देश के पांच मुख्यमंत्री और 100 से ज़?यादा शीर्ष कारोबारी भी शिरकत करेंगे।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की ओर से बताया गया कि स्विट्जरलैंड के खूबसूरत बर्फीले शहर दावोस में अगले साल 19 से 23 जनवरी के बीच पांच दिवसीय वार्षिक बैठक में 60 राष्ट्राध्यक्ष समेत 130 देशों से तीन हजार वैश्विक नेता शिरकत करेंगे। बैठक में हिस्सा लेने वाले मुख्यमंत्रियों में महाराष्ट्र के देवेंद्र फडणवीस, आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू, असम के हिमंत

विश्व शर्मा, मध्य प्रदेश के मोहन यादव और तेलंगाना के ए. रेवंत रेड्डी शामिल हैं। इसके अलावा गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष रमेशभाई सांघवी भी शामिल होंगे। बैठक का विषय 'संवाद की भावना' रखा गया है। बैठक में रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रमुख मुकेश अंबानी, टाटा समूह के एन. चंद्रशेखरन, भारती समूह के सुनील भारती मित्तल भी शामिल होंगे। उत्तर प्रदेश का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी पांच-दिवसीय सालाना बैठक के लिए दावोस जायेगा।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी का आईपीओ आखिरी दिन 39.17 गुना हुआ सब्सक्राइब

एजेंसी

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई बैंक की इकाई आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ऐसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में निवेशकों ने जबरदस्त दिलचस्पी दिखाई है। इश्यू में बोली के आखिरी दिन संस्थागत खरीदारों की भारी मांग के कारण यह 39.17 गुना सब्सक्राइब हुआ। स्टॉक एक्सचेंज पर उपलब्ध डेटा के अनुसार इस आईपीओ को लगभग 2.96 लाख करोड़ रुपये की डिमांड मिली। एनएसई से मिली जानकारी के अनुसार, 10,602.65 करोड़ रुपये के आईपीओ के तहत पेशकश किए गए। आईपीओ के 3,50,15,691 शेयरों के मुकाबले 1,37,14,88,316 शेयरों के लिए बोलियां मिलीं। पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) की श्रेणी को 123.87 गुना अभिदान मिला, जबकि गैर-संस्थागत निवेशकों के मामले में 22.04 गुना अभिदान

मिला। खुदरा वैयक्तिगत निवेशकों (आरआईआई) के हिस्से को 2.53 गुना अभिदान मिला। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) ने कहा कि उसने एंकर निवेशकों से 3,022 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने इस निर्गम के लिए 2,061-2,165 रुपये प्रति शेयर मूल्य दायरा तय किया है। इससे इसका मूल्यांकन लगभग 1.07 लाख करोड़ रुपये (11.86 अरब डॉलर) बैठता है। यह सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) पूरी तरह से इसके प्रवर्तकों, ब्रिटेन स्थित प्रूडेंशियल कॉरपोरेशन होल्डिंग्स द्वारा 4.89 करोड़ से अधिक शेयरों का बिक्री पेशकश है। इसका मतलब है कि कंपनी को इस पेशकश से कोई पैसा नहीं मिलने वाला है। गौरतलब है कि फिलहाल, आईसीआईसीआई बैंक के पास एएमसी में 51 फीसदी हिस्सेदारी है, जबकि प्रूडेंशियल के पास बाकी 49 फीसदी हिस्सेदारी है। उल्लेखनीय है कि शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी, एचडीएफसी एएमसी, यूटीआई एएमसी, आदित्य बिड़ला सन लाइफ एएमसी, श्रीराम एएमसी और निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट जैसे आस्ति प्रबंधकों में शामिल हो जाएगी। ये आईसीआईसीआई बैंक, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड और आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के बाद सूचीबद्ध होने वाली 5वीं आईसीआईसीआई समूह की कंपनी होगी।

डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट जारी, रिकॉर्ड लो पर पहुंची भारतीय मुद्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। कमजोर ग्लोबल संकेतों, स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की बिकवाली, अमेरिका के साथ ट्रेड डील को लेकर जारी अनिश्चितता और डॉलर की मांग में तेजी आने के कारण रुपया आज एक बार फिर डॉलर के मुकाबले और भी निचले स्तर पर पहुंच गया है।मुद्रा बाजार में बने नकारात्मक माहौल के कारण रुपया आज डॉलर की तुलना में बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 23 पैसे फिसल कर 91.01 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय मुद्रा 29 पैसे की कमजोरी के साथ 90.78 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 9 पैसे की कमजोरी के साथ 90.87 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद रुपया कुछ देर के लिए रिकवरी के मूड में भी नजर आया और डॉलर के मुकाबले उछल कर 90.76 के स्तर तक पहुंच गया। रुपये की तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। मुद्रा बाजार में डॉलर की मांग बढ़ते ही रुपये पर दबाव भी बढ़ने लगा, जिसकी वजह से भारतीय मुद्रा अभी तक के सबसे निचले स्तर 91.14 रुपये प्रति डॉलर तक पहुंच गई। हालांकि दिन के दूसरे सत्र में डॉलर की मांग में कमी आने पर रुपये ने डॉलर के मुकाबले निचले स्तर से करीब 13 पैसे की रिकवरी करके 91.01 (अनंतिम) के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। मुद्रा बाजार के आज के कारोबार में रुपये ने डॉलर के साथ ही ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले भी कमजोर प्रदर्शन किया। आज के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 60.10 पैसे की कमजोरी के साथ 122.06 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच गया।

देश की बेरोजगारी दर नवंबर में घटकर सात महीने के निचले स्तर 4.7 फीसदी पर आई

एजेंसी

नई दिल्ली। बेरोजगारी के मोर्चे पर अच्छी खबर है। भारत में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के बीच बेरोजगारी दर नवंबर में घटकर 4.7 फीसदी पर आ गई है, जो अप्रैल के बाद का सबसे निचला स्तर है। इससे पहले अक्टूबर में यह दर 5.2 फीसदी थी। अप्रैल से नवंबर के दौरान पुरुषों, महिलाओं और कुल व्यक्तियों के बीच बेरोजगारी दर में स्थिर और व्यापक आधार पर गिरावट दर्ज की गई है।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने इस बारे में आंकड़े जारे किये हैं। आंकड़ों में बताया गया है कि नवंबर में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के पुरुषों और महिलाओं, दोनों के लिए बेरोजगारी दर में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। ग्रामीण बेरोजगारी दर घटकर 3.9 फीसदी के नए निचले स्तर पर आ गई

है। इसी तरह शहरी बेरोजगारी दर घटकर 6.5 फीसदी हो गई, जो अप्रैल में दर्ज किए गए अपने पिछले सबसे निचले स्तर के बराबर है। अप्रैल में बेरोजगारी की दर 5.1 फीसदी थी। मंत्रालय के मुताबिक कुल मिलाकर यह रुझान श्रम बाजार की स्थितियों के मजबूत होने का संकेत देते हैं, जिन्हें ग्रामीण रोजगार में बढ़ोतरी, महिला भागीदारी में वृद्धि और शहरी श्रम मांग में क्रमिक सुधार का समर्थन मिला है। मंत्रालय के मुताबिक महिलाओं के बीच बेरोजगारी दर नवंबर में घटकर 4.8 फीसदी रह गई, जो अक्टूबर में 5.4 फीसदी थी। यह गिरावट ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में महिला बेरोजगारी की दर में कमी के कारण आई। ग्रामीण क्षेत्रों में यह 4.0 फीसदी से घटकर 3.4 फीसदी और शहरी क्षेत्रों में 9.7 फीसदी से घटकर 9.3 फीसदी हो गई। इसके अलावा कुल पुरुष बेरोजगारी दर नवंबर में घटकर 4.6 फीसदी रह गई, जो अक्टूबर में 5.1 फीसदी थी। क्षेत्रवार आंकड़ों के अनुसार नवंबर में ग्रामीण और शहरी पुरुष बेरोजगारी दर क्रमशः 4.1 फीसदी और 5.6 फीसदी रही, जबकि इससे पिछले महीने यह क्रमशः 4.6 फीसदी और 6.1 फीसदी थी।

गुजरात किडनी एंड सुपर स्पेशियलिटी का आईपीओ 22 दिसंबर को खुलेगा, प्राइस बैंड 108-114 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

मुंबई। गुजरात किडनी एंड सुपर स्पेशियलिटी लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 22 दिसंबर को खुलेगा।निवेशक इसमें 24 दिसंबर तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने इसके लिए मूल?य का दायरा (प्राइस बैंड) 108-114 रुपये प्रति शेयर तय किया है, जिसका प्रति शेयर फेस वैल्यू 2 रुपये है।

कंपनी के 250.8 करोड़ रुपये के इस आईपीओ में पूरी तरह से 2.20 करोड़ शेयरों का फ्रेश इश्यू शामिल है, इसमें कोई ऑफर-फॉर-सेल कंपोनेंट नहीं है। गुजरात किडनी एंड सुपर स्पेशियलिटी लिमिटेड का ये पूरी तरह से फ्रेश इश्यू होगा, जिसके जरिए कंपनी 250 करोड़ रुपये जुटाएगी। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 22 दिसंबर को खुलेगा और बुधवार, 24 दिसंबर को बंद होगा। निवेशक इसमें कम से कम 128 शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे।

गुजरात किडनी एंड सुपर स्पेशियलिटी लिमिटेड कंपनी गुजरात के मध्य क्षेत्र में स्थित क्षेत्रीय हेल्थकेयर कंपनियों में से एक है, जो सेकेंडरी और टर्शियरी केयर पर ध्यान केंद्रित करते हुए इंटीग्रेटेड हेल्थकेयर सेवाएं प्रदान करने वाले मध्यम आकार के मल्टी-स्पेशियलिटी

अस्पतालों की एक चेन संचालित करती है। इसके अस्पताल इन-हाउस इंटीग्रेटेड डायग्नोस्टिक सेवाएं और फार्मेसी प्रदान करते हैं जो इसके मरीजों की ज़रूरतों को पूरा करते हैं।

चावल, गेहूं, चीनी, दालें मजबूत; खाद्य तेलों में घट-बढ़

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के औसत भाव बढ़ गये। चावल के साथ गेहूं, चीनी और दालों में भी तेजी देखी गयी। खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 15 रुपये बढ़कर 3,857 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं आठ रुपये महंगा हुआ और 2,860 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत छह रुपये बढ़ गयी। दाल-दलहनों में तेजी रही। उड़द दाल 27 रुपये और मूंग दाल 25 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। चना दाल की कीमत भी 25 रुपये बढ़ी जबकि तुअर दाल 12 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गयी। वहीं, मसूर दाल का भाव कमोबेश गत दिवस के स्तर पर टिका रहा। विदेशों में बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मार्च वायदा 52 रिंगिट फिसलकर 3,961 रिंगिट प्रति टन रह गया। जनवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 1.02 प्रतिशत गिरकर में 49.50 डॉलर के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल औसतन 19 रुपये प्रति क्विंटल टूट गया। अन्य खाद्य तेलों में तेजी रही। सोया तेल 43 रुपये और सरसों तेल 37 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। सूरजमुखी तेल की कीमत 28 रुपये और वनस्पति की 22 रुपये बढ़ी। पाम ऑयल भी 12 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया। मीठे के बाजार में आज गुड़ की औसत कीमत 13 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। चीनी भी सात रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।

लगातार दूसरे दिन गिरा घरेलू शेयर बाजार, निवेशकों के 3.33 लाख करोड़ रुपये डूबे

एजेंसी

नई दिल्ली। । घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद कुछ देर तक खरीदारी का जोर भी बनता हुआ नजर आया, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की कमजोरी लगातार बढ़ती चली गई। पूरे दिन के कारोबार में खरीदारों ने कई बार लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि ये दोनों सूचकांक लगातार लाल निशान में ही कारोबार करते रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.63 प्रतिशत और निफ्टी 0.64 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑयल एंड गैस, मेटल, बैंकिंग, आईटी और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और टेलीकॉम सेक्टर के शेयरों में आज खरीदारी का रुख बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.78 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.69 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 467.70 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 471.03 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.33 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,328 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,651 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,520 शेयरों में गिरावट का रुख रहा। 157 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,827 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 891 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,936 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 7 शेयर बढ़त के साथ और 23 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 11 शेयर हरे निशान में और 39 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 187.75 अंक की कमजोरी के साथ 85,025.61 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद थोड़ी ही देर में ये सूचकांक उछल कर 85,059.96 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स लगातार गिरता चला गया। बिकवाली के दबाव की वजह से आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 592.75 अंक टूट कर 84,620.61 अंक तक गिर गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 533.50 अंक की गिरावट के साथ 84,679.86 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 75.80 अंक फिसल कर 25,951.50 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 25,980.75 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बनने पर इसकी कमजोरी बढ़ती चली गई। बिकवाली के दबाव की वजह से आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 192.95 अंक की गिरावट के साथ 25,834.35 अंक तक आ गया। हालांकि अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई खरीदारी के कारण निफ्टी निचले स्तर से लगभग 25 अंक की रिकवरी करके 167.20 अंक की कमजोरी के साथ 25,860.10 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

अफगानिस्तान ने पोलियो के खिलाफ देशव्यापी टीकाकरण अभियान चलाया

काबुल। अफगानिस्तान ने पोलियो उन्मूलन को गंभीरता से लेते हुए देशव्यापी टीकाकरण अभियान की शुरुआत की। एक स्वास्थ्य अधिकारी ने यह जानकारी दी है। सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता शराफत जमान उमरखिल मौजूदा साल में नवीनतम टीकाकरण अभियान शुरू होने के मौके पर यह बात कही। यह 2025 का अंतिम पोलियो विरोधी अभियान है। अगले चार दिनों में राजधानी काबुल सहित देश के 34 में से 16 प्रांतों में पांच साल से कम उम्र के लगभग 7.2 मिलियन (70 लाख 20 हजार बच्चों) बच्चों को ओरल पोलियो वैक्सीन की बूंदें दी जाएंगी। श्री जमान ने परिवारों से इस अपंग करने वाली बीमारी के खिलाफ लड़ाई में सहयोग करने की अपील की और यह भी कहा कि जब तक देश पोलियो वायरस से मुक्त नहीं हो जाता, तब तक स्वास्थ्य कर्मचारियों की मदद करें। रिपोर्ट के अनुसार 2025 में अब तक अफगानिस्तान में पोलियो के नौ मामले दर्ज किए गए हैं।

पाकिस्तान ने भारतीय विमानों पर हवाई क्षेत्र प्रतिबंध 23 जनवरी तक बढ़ाया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान हवाई अड्डा प्राधिकरण (पीपीए) ने बुधवार को भारतीय विमानों पर हवाई क्षेत्र प्रतिबंध को 23 जनवरी तक बढ़ा दिया। यह विस्तार पिछले प्रतिबंध के 24 दिसंबर को खत्म होने से एक हफ्ते पहले किया गया है। प्राधिकरण ने इसकी अधिसूचना आज जारी की। डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार प्राधिकरण ने अधिसूचना में कहा, पाकिस्तान का हवाई क्षेत्र 23 जनवरी तक भारत में पंजीकृत विमानों के लिए बंद रहेगा। इनमें भारतीय एयरलाइंस के सभी स्वामित्व वाले, संचालित या लीज पर लिए गए विमान और भारतीय सैन्य उड़ानें शामिल हैं। साल 2022 के प्राधिकरण के एक दस्तावेज के अनुसार पाकिस्तान का हवाई क्षेत्र कराची और लाहौर में बंटा हुआ है। यह नोटम कराची और लाहौर दोनों पर लागू होता है। इस साल अप्रैल में भारत के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर है। पहलगाम में 26 लोगों के नरसंहार के बाद भारत और पाकिस्तान ने एक-दूसरे पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए हैं। इनमें हवाई क्षेत्र प्रतिबंध भी शामिल है।

पासपोर्ट दुरुपयोग मामले में रवि लामिछाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई स्थगित

काठमांडू। पूर्व उप प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी के अध्यक्ष रवि लामिछाने के खिलाफ पासपोर्ट दुरुपयोग से संबंधित मामले की सुनवाई स्थगित कर दी गई। युवराज पौडेल की ओर से दो वर्ष पहले दायर रिट याचिका पर आज सुनवाई होनी थी, जिसमें उन्होंने रवि लामिछाने के खिलाफ पासपोर्ट अपराध के तहत मुकदमा चलाने की मांग की थी। पौडेल ने महान्यायाधिवक्ता कार्यालय के उस निर्णय को कानून के विपरीत बताया था, जिसमें लामिछाने के खिलाफ मुकदमा न चलाने का फैसला लिया गया था। इससे पहले पुलिस और सरकारी वकील कार्यालय भी पासपोर्ट प्रकरण में लामिछाने के खिलाफ मुकदमा न चलाने का फैसला कर चुके थे। रिट याचिका में कहा गया है कि अमेरिकी नागरिक रहते हुए स्वयं को नेपाली नागरिक बताना और पासपोर्ट आवेदन पत्र भरकर नेपाली पासपोर्ट प्राप्त करना पासपोर्ट अधिनियम, 2024 की धारा 5(ख) के विरुद्ध एक दंडनीय अपराध है। ऐसे में, इस तथ्य पर विवाद न होने के बावजूद रवि लामिछाने के खिलाफ मुकदमा न चलाने का निर्णय पूर्वाग्रहपूर्ण और अनुचित है। युवराज पौडेल ने यह भी आरोप लगाया है कि महान्यायाधिवक्ता ने यह निष्कर्ष निकालते समय कि पासपोर्ट प्राप्त करने की प्रक्रिया में रवि लामिछाने की कोई आपराधिक मंशा नहीं थी, अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर निर्णय लिया।

'अहमद, आप ऑस्ट्रेलिया के हीरो हो...', आतंकी से गन छीनने वाले से मिले पीएम अल्बनीज

सिडनी। सिडनी बॉन्डी बीच हनुक्का समारोह पर हमला हुआ। अहमद अल-अहमद ने आतंकवादी से राइफल छीनकर कई लोगों की जान बचाई। पीएम अल्बानीज ने उन्हें 'ऑस्ट्रेलियाई हीरो' कहा। सिडनी के बॉन्डी बीच पर यहूदी समुदाय के हनुक्का समारोह के दौरान हुए भीषण आतंकवादी हमले ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया। इस हमले में कई लोग घायल और कम से कम 15 लोगों की मौत हुई। इसी घटना के दौरान एक व्यक्ति, अहमद अल-अहमद ने असाधारण बहादुरी दिखाई। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने अस्पताल जाकर अहमद से मुलाकात की और उन्हें 'ऑस्ट्रेलिया का हीरो' कहा। अहमद ने खतरे की परवाह किए बिना आतंकवादी से राइफल छीनकर कई लोगों की जान बचाई। प्रधानमंत्री अल्बानीज ने कहा, 'अहमद, आपने दूसरों की जान बचाने के लिए खुद को खतरे में डाला। बॉन्डी बीच पर खतरे की ओर दौड़कर आपने आतंकवादी को निहत्था किया। आप सच्चे ऑस्ट्रेलियाई नायक हैं।'

ट्रंप ने 20 और देशों पर अमेरिकी यात्रा प्रतिबंध बढ़ाया

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यात्रा प्रतिबंधों को और सख्त करने का आदेश जारी किया है। इस आदेश के तहत 20 और देशों के साथ-साथ फिलिस्तीनी अथॉरिटी को भी प्रतिबंध सूची में जोड़ दिया गया है। इस कदम से अमेरिका आने या इमिग्रेट करने वालों पर लगाई गई सीमाएं काफी बढ़ गई हैं। अब कुल पांच देशों पर अमेरिका में प्रवेश का पूरी तरह प्रतिबंध है। वहीं 15 देशों के नागरिकों पर आंशिक रोक लगाई गई है। प्रशासन ने फिलिस्तीनी अथॉरिटी द्वारा जारी यात्रा दस्तावेजों का उपयोग करने वाले लोगों की यात्रा पर भी पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। व्हाइट हाउस ने कहा कि यह कदम अमेरिका में प्रवेश से जुड़े नियमों को और कड़ा करने के लिए उठाया गया है। सरकार का कहना है कि यह फैसला सुरक्षा चिंताओं से जुड़ा है। अधिकारियों ने हाल ही में व्हाइट हाउस के पास दो नेशनल गार्ड जवानों पर गोलीबारी के आरोपी एक अफगान नागरिक की गिरफ्तारी का भी हवाला दिया।हालांकि, इन प्रतिबंधों में कुछ छूट भी दी गई है। जिन लोगों के पास पहले

से वैध अमेरिकी वीजा है, उन पर यह रोक लागू नहीं होगी। स्थायी निवास की अनुमति वाले लोग, राजनयिक, खिलाड़ी और कुछ अन्य श्रेणियों के वीज़ा धारक भी इससे बाहर रखे गए हैं। अगर किसी व्यक्ति का प्रवेश अमेरिका के हित में माना गया, तो उसे अनुमति मिल सकती है। सरकार ने यह नहीं बताया है कि ये नए नियम कब से लागू होंगे। ट्रंप ने पहली बार ऐसे यात्रा प्रतिबंध जून में लगाए थे। तब 12 देशों के नागरिकों को अमेरिका में प्रवेश से पूरी तरह रोका गया था और सात देशों पर आंशिक पाबंदी लगाई गई थी। यह नीति ट्रंप के पहले कार्यकाल की चर्चित नीति की याद दिलाती है। जून के प्रतिबंध में अफगानिस्तान, म्यांमार, चाड, कांगो गणराज्य, इक्वेटोरियल गिनी, इरिट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान और यमन शामिल थे। बुरुंडी, क्यूबा, लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेजुएला पर आंशिक प्रतिबंध लगाए गए थे। प्रशासन ने बुर्किना फासो, माली, नाइजर, दक्षिण सूडान और सीरिया को पूर्ण-प्रतिबंध सूची में जोड़ा। फ़िलिस्तीनी अथॉरिटी के दस्तावेजों पर भी पूरी रोक लगा दी गई है। दक्षिण सूडान पहले से ही कड़े प्रतिबंधों में था। आंशिक प्रतिबंध की सूची में 15 नए देश जोड़े गए हैं। इनमें अंगोला, एंटीगुआ और बारबुडा, बेनिन, आइवरी कोस्ट, डोमिनिका, गैबॉन, गाम्बिया, मलावी, मॉरिटानिया, नाइजीरिया, सेनेगल, तंज़ानिया, टोंगा, ज़ाम्बिया और जिम्बाब्वे शामिल हैं। ये प्रतिबंध घूमने आने वाले लोगों और स्थायी रूप से बसने की कोशिश करने वालों, दोनों पर लागू होंगे। अपने आदेश में ट्रंप ने कहा कि इन देशों में भ्रष्टाचार फैला हुआ है, सरकारी दस्तावेज अविश्वसनीय हैं और अपराध से जुड़े रिकॉर्ड ठीक से उपलब्ध नहीं हैं। इससे यात्रियों की सही जांच करना मुश्किल हो जाता है। सरकार ने यह भी कहा कि कई देशों के नागरिक वीजा अवधि खत्म होने के बाद भी अमेरिका में रुक जाते हैं और कुछ देश अपने नागरिकों को वापस लेने से इनकार कर देते हैं।

अमेरिका वेनेजुएला आने जाने वाले तेल टैंकरों पर नाकाबंदी लगाएगा

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उनका देश वेनेजुएला आने-जाने वाले सभी 'प्रतिबंधित तेल टैंकरों' पर नाकाबंदी लगाएगा। श्री ट्रम्प ने व्हाइट हाउस से दिए गए एक भाषण में कहा, 'वेनेजुएला पूरी तरह से दक्षिण अमेरिका के इतिहास में अब तक के सबसे बड़े नौसैनिक बेड़े से घिरा हुआ है।' अमेरिका यह कदम वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के खिलाफ महीनों से चल रहे दबाव अभियान को और बढ़ाएगा और तेल राजस्व पर निर्भर इस लैटिन अमेरिकी देश के लिए आर्थिक संकट पैदा कर सकता है।

इथियोपिया के राजनीतिक दलों ने ऐतिहासिक राष्ट्रीय बातचीत में शामिल होने की प्रतिबद्धता को दोहराया

एजेंसी

अदीस अबाबा (इथियोपिया)। देश के राजनीतिक दलों की संयुक्त परिषद और उनके नेताओं ने ऐतिहासिक राष्ट्रीय बातचीत की सफलता में योगदान देने की अपनी प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया है। इथियोपियाई राष्ट्रीय बातचीत आयोग तिग्रे क्षेत्रीय राज्य और विभिन्न कारणों से इस प्रक्रिया में भाग नहीं लेने वाली राजनीतिक पार्टियों को शामिल करके एक समावेशी राष्ट्रीय बातचीत को साकार करने की कोशिश कर रहा है। इथियोपिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार संयुक्त परिषद के अध्यक्ष सोलोमन अयेल ने कहा कि राष्ट्रीय बातचीत की सफलता देश में स्थायी शांति और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। परिषद राष्ट्रीय बातचीत आयोग के लक्ष्यों को साकार करने में अपना योगदान दे रही है। संयुक्त परिषद आयोग अपना बचा हुआ काम सफलतापूर्वक पूरा करने में सभी की मदद ले रहा है। प्रोस्पेरिटी पार्टी डेमोक्रेटिक के नेता मेलेसे अलेमू ने कहा कि आयोग ने अब तक जो कोशिशें की हैं, वे उत्साहजनक रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रॉस्पेरिटी पार्टी दूसरी पार्टियों के साथ मिलकर, ऐतिहासिक

राष्ट्रीय बातचीत की सफलता के लिए अपना योगदान मजबूत करेगी। एडिस टेवलिड (न्यू जेनरेशन) पार्टी के अध्यक्ष और ओरोमिया क्षेत्रीय राज्य में राजनीतिक पार्टियों की संयुक्त परिषद के चेयरमैन सोलोमन तफेसे ने कहा कि उनकी पार्टी बातचीत की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से हिस्सा ले रही है। अम्हारा डेमोक्रेटिक फोर्सेस मूवमेंट और अम्हारा क्षेत्र राजनीतिक पार्टियों की संयुक्त परिषद के चेयरमैन टेसफाहन अलेमनेह ने कहा कि उनकी पार्टी यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि सभी पार्टियां राष्ट्रीय बातचीत में हिस्सा लें। नेत्सेनेटना एकुलनेट (स्वतंत्रता और समानता) पार्टी की कार्यकारी समिति की सदस्य और अदीस अबाबा राजनीतिक पार्टियों की संयुक्त परिषद की चेयरपर्सन अदीस मोहम्मद ने कहा कि इथियोपिया में राजनीतिक और सामाजिक समस्याओं को हल करने का एकमात्र तरीका बातचीत है। इथियोपियन सिटिजंस फॉर सोशल जस्टिस पार्टी (एजेमा) के सेंट्रल इथियोपिया क्षेत्रीय राज्य समन्वयक और क्षेत्र में राजनीतिक पार्टियों की संयुक्त परिषद के अध्यक्ष डेमिस गेब्रे ने कहा कि राष्ट्रीय संवाद राज्य निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण अध्याय है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी सक्रिय रूप से इसमें हिस्सा ले रही है।

इथोपिया में गूंजा 'वंदे मातरम'...., प्रधानमंत्री मोदी ने हाथ हिलाकर किया अभिवादन

एजेंसी

अदीस अबाबा। इथोपिया की राजधानी अदीस अबाबा में इथोपियाई गायकों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत वंदे मातरम् से किया। इस दौरान प्रधानमंत्री के स्वागत में बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीय जुटे और तिरंगा लहराते हुए 'मोदी-मोदी' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाए। प्रधानमंत्री मोदी ने हाथ उठाकर उनका अभिवादन किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने इसका वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री अबी अहमद अली द्वारा आयोजित रात्रिभोज में इथियोपियाई कलाकारों की ओर से 'वंदे मातरम' की मधुर प्रस्तुति सुनना एक अत्यंत भावपूर्ण क्षण था, खासकर ऐसे समय में जब भारत 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ मना रहा है।

वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी वंदे मातरम का गीत सुनने के बाद हाथ उठाकर तालियां बजाते हुए नजर आए। उनके साथ इथोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली

और भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल भी मौजूद थे और उन्होंने भी तालियां बजाकर प्रस्तुति की सराहना की। इथोपिया के राष्ट्रगान में भी भारतीय राष्ट्रगीत वंदे मातरम की तरह मातृभूमि को मां के रूप में संबोधित किया गया है, जो भारतीय राष्ट्रीय गीत से भावनात्मक समानता को दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के पर भारत सरकार ने 7 नवंबर 2025 से 7 नवंबर 2026 तक राष्ट्रव्यापी स्मरणोत्सव कार्यक्रम कर रही है।

जयशंकर ने हनुक्का समारोह में यहूदियों पर हुए आतंकी हमले की निंदा की

एजेंसी

यरुशलम। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सिडनी के बोंडी बीच पर हनुक्का समारोह में यहूदियों पर आतंकी हमले की निंदा की, जिसमें कम से कम 11 लोग मारे गए थे।

श्री एस जयशंकर ने इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार के साथ संयुक्त रूप से आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, 'सबसे पहले मैं बोंडी बीच पर हनुक्का समारोह में हुए आतंकी हमले में जानमाल के नुकसान पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं कहना चाहता हूं कि हम इसकी कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। 'गौरतलब है कि श्री जयशंकर अभी इजराइल की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। उन्होंने कहा, 'जहां तक भारत और इजराइल का सवाल है, दोनों देशों की आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति है। हम आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ अपनी लड़ाई में आपके लगातार समर्थन की सराहना करते हैं। ' विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों पक्ष रणनीतिक साझेदारी

पर चर्चा करेंगे जो पिछले दशक में वास्तव में बहुत महत्वपूर्ण रूप से विकसित हुई है।इजराइली विदेश मंत्री ने भारत में हाल के आतंकी हमलों के पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, 'आतंकवाद दोनों देशों के लिए एक साझा खतरा है और हम हमेशा भारत के लोगों के साथ खड़े हैं। ' दोनों नेताओं ने बातचीत के दौरान रणनीतिक साझेदारी पर ध्यान केंद्रित किया और द्विपक्षीय संबंधों की बढ़ती व्यापक और महत्वाकांक्षी प्रकृति पर प्रकाश डाला, जिसमें 2026 के लिए एक कार्ययोजना अपनाने की योजना है। श्री सार ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है, जिसे इजराइल भविष्य के लिए एक स्वाभाविक भागीदार के रूप में देखता है। दोनों पक्ष ऐसी साझेदारी पर सहमत हुए जो सरकार-से-सरकार (जी2जी), व्यवसाय-से-व्यवसाय (बी2बी) और लोगों-से-लोगों (पी2पी) जुड़ाव को कवर करती है।दोनों नेताओं ने गाजा शांति योजना के लिए भारत के समर्थन को भी स्वीकार किया, जिसका लक्ष्य एक स्थायी और टिकाऊ समाधान है और जो दोनों देशों के बीच चल रही बातचीत का हिस्सा है। इसने स्थायी शांति और स्थिरता चाहने वाले एक जिम्मेदार क्षेत्रीय राष्ट्र के रूप में भारत की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने आतंकवाद विरोधी, आर्थिक विकास और क्षेत्रीय शांति में सहयोग के महत्व पर जोर दिया।

वर्ष 2026 के लिए नियोजित कार्य योजना और चल रही उच्च-स्तरीय राजनयिक यात्राएं रणनीतिक साझेदारी और भविष्य के सहयोग के प्रति एक मजबूत प्रतिबद्धता का संकेत देती हैं।

अमेरिकी वीजा नियमों में सख्ती... ट्रंप प्रशासन ने सात और देशों पर लगाया बैन

एजेंसी

कराची। ट्रंप प्रशासन ने राष्ट्रीय सुरक्षा और कमजोर वीजा जांच के कारण सात और देशों के नागरिकों के US प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए हैं। अब तक कुल 30+ देशों पर लगा प्रतिबंध। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नई घोषणा पर हस्ताक्षर करके वीजा और प्रवेश नियमों को और सख्त कर दिया है। राष्ट्रीय सुरक्षा और कमजोर जांच प्रणालियों को देखते हुए सात और देशों के नागरिकों के अमेरिका में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस विस्तार के साथ, अब कुल 30 से अधिक देशों के नागरिकों पर पूर्ण या आंशिक रोक लागू हो गई है। यह कदम सख्त इमिग्रेसन नियंत्रण की दिशा में एक बड़ी कार्रवाई है।

ऑस्ट्रेलिया में गोलीबारी के दो संदिग्धों ने नवंबर में फिलीपींस का किया था दौरा

एजेंसी

मनीला। फिलीपींस के आव्रजन ब्यूरो (बीआई) ने पुष्टि करते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलिया में हाल ही में की गयी घातक गोलीबारी में शामिल दो बंदूकधारियों ने पिछले महीने फिलीपींस का दौरा किया था। आव्रजन ब्यूरो की प्रवक्ता डाना सैंडोवल के अनुसार, नवीद अकरम और उनके 50 वर्षीय पिता साजिद अकरम एक नवंबर को सिडनी से फिलीपींस पहुंचे और वे दक्षिणी फिलीपींस के दावो शहर में ठहरे। दोनों 28 नवंबर को दावो से मनीला होते हुए सिडनी वापस चले गए। फिलीपींस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएससी) ने कहा कि उसे संदिग्धों की फिलीपींस की यात्रा करने संबंधित रिपोर्टों की जानकारी है और सूचना की पुष्टि की जा रही है। परिषद ने आगे कहा कि ऐसा कोई पुख्ता सबूत नहीं है जिससे यह पता चले कि उनकी यात्रा से सुरक्षा को कोई खतरा या तत्काल चिंता उत्पन्न हुई थी। पैलेस प्रेस ऑफिसर क्लेयर कास्त्रो ने फिलीपीन न्यूज एजेंसी के हवाले से कहा कि राष्ट्रपति को सलाह देने वाली संस्था एनएससी उन रिपोर्टों की पुष्टि कर रही है कि बोंडी बीच गोलीबारी में शामिल व्यक्ति पहले फिलीपींस की यात्रा कर चुके थे। इस बात की पुष्टि उन मीडिया रिपोर्टों के बाद की गई है जिनमें आरोप लगाया गया था कि संदिग्ध पिता और पुत्र ने सिडनी के बोंडी बीच पर हनुका उत्सव में हमले को अंजाम देने से लगभग एक महीने पहले फिलीपींस में 'सैन्य शैली' का प्रशिक्षण लिया था। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने साजिद अकरम को घटनास्थल पर ही गोली मारकर ढेर कर दिया जबकि नवीद अकरम अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। यह हमला उस समय हुआ जब यहूदी लोग हनका के पहले दिन का जश्न मना रहे थे। इस हमले को आधिकारिक तौर पर आतंकवादी कृत्य घोषित किया गया है। समुदाय के प्रतिनिधियों ने कहा कि मृतकों में एक 12 वर्षीय लड़की और एक रब्बी शामिल थे। न्यू साउथ वेल्स पुलिस ने कहा कि जांच जारी रहने तक बोंडी बीच के आसपास का इलाका सील रहेगा। अधिकारियों ने यह भी पुष्टि की कि पास के एक वाहन में मिले विस्फोटक उपकरणों को सुरक्षित रूप से हटा दिया गया है। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज़ ने इस घटना को विनाशकारी आतंकवादी हमला और यहूदी ऑस्ट्रेलियाई लोगों के खिलाफ यहूदी-विरोधी कार्रवाई करार दिया। एनएससी ने एक बयान में कहा कि मानक सुरक्षा, आव्रजन एवं आतंकवाद विरोधी प्रोटोकॉल पूरी तरह से सक्रिय हैं और ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों के साथ समन्वय जारी है। पिता और पुत्र ने गत रविवार को सिडनी के बोंडी बीच पर एक यहूदी उत्सव के दौरान गोलीबारी की, जिसमें कम से कम 16 लोग मारे गए और दर्जनों अन्य घायल हो गए।

भारत का इथोपिया से दो हजार साल पुराना रिश्ता: मोदी

एजेंसी

अदीस अबाबा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत का इथियोपिया से दो हजार साल पुराना रिश्ता है। दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक ले जाने का फैसला किया है।

प्रधानमंत्री मोदी अपनी तीन देशों की यात्रा के दूसरे चरण में इथोपिया में हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इथोपिया की संसद के संयुक्त सत्र को बुधवार को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और इथियोपिया की जलवायु और भावना दोनों में गर्मजोशी है। उन्होंने कहा, ''भारतीय कंपनियां इथोपिया में सबसे बड़े निवेशकों में से हैं। उन्होंने अलग-अलग सेक्टरों में पांच बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश किया है। 75000 से अधिक नौकरी पैदा की हैं। हमने भारत-इथियोपिया द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक ले जाने का फैसला किया है।'' मोदी ने वैश्विक दक्षिण के उभार का उल्लेख करते हुए विश्व को संदेश दिया कि अतीत में अटकी व्यवस्थाओं से आगे बढ़ना संभव नहीं है। उन्होंने इथोपिया को क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और संपर्क के क्षेत्र में स्वाभाविक मित्र बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और इथोपिया को क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और संपर्क के क्षेत्र में स्वाभाविक मित्र बताया। उन्होंने कहा कि इथोपिया में अफ्रीका जाने का मार्ग है और वहीं भारत हिंद महासागर के बीच में बसा है। उन्होंने अपने भाषण में इस बात का विशेष उल्लेख किया कि भारत और इथोपिया के राष्ट्रगीत में जमीन को मां के रूप में देखा गया है। उन्होंने इथोपिया का 'ग्रेट ओनर निशान ऑफ़ इथियोपिया' प्राप्त करने पर आभार प्रकट किया। प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि पिछले 11 वर्षों में भारत और अफ्रीका के बीच संबंधों में कई गुना प्रगति हुई है। भारत के डिजिटल सार्वजनिक ढांचे ने सेवाओं को लोगों तक पहुंचाने के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। भारत ने 150 से ज्यादा देशों को दवायें और वैक्सीन पहुंचाई है यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि हमने इथोपिया को भी 40 लाख वैक्सीन खुराक के मुहैया कराई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अदीस और धोलेरा जैसे बंदरगाह सिर्फ व्यापार केंद्र नहीं थे, बल्कि सभ्यताओं के बीच पुल थे। आधुनिक समय में, हमारे रिश्ते एक नए युग में प्रवेश करते हैं, जब 1941 में भारतीय सैनिकों ने इथोपिया की आजादी के लिए इथोपियाई लोगों के साथ मिलकर लड़ाई लड़ी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस शानदार बिल्डिंग में आपके कानून बनते हैं। यहीं लोगों की सहमति राज्य की मर्जी बनती है और जब राज्य की मर्जी लोगों की सहमति से मिलती है, तो परियोजनाओं का पहिया आगे बढ़ता है।

पाकिस्तान, रूस तेल समझौते पर कर रहे हैं चर्चा: पाकिस्तानी वित्त मंत्री

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने कहा है कि रूस और पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय एक तेल समझौते पर चर्चा कर रहे हैं और पाकिस्तान इसे साकार होते देखना चाहता है। जब पाकिस्तानी वित्त मंत्री से पूछा गया कि क्या पाकिस्तान तेल क्षेत्र में रूस के साथ सहयोग बढ़ाने का अवसर देखता है, जिसमें अन्वेषण, उत्पादन एवं शोधन शामिल हैं, तो उन्होंने कहा, 'ये सभी ऐसे क्षेत्र हैं जो रूस की शक्ति को दर्शाते हैं। हम चाहेंगे कि वे आएं और पाकिस्तान के साथ इस समीकरण को आगे बढ़ाएं। इस संबंध में दोनों पक्षों के ऊर्जा मंत्रालयों के बीच बातचीत चल रही है। '

रूसी ऊर्जा मंत्री सर्गेई त्सिविलेव ने नवंबर में कहा था कि रूस और पाकिस्तान रूसी कंपनियों की भागीदारी के साथ देश में एक तेल रिफाइनरी के आधुनिकीकरण की परियोजना पर बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि रूस तेल आपूर्ति बढ़ाने में भी दिलचस्पी रखता है।

अमेरिकी सीनेटरों का रूस के खिलाफ नया दांव, रूसी तेल की खरीद पर रोक के लिए पेश किया बिल

एजेंसी

वॉशिंगटन । अमेरिका की ओर से लगातार रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर लगातार दबाव बना रहा है। इसी सिलसिले में अमेरिकी सीनेटरों के एक समूह ने एक नया प्रस्ताव पेश किया है। इसका मकसद उन विदेशी कंपनियों पर आर्थिक प्रतिबंध लगाना है जो रूस से तेल खरीदना जारी रखती हैं। अमेरिका का कहना है कि रूस को व्यापार से मिलने वाले पैसे का इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ अपनी लड़ाई को और मजबूत करने में करता है। वहीं हालिया प्रस्ताव का मकसद रूस की लड़ाई के लिए कमाई का एक बड़ा सोर्स बंद करना है। ओहायो के रिपब्लिकन सीनेटर जॉन हस्टेड ने पेन्सिलवेनिया के सीनेटर डेव मैककॉर्मिक, मैसाचुसेट्स की एलिजाबेथ वॉरेन और डेलावेयर के क्रिस्टोफर कून्स के साथ मिलकर '2025 का घटता हुआ रूसी तेल मुनाफा/डिक्रीसिंग रूसी ऑयल प्रॉफिट (डीआरओपी)' एक्ट पेश किया। इसके तहत अमेरिकी सरकार उन विदेशी लोगों पर रोक लगाएगी, जो सीधे या किसी और तरह से रूसी पेट्रोलियम प्रोडक्ट खरीदने में शामिल पाए जाते हैं।

सीनेटर जॉन हस्टेड ने कहा, 'यह बिल दुनिया को साफ संदेश देता है कि रूसी तेल खरीदना जारी रखने के नतीजे भुगतने होंगे। अब उन देशों के दिखावे को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा जो दुनिया भर में व्लादिमीर पुतिन के कामों की बुराई करते हैं और गलत तेल खरीद के जरिए उनकी वॉर मशीन को फंड करते हैं। 'इसके तहत, देशों को कुछ शर्तों के तहत रोक से कुछ हद तक छूट मिल सकती है, जिसमें यूक्रेन को सैन्य या आर्थिक मदद देना शामिल है। इस कदम का उद्देश्य अमेरिकी सहयोगियों और व्यापारिक साझेदारों को रूसी

एनर्जी सप्लाई पर निर्भरता कम करने के लिए बढ़ावा देना भी है। हस्टेड ने कहा, 'अगर हमारे साथी और व्यापारिक साझेदार तेल खरीदना चाहते हैं, तो वे अमेरिकी तेल खरीद सकते हैं। जो देश रूसी तेल खरीदने पर जोर देते हैं, इस बिल के तहत उन्हें आगे आकर यूक्रेन को समर्थन देने के लिए प्रोत्साहित करेगा। ' बिल के समर्थकों ने बताया कि रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद से लगाए गए बैन के बावजूद रूसी तेल की वैश्विक मांग बनी हुई है। चीन, भारत, तुर्किए, और ईरान रूसी तेल के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक हैं। एक प्रेस रिलीज में कहा गया कि जहां लगभग हर यूरोपीय देश ने यूक्रेन को मदद दी है, वहीं कई यूरोपीय देश अभी भी क्रेमलिन से तेल खरीदते हैं, जिससे रूस की लड़ाई को फंडिंग करने में मदद मिलती है। मैककॉर्मिक ने कहा कि रूसी तेल की लगातार खरीद लड़ाई खत्म करने की कोशिशों को सीधे तौर पर कमजोर करती है। उन्होंने कहा, 'कोई भी देश या संस्था जो रूसी तेल खरीदती है, वह यूक्रेन में रूस के हमले को सक्रिय रूप से फंड कर रही है। पुतिन ने दिखा दिया है कि वह यूक्रेन के खिलाफ इस लड़ाई को खत्म करने को लेकर गंभीर नहीं हैं, और वॉर मशीन को लगातार फ्यूल देने के इसके नतीजे भुगतने चाहिए। 'वॉरेन ने कहा, 'क्रेमलिन हमारे उपायों से बचने के लिए अपने निर्यात में कितना भी फेरबदल करने की कोशिश करे, जो कोई भी रूसी तेल के आयातकों को आसान बनाने में मदद करता है, उसे अमेरिकी वित्तीय प्रणाली तक पहुंच खोने का खतरा है। अमेरिका को यह दिखाना होगा कि वह रूस के लिए लागत को लगातार बढ़ा सकता है क्योंकि पुतिन अपनी पसंद का क्रूर युद्ध जारी रखे हुए हैं। कून्स ने इस कानून को एक नैतिक और रणनीतिक कदम दोनों के तौर पर बताया।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/18/2025 12:24 AM Page 2

जैविक खादें- रसायनिक खादों का सार्थक विकल्प

भारतीय कृषि में हरित क्रांति के बाद आधुनिक तकनीक का प्रयोग बढ़ने के साथ-साथ उसी अनुपात में पौध संरक्षण रसायनों व उर्वरकों का उपयोग भी अधिकाधिक होने लगा है। यद्यपि आज देश खाद्यानों के उत्पादन में आत्मनिर्भर हुआ है परन्तु आधुनिक तकनीक में इस्तेमाल होने वाले रसायनों से हमारी मृदा की संरचना तथा वातावरण में भाई असमानता व असंतुलन पैदा हो रहा है। अब हमारे देश में भी अन्य विकसित देशों की भांति कार्बनिक व प्राकृतिक खेती की आवश्यकता महसूस की जा रही है ।

जैविक खेती पूर्ण रूप से प्राकृतिक के वातावरण के साथ जुडी हुई है। यह खेती की एक ऐसी समूह पद्धति है जिसमें उर्वरकों एवं कीटनाशी रसायनों का प्रयोग नहीं किया जाता है। इसमें भूमि की उपजाऊ शक्ति को बनाये रखने के लिए घास-फूस से बनी कम्पोस्ट, शहरी कचरे व गंदे नाले से प्राप्त गली-सड़ी खाद, जीवाणु खाद तथा सूक्ष्म जीवाणुओं से निर्मित खाद, नीम के पौधे के विभिन्न उत्पाद तथा प्रक्रति में पाए जाने वाले अन्य पौधों के उत्पादों से पौध संरक्षण का काम लिया जाता अहि। रसायनों से होने वाले विभिन्न प्रकार के प्रदूषण को रोकने के लिए हमें जैविक संसाधनों पर निर्भर होना पड़ेगा। मैं विषय के दायरे में रह कर यहाँ सिर्फ रासायनिक खादों के विकल्प के बारे में ही बात करूँगा।।

रासायनिक खादों के विकल्प के लिए जैविक खादें

1. **देशी खाद/गोबर की खाद**
2. **हरी खाद**
3. **कचरे (शहरी व ग्रामीण की खाद/कम्पोस्ट**
4. **केंचुआ खाद**
5. **जीवाणु खाद आदि**

देशी खाद अधिकांश किसान गोबर को गौशाला से सीधे ही खेतों में फेक दिया जाता है या फिर खेतों के किनारे पर बिना गड्ढा बनाये ढेर लगा दिया जाता है जिससे गोबर में पाए जाने वाले अधिकांश तत्व वर्षा के पानी से बह जाते हैं फिर कुछ तत्व धूप की गर्मी से उड़ जाते हैं। दूसरी तरफ ये कच्चा गोबर फसलों में विभिन्न प्रकार की बीमारियों एवं कीटों का प्रकोप भी पैदा करता है। अगर किसान भाई इस खाद को गड्ढे में बनाएं तो इसमें विभिन्न पौध पोषण तत्वों की मात्रा दो से तीन गुणा ज्यादा होती है। गड्ढों/ टैंक या तो जमीन से नीचे या सतह के ऊपर बनाये जा सकते हैं। इन गड्ढों में तीन से चार मास के भीतर खाद बनकर तैयार हो जाती है। अच्छी खाद बनाने का ढंग व उसके उचित प्रयोग के बारे में निम्नलिखित बातें अवश्य ध्यान में रखें

सबसे पहले गौशाला से कुछ ही दूरी पर या अपने खेत के एक कोने पर एक या 2 मीटर लम्बा, 2 मीटर चौड़ा तथा के मीटर गहरा गड्ढा खोदें। उसके अंदर की तरफ की मिट्टी को अच्छी तरह से दबाएँ ताकि पानी का कम से कम रिसव हो। उसके बाद रोजाना गोबर और पशुओं के नीचे बिछाएं बचे घास-फूस को गड्ढे में डालते जाएं और जहाँ तक सम्भव हो सके पशुओं के मूत्र को भी उसी गड्ढे में गोबर के साथ-साथ अवश्य डालते रहें मूत्र में गोबर और मूत्र के कुल भाग का 95% पोटाश, 63% नाइट्रोजन और 50% गंधक जैसे तत्व होते हैं। पशुओं के बांधने का ऐसा तरीका भी अपनाया जा सकता हैं कि सभी पशुओं का मूत्र एक नाली से होता हुआ लगातार खाद के गड्ढे में गिरता रहे। यही मूत्र सूखे घास और गेंहू के भूसे के बिछावन में भी सोख लिया जा सकता है। पूरे बिछौने और गोबर को भी गड्ढे में डाला जा सकता है। जब यह गड्ढा भरते-भरते जमीन की सतह से लगभग डेढ़ फुट ऊपर तक भर जाए तो उसमें चार पांच बाल्टी पानी डालकर मिट्टी और गोबर के मिश्रित लेप को एक इंच मोटी तह जमा दें। ऐसा करने से गोबर की खाद में नमी अधिक बनी रहेगी और गलन-सड़न की प्रतिक्रियाएं तेजी से काम करेंगी और मक्खियों का प्रकोप भी कम होगा। चार-पांच मास के बाद खाद तैयार हो जायगी।

जब इस खाद का प्रकोप करना हो तो गड्ढे को फसल की बीजाई से एक महीना पहले खोलकर निरीक्षण करें। अगर खाद पूर्ण रूप से गली-सड़ी न हो तो उसे खेत में बीजाई के दो तीन सप्ताह पहले एक समान रूप से फैलाकर तथा हल चलाकर अच्छी तरह से मिट्टी में मिला दें ताकि सही अर्थ में पोषक तत्वों के भण्डार सिद्ध हो सकें। यदि खाद अच्छी तरह से गली-सड़ी हो तो बीजाई के केवल एक या दो पहले भी खेत में डाली जा सकती है। अति उत्तम गोबर की खाद बनानी हो तो गोबर को गड्ढे में भरते समय कुछ दिनों के अन्तराल पर सिंगल सुपर फास्फेट खाद का बुरकाव करते रहें क्योंकि ऐसा करने से खाद में फास्फोरस तत्व की मात्रा तो बढ़ती ही है साथ में नाइट्रोजन की होने वाली हानि पर भी रोक लग जाती है। यह ध्यान रखें कि केवल गोबर की खाद डालने से फसलों की आवश्यकता के सभी तत्व संतुलित मात्र में उपलब्ध नहों होते हैं, विशेषकर फास्फोरस इत्यादि। फसलों की अधिकतम पैदावार लेने के लिए रासायनिक खादों का भी सही मात्रा में प्रयोग करें। परन्तु इसके लिए अपने खेती की मिट्टी का परीक्षण जरुर करवाएं।

हरी खाद मृदा के लगातार दोहन से उसमें उपस्थित पौधे की बढ़वार के लिए आवश्यक तत्व नष्ट होते जा रहे हैं। इनकी क्षतिपूर्ति हेतु व् मिट्टी की ऊपजाऊ शक्ति को बनाये रखने के लिए हरी खाद एक उत्तम विकल्प है। बिना गले-सड़े हरे पौधे (दलहनी एवं अन्य फसलों अथवा उनको भाग) को जब मृदा की नत्रजन या जीवांश की मात्रा बढ़ाने के लिए खेत में दबाया जाता है तो इस क्रिया को हरी खाद देना कहते है।

आदर्श हरी खाद फसल के गुण

हरी खाद के मुख्य चार गुण है

क) उगाने में न्यूनतम खर्च

ख) न्यूनतम सिंचाई, कम से कम पादप संरक्षण

ग) खरपतवारों को दबाते हुए जल्दी बढ़त प्राप्त करें तथा विपरीत परिस्थतियों में उगने की क्षमता हो।

घ) कम समय में अधिक मात्रा में वायुमंडलीय नत्रजन का स्थिरीकरण करती हो।

1. हरी खाद केवल नत्रजन व कार्बिनक पदार्थों का ही साधन नहीं है बल्कि नहीं है बल्कि इससे मिट्टी में कई अन्य आवश्यक पोषक तत्व भी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होते हैं।

2. हरी खाद के प्रयोग में मृदा में सुधार एवं मृदा भुरभुरी, वायु संचार में अच्छी, जलधारण क्षमता में वृद्धि, अम्लीयता/क्षारीयता में सुधार एवं मृदा क्षरण में भी कमी होती है।

3. हरी खाद के प्रयोग से मृदा में सूक्ष्मजीवों की संख्या एवं क्रियाशीलता बढ़ती है तथा मृदा की उर्वरा शक्ति एवं उत्पादन क्षमता भी बढ़ती है।

4. हरी खाद में मृदाजनित रोगों में भी कमी आती है।

5. इसके प्रयोग से रासायनिक उर्वरकों में कमी करके भी टिकाऊ खेती कर सकते हैं।

क) फलीदार फसल में पानी की काफी मात्रा होती है परन्तु अन्य फसलों में रेशा काफी होने की वजह से मुख्य फसल (जो हरी खाद के बाद लगानी हो) में नत्रजन की मात्रा काफी कम हो जाती है।

ख) क्योंकि हरी खाद वाली फसल के गलने के लिए नमी आवश्यकता पड़ती है अत: कई बार हरी खाद के पौधे नमी जमीन से लेते हैं जिसके कारण अगली फसल में सूखे वाली परिस्थितियां पैदा हो जाती है।

हरी खाद के व्यवहारिक प्रयोग

क) उन क्षेत्रों में जहाँ नत्रजन तत्व की काफी कमी हो।

ख) जिस क्षेत्र की मिट्टी में नमी की कमी कम हो।

ग) हरी खाद का प्रयोग कम वर्षा वाले क्षेत्र में न करें। इन क्षेत्रों में नमी का संरक्षण मुख्य फसल के लिए अत्यंत आवश्यक है। ऐसी अवस्था में नमी के संरक्षण के अन्य तरीके अपनाएं।

घ) जिनके तने तथा जड़ें काफी मात्रा में पानी प्राप्त कर सकें।

ङ) ये वे फसलें होनी चाहिए जो जल्दी ही जमीन की सतह को ढक लें चाहे जमीन रेतीली या भारी या जिसकी बनावट ठीक न हों में ठीक प्रकार बढ़ सकें।

च) जब ऊपर बतायी बातें फसल में विद्यमान हों तो फलीदार फसल का प्रयोग अच्छा होता है क्योंकि उन फसलों से नत्रजन भी प्राप्त हो जाती है।

कम्पोस्ट खाद किसानों व बागवान भाइयों के लिए यहाँ पर कुछ खादें बनाने की विभिन्न विधियों का वर्णन किया गया है। इस सन्दर्भ में यहाँ बताना उचित होगा कि जो भी खाद कार्बिनक पदार्थ के सड़ने से तैयार की जाती है उसे कम्पोस्ट कहते हैं। गोबर से बनी खाद फार्म यार्ड मैन्योर को कम्पोस्ट कहते हैं। इसलिए आगे के लेख में खाद शब्द का प्रयोग कम्पोस्ट के लिए ही किया गया है। चाहे वह गोबर से या पेड़ पौधों के पत्तों से या इन दोनों के मिश्रण से बनी हो खाद या कम्पोस्ट ही कहलायेगी।

कम्पोस्ट खाद बनाने की विधियाँ

क) ऐडको विधि

हटचिन्सन और रिचर्डसन ने 1921 में विधि इंग्लैंड में विकसित की थीझ

इस विधि में पराल, डंठल, घास और खेत खलिहानों के पदार्थ जिनका अन्य कोई उपयोग नहीं होता कम्पोस्ट बनाने के प्रयोग में लाये जाते हैं। इसके तैयार करने मने एड्को चूर्ण प्रयोग में लाया जात है जिसे 'एग्रीकल्चरल डेवेलपमेंट कम्पनी ऐडको' तैयार करती और बेचती है। एक टन सूखे कचरे के लिए 60 ग्राम अमोनियम सल्फेट, 30 ग्राम सुपरफास्फेट, 25 ग्राम म्यूरेट ऑफ़ पोटाश और 50 ग्राम चूना पत्थर पिसा हुआ डाला जाता है। दस फुट वर्ग क्षेत्र में सुखी घास या पराल या इसी प्रकार का अन्य मोटा कचरा 12 इंच मोटी तह में एक सा बिछा देते हैं। फिर उसे पानी में भिगों दिया जाता अहि। भींगे पदार्थ पर एड्को चूर्ण आवश्यक मात्रा में फैला देते हैं। इस तह के ऊपर और दूसरी तह कचरे की डालकर भिगोकर उस पर फिर एड्को चूर्ण डाल देते हैं। इस तहर ढेर को पूरा करने के लिए एक के ऊपर दूसरी तह डालते जाते हैं। एक गड्ढे में लगभग एक टन सूखा कचरा रखते हैं जो कि गड्ढे की ऊंचाई (छ: फुट) से अधिक नहीं होना चाहिए। इससे मोटी तह के लिए हवा के अंदर जाने और बाहर आने में कठिनाई होती है। इसे तीन सप्ताह तक ऐसे ही छोड़ देते हैं परन्तु आवश्कता पड़ने पर पानी पर पानी डाल देते रहना चाहिए। प्रति बार एक हजार लीटर तक पानी देना चाहिए। चार से छ: मास में कम्पोस्ट तैयार हो जाती है। यदि जरूरत हो तो बीच में एक बार ढेर को उलट फेर कर देना चाहिए। भारतवर्ष जैसे गर्म देश के लिए यह विधि बहुत उपयोगी नहीं है क्योंकि पानी जल्दी सूख जाता है तथा तापमान भी जितना चाहिए वह भी एक सार नहीं रहता बल्कि कम या ज्यादा होता रहता है। सक्रियता कम्पोस्ट विधि के अविष्कार करने वाले बंगलूर के फाउलर और रेगे हैं जिन्होंने इस विधि को 1923 ई. में विकसित किया। घास, घास-पात, पत्ते, बाग़ बगीचों, खेत खलिहानों और घर के कचरे को एक गड्ढे में इकट्ठा करते हैं। फिर समय मिलने पर इस कचरे को ढेर से निकाल आकर छ: फुट लम्बे-चौड़े और दो फुट ऊँचे एक स्थान पर इकट्ठा करते हैं। जरूरत हो तो कचरे को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट भी लेते हैं। लगभग किलोग्राम (एक मन) ताजा सान्द्र गोबर लेकर पानी डालकर उसका पतला घोल बना लेते हैं और इसमें कचरे के ढेर को भिंगो देते हैं। समय-समय पर उसे उलट-फेर करके बराबर भींगा रखते हैं। पहले ढेर का तापमान बढ़ता है फिर बाद में कम होता है। जब यह कचरा सड़-गल कर भुरभूरा हो जाए तब उसका रंग भूरा हो जायेगा और न ही उससे कोई गंध आती है। आरंभ में पर्याप्त जीवाणु रहने चाहिए ताकि उनकी सहायता से अन्य पदाथों का किव्वन शीघ्रता में हो सके। गोबर के स्थान पर मूत्र, विष्ठा, मल प्रवाह, सीवेज और स्लज, के उपयोग से अधिक अच्छी कम्पोस्ट बनती है। इन सबसे आधी कम्पोस्ट मनुष्य के मल-मूत्र से तैयार होती है। यदि कचरे में हड्डी का चुरा मिला दें तो ज्यादा अधिक लाभप्रद कम्पोस्ट तैयार हो जाती है। ज्यों ही किव्वन समाप्त हो जाए ढेर का एक तिहाई भाग निकाल कर एक गड्ढे में सुरक्षित रखना चाहिए और शेष तो तिहाई में ताजा सूखा कचरा मिलाकर विधि को दोहराना चाहिए। इंदौर के फार्म पर काम करने वाले हार्डवर्ड इस विधि को विकसित करने वाले हैं। इस विधि से गोबर की कम मात्रा से काम चल जाता है। यह एक बहुत ही अच्छी विधि समझी जाती है और इसका प्रयोग सारे संसार में हो रहा है। इस विधि के लिए गड्ढों का इस्तेमाल होता है। ये गड्ढे बंगलौर में 30'×14'×2' जे थे। इनका किनारा ढलानदार तथा ताकि बैलगाड़ियाँ या ट्रैक्टर गड्ढे में आ जा सकें गड्ढे दो-दो के समूह में साथ-साथ बनाते हैं और प्रत्येक जोड़े गड्ढों के बीच 12 फूट की दूरी रहती है। एक टंकी में ज रहना है जिसमें 3000-3200 लीटर पानी आ सकता है। टंकी जमीन में 4' की ऊंचाई रपर रहती है ताकि उससे बहकर पानी सरलता से गड्ढे में जा सके। एक टंकी छ: गड्ढों के लिए प्रयोप्त होती है। खाद बनाने के लिए जो पदार्थ प्रयुक्त होते हैं वे हैं

क) पेड़ पौधों के पत्ते या बारीक शाखाएं जो किसी अन्य उपयोग के न हों, घास-पात, पेड़ से गिरा पत्ता, हल्का छांटन, झाड़ियों और पेड़ों की कतरन, पराल, भूसा, लकड़ी की छीलन, लकड़ी का बुरादा, रद्दी कागज, पुराना सड़ा गला बोरा व कपड़ा इत्यादि। जो पदार्थ कड़ा अरु लकड़ी की तरह कठोर है उसे काट-काटकर अथवा कुचल कर छोटा या मुलायम बना लेते है। हरे कार्बिनक पदार्थ को सूखा कर इकट्ठा करते हैं।

ख) गाय, बैल व भैस का गोबर अथवा घोड़े की लीद अस्तबल या गौशाला का कचरा भी इसमें मिलाया जा सकता है।

ग) मूत्र वाली मिट्टी- जहाँ पशु रहते हैं वहां की मिट्टी तीन-तीन महीने पर करीब 6 इंच तक खोद कर निकाल लेनी चाहिए और कम्पोस्ट के गड्ढे के निकट इकट्ठा करना चाहिए जहाँ से मिट्टी निकाली हो वहां फिर ताज़ी मिट्टी भर देनी चाहिए।

घ) लकड़ी की राख- इससे अम्लता दूर होती है तथा इसमें पोटाश की मात्रा भी बढ़ती है।

ङ) जल और वायु- इससे खाद में हयूमस बनता है। जीवाणु और कवक ही ह्यूमस बनाते हैं। इन जीवाणुओं और कवकों के लिए जल और वायु आवश्यक होते हैं।

च) कम्पोस्ट के लिए गड्ढा भरने की विधि

छ) गड्ढे के ऊपर एक तख्ता रख लेते हैं ताकि गड्ढे को कचरे से बिना कुचले भर सकें। कचरे को पहले 3 इंच मोटी तह बनाकर समतल कर लेते हैं। उस पर राख और मूत्र की मिट्टी को छिड़क देते हैं। उसके ऊपर फिर दो इंच मोटी तह को कूटे गोबर और मैली की हुई बिछाली से भर देते हैं। उसके ऊपर हर रोज पाइप से पानी डालकर उसे भिंगो देते हैं। इसके ऊपर फिर से कचरे और पानी को क्रम-क्रम से डालकर 3 इंच मोटी तह के ऊपर गोबर और बिचाली का एक तह और उसके ऊपर मूत्र मिट्टी और राख बिछाकर पानी छिड़क देते हैं। गड्ढे को शाम को और फिर दूसरे दिन प्रात: भिगोते हैं। पहली बार तीन क्रमों में पानी देने से उसमें इतना पानी रहता है कि उसका तीव्र किव्वन शुरू हो जाता है और गड्ढे का कचरा सिकुड़ का पेदों में चला जाता है। उसके बाद सप्ताह में एक बार सींचना चाहिए। यदि गर्मी ज्यादा हो तो सप्ताह में दो बार सींचना चाहिए।

ज) कचरे में भलीभांति सड़ने और अपक्षय के लिए वायु और जल का रहना आवश्यक है। वायु और जल की प्राप्ति के लिए उसका तीन बार उलट-फेर करना चाहिए। पहला उलट-फेर 10 से 14 दिन के बीच करते हैं। आधे गड्ढे को पंजा (कुदाली) द्वारा खोदते हैं और उस पर पानी देकर भिगोते हैं और बिना खोदे आधे भाग फिर बिछा देते हैं। आधे उलटे हुए ढेर की फिर अच्छी तरह सिंचाई कर देते हैं। दूसरा उलट-फेर 10 से 14 दिन के बाद करते हैं। उसे फिर उलट कर पानी से भिगो कर गड्ढे के दूसरे खाली अंश में ढीला-ढाला रख देते हैं। तीसरा उलट-फेर गड्ढे के तीन मास पुराना होने पर करते हैं। टूटते हुए काले पदार्थों को पानी से भिंगोकर सतह पर आयाताकार ढेर में पैंदे में (10 फुट चौड़ा, ऊपर 9 फूट चौड़ा और साढ़े तीन फुट ऊँचा) इकट्ठा करते हैं और परिपक्व होने के लिए एक मास छोड़ देते हैं। एक मास के बाद वह इस्तेमाल करने के योग्य हो जाता है। बरसात के दिनों में जब गड्ढे के पानी से भर जाने की आंशका हो तो ढेर को सतह पर लगाते हैं। यदि वर्षा सामान्य हो तो ढेर नीचे 8 फुट +8 फुट और ऊपर । फुट + और गहरा होता है। यदि वर्षा ज्यादा तो तो ढेर के ऊपर छप्पर डालना चाहिए।

घ) भारद्वाज विधि- इस बढ़ी को अखिल भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद के वैज्ञानिक डॉ भारद्वाज ने विकसित किया है। इस विधि द्वारा भी कम्पोस्ट, गोबर और दूसरे वनस्पति और नगर और शहरों के कचरे से तैयार किया जाता है। कम्पोस्ट को गड्ढों में बनाया जाता है परन्तु जमीन की सतह पर भी अच्छी कम्पोस्ट तैयार की जा सकती है। कम्पोस्ट का गड्ढा ऊँची जमीन पर बनाना चाहिए जहाँ वर्षा का पानी इसमें इकट्ठा न हो। इस विधि द्वारा खाद 1×1×1 मीटर के गड्ढों में तैयार की जाती है। ये गड्ढे यदि पक्के हों और उनके ऊपर यदि छत पड़ी हो तो बहुत ही अच्छा है। यह परन्तु कच्चे गड्ढों में खुले आसमान के नीचे भी अच्छी कम्पोस्ट तैयार की जा सकती है। उज गड्ढे का कम से कम आकार है जिसमें काम करने की सहुलियत, पानी का कम से कम उत्पन्न और खाद के तत्वों का सही संरक्षण रहता है। कचरे की मात्रा को ध्यान में रखकर गड्ढे को लम्बाई और चौड़ाई में बढ़ाया जा सकता है। परन्तु गहराई 1 मीटर से ज्यादा और चौड़ाई 2 मीटर से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। कचरे व गोबर को पहले बाहर ही भलीभांति मिलाकर गड्ढे में डाला जा सकता है। जब कम्पोस्ट पशुओं के गोबर और बहुत ज्यादा वनस्पति से तैयार करनी हो तो गड्ढे की सतह पर 3-6 इंच तक मोटी वनस्पति के कचरे की सतह डालनी चाहिए। उसके ऊपर गोबर की एक सतह 2-3 ईच की डालनी चाहिये। इस तरह कचरे और गोबर की सतह एक के ऊपर दूसरी रख कर गड्ढा जमीन से 1 फुट ऊँचा करना चाहिए। कचरा यदि सूखा हो तो 70-80% पानी भिंगो देना चाहिए। सबसे ऊपर की सतह कचरे की होनी चाहिए। गोबर वाली सबसे ऊपर की सतह पर 5-6 इंच मिट्टी डालनी चाहिए जिसमें कम्पोस्ट बनाने वाले जीवाणु पर्याप्त मात्रा में होते हैं तथा मिट्टी डालने से नाइट्रोजन व दूसरे पोषक तत्वों को भी कम हानि होती है। इसके लिए पेड़ों के नीचे की मिट्टी बहुत ही उपयोगी होती है।

इसके आलावा, राख, पशुओं का मूत्र, लगभग 1% नाइट्रोजन और यदि उपलब्ध हो तो 5% रॉक फास्फेट पाउडर बनाकर डालना चाहिए। रॉक फास्फेट किसी नही प्रकार के कम्पोस्टिंग किये जाने वाले गोबर या कचरे में डाला जा सकता है । अच्छी प्रकार के कम्पोस्ट बनाने के लिए जीवाणु कल्चर जो कि ज्वार के दानों पर या गेंहू के छिलके पर तैयार किये जाते हैं, लगाया जा सकता है। इसके खाद 60-75 दिनों में तैयार हो जाती है।

स्रोत- मृदा एवं जल प्रबंधन विभाग, औद्यानिकी एवं वानिकी विश्विद्यालय; सोलन/ Vikaspedia

(Compiled by: C M Sharma)

कम्पोस्ट बनाने का सामान

1. बृहतकाय कार्बिनक पदार्थ- घास-पात, गोबर, पराल और मक्की, सरसों चना, मटर, सनई, पशु बिछानी, चाय की छांटनी, चीड़ के पत्तों, ढेंचा, खेत खलिहानों का कचरा, सड़को का कूड़ा-करकट, दहलन का छिलका, वृक्षों के पत्ते, खरपतवार और कोई भी कार्बनिक व्यर्थ का पदार्थ हो सकता है।

2. उपयुक्त आरम्भकः कम्पोस्टिंग प्रतिक्रिया के लिए जीवाणु अनुवार्य है जो आरम्भक द्वारा जैसे गोबर, बिष्टा, मल प्रवाह, अवपंक, सक्रिय कृता अवपंक कम्पोस्टिंग कल्चर द्वारा दिए जा सकते हैं। यदि जरूरत है तो अकार्बनिक नाइट्रोजन भी डाला जा सकता है।

3. जल की मात्रा- यह 50-75% रहनी चाहिए। जल की कमी हो जाये उसकी पूर्ति बीच-बीच में करते रहना चाहिए।

4. वायु की मात्रा- यह विच्छेदन के लिए जरुरी है और पर्याप्त मात्रा में मिलनी चाहिए क्योंकि विच्छेदन वाले अधिकांश जीवाणु वायु जीवी होते हैं। इसके लिए ढेर को उलट-फेर करते रहना चाहिए। कम्पोस्ट बनाने वाले पात्र या गड्ढे के तल में छेद वाली नाली रखी जा सकती है यह बाँस का प्रयोग भी किया जाता है जिससे वायु प्रविष्ट कराई जा सके। यदि कम्पोस्ट बनाने का वायुजीवी उपचार 3-4 माह चलता रहे तो कार्बनिक पदार्थों का टूटना 50: से अधिक हो सकता है जो कि एक अच्छी कम्पोस्ट के लिए जरुरी है।

कचरे को गड्ढे में 15-15 दिन बाद फेरबदल कर देना चाहिए और यदि कचरा सुखा हो जाए तो इसे 70-80% नमी पर लाने के लिए पानी डालना चाहिए। इसतरह कम्पोस्ट 3-4 महीनों में तैयार हो जाती है। अब इसे और सड़ाने की जरूरत नहीं होती नहीं तो नाइट्रोजन और दूसरे तत्वों की हानि हो सकती है। अच्छी तैयार की गई कम्पोस्ट का रंग भूरा-काला होता है और यह भुरभुरी होने के साथ-साथ अच्छी सुगंध वाली होती है। इस समय इसका कार्बन और नाइट्रोजन का अनुपात 20% के लगभग होना चाहिए। खाद के परिपक्व होने का अनुमान आधा किलो खाद को आधा किलो पानी में डालकर मिलाएं तो पानी का रंग गहरे भूरे से काला हो जाता है जो की कम्पोस्ट में घुलनशील पदार्थों के पैदा होने से होता है। कम्पोस्ट खाद गोबर की खाद से बहुत मिलती जुलती है। यह देखने और अन्य गुणों में सड़ी हुई गोबर जैसी ही होती है। कम्पोस्ट खाद का प्रयोग अकेले या नाइट्रोजन, फास्फोरस या पोटाश या अन्य तत्वों के साथ उर्वरकों के साथ बहुत ही लाभकारी होता है। सब प्रकार की भूमि के तैयार करने में इसका उपयोग बहुमूल्य है। हर गाँव व स्थान पर बिना अधिक मूल्य के और बिना अधिक परिश्रम के इसे तैयार किया जा सकता है और यही कारण है कि इसका उपयोग दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। इसके उपयोग के लिए कुछ बातों कद ध्यान रखना जरुरी है ताकि इसमें जो लाभकारी तत्व हैं उनकी हानि इसके उपयोग में न हो।

क) इसके तैयार होने के बाद जल्दी ही उपयोग में लाना चाहिए, नहीं तो गड्ढे में इकट्ठा करके मिट्टी की पतली सी परत से ढक देना चाहिए।

ख) खेत में डालने के उपरांत एकदम इसे मिट्टी में मिला देना चाहिए नहीं तो मिट्टी की सतह पर रहने से नाइट्रोजन की हानि हो जाती है जो कि गर्म जलवायु वाली जगह पर बहुत ही ज्यादा होती है।

ग) बीज बीजने के कम से कम एक सप्ताह पहले ही इसे मिट्टी में मिला देना चाहिए ताकि इसका विघटन पूरी तरह हो सके।

केंचुआ खाद

केंचुआ खाद (वर्मीकम्पोस्ट)

केंचुआ मिट्टी का सबसे जरुरी जीव है। इसकी संसार में 2 l00 से भी ज्यादा किस्में मिलती है। केंचुए बहुत प्रकार से लाभदायक है। केंचुए जमीन की उर्वरकता को बढ़ाने के लिए काफी सहायक होते हैं।

केंचुआ के मृदा में होने वाले लाभ

क) जो छोटे-छोटे छिद्र मिट्टी में केंचुए करते हैं जिससे मिट्टी वायु संचारण तथा जल निष्कासन को बढ़ावा मिलता है।

ख) नीचे वाली मिट्टी को ऊपर की सतह पर ले आते हैं।

ग) ये केंचुए मिट्टी को मिलाकर उसको भुरभुरा बनाते हैं।

घ) जमीन जिसमें खेती न की गई हो या कुछ सालों से बंजर हो वहां पर केंचुए मिट्टी की बनावट और उपजाऊ शक्ति को स्थिर बनाते हैं।

केंचुआ खाद (वर्मी कम्पोस्ट) बनाने की विधि

यह खाद घर के कूड़े-कचरे से, वनस्पति के किसी भी हिस्से से जो किसी अन्य प्रयोग में न लाया जा सके, छोटे-छोटे कीड़े जिन्हें केंचुए कहते हैं उनकी सहायता से छोटे-छोटे गड्ढे 2× डेढ़ × डेढ़ में तैयार की जा सकती है। इसको, बनाने के लिए ऊपर लिखे गड्ढे के आकार में वनस्पति का कचरा, मिट्टी,छोटे-छोटे तिनके, किलोग्राम कागज और कोई भी कचरा जिसमें कार्बन की मात्रा ज्यादा हो डाला जा सकता है। गड्ढे के पैदें में छोटी-छोटी टहनियां काटकर डाली जाती हैं ताकि इससे ऊपर डाले कचरे में हवा आसानी से आ-जा सके।

इसके ऊपर अच्छी तरह मिलाया हुआ कचरा डाल देते हैं जिससे अर्थ वर्म 100 प्रति वर्गमीटर गड्ढे के हिसाब से डाल देते हैं। वर्म सारे कचरे में फैल जाते हैं और इसे 2-4 महीनों के बीच एक बहुमूल्य खाद में बदल देते हैं जिसे वर्मीकम्पोस्ट खाद कहते हैं। दो से चार महीनों के अंत के कचरे का विघटन होकर कार्बन नाइट्रोजन का अनुपात 20:1 तक आ जाता है जो कि एक उत्तम खाद के लिए होना चाहिए। इसके अलावा वर्मज निकली हुई मिट्टी जैसा पदार्थ जिसे कास्टिमू कहते हैं वह भी पौधे को बहुमूल्य तत्व देता है जिसमें लाभदायक कीटाणुओं की बहुत मात्रा होती है। इसमें मित्र जीवाणुओं की संख्या साधारण मिट्टी से 10 गुणा होती है।

जीवाणु खाद का अभिप्राय ऐसे सूक्ष्म जीवाणुओं से है जो मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिए अधिक मात्रा में दिए जाते हैं और उनका प्रभाव धीरे-धीरे होता है। हमारे खेत की एक ग्राम मिट्टी में लगभग दो तीन अरब सूक्ष्म जीवाणु पाए जाते हैं जिसमें मुख्यत: बैक्टीरिया, फुफंद, कवक, प्रोटोजोआ आदि होते हैं जो मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाने व फसलोत्पादन की वृद्धि में अनेक कार्य करते हैं।

जीवाणु खाद के प्रकार

क) नाइट्रोजन योगीकरण वाले

फसल - जीवाणु का नाम

दलहनी फसलें - राइजोबियम

अन्न फसलें - एजोटोबैक्टर, ऐजोस्पाईरिलम, एसीटोबैक्टर आदि

चावल/धान - नीली हरी अनोला

ख) फास्फोरस घुलनशीलता के लिए

एसपजिलस, पैनिसिलियम, स्यूडोमोनॉस, बैसिलस आदि

ग) पोटाश व लोहा घुलनशीलता के लिए

बैस्लिम, फ्रैच्यूरिया, एसीटोबैक्टर आदि

घ) प्लांट ग्रोथ प्रमोटिंग राइजोबैक्टीरिया

बैस्लिम, फ्लोरिसैंट, स्यूडोमोनॉस, राइजोबियम, फ्फैवोबैक्टीरिया

ड.) माइकोराइजल कवक

एक्टोमाइकोराइजा तथा अव स्कुलर माइकोराइजा